हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, शुक्रवार 14 अगस्त 2026

सिंचाई विभाग की तीन मेगा परियोजना को मिली हरी झंडी, 42 हजार हेक्टेयर क्षेत्र होगा सिंचित

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं के निर्माण कार्यों में तेजी आएगी

छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग की तीन महत्वाकांक्षी सिंचाई परियोजनाओं बस्तर की मटनार-देउरगांव बहुउद्देशीय उद्वहन बैराज परियोजना, रायपुर जिले की मोहमेला–सिरपुर बैराज परियोजना तथा गरियाबंद जिले की पैरी परियोजना अंतर्गत सिकासार-कोडार जलाशय लिंक परियोजना को हरी झंडी मिल गई है। राज्य की इन बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं के निर्माण कार्यों में तेजी आने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

इन महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण से प्रदेश के किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। इन परियोजनाओं से संबंधित निविदा प्रक्रिया को कानूनी वैधता प्राप्त होने से निर्माण कार्यों में संभावित विधिक बाधाएं समाप्त हो गई हैं। अब प्रदेश की इन बहुउद्देशीय परियोजनाओं के माध्यम से सिंचाई विस्तार, जल संरक्षण, पेयजल उपलब्धता, औद्योगिक विकास तथा 21 मेगावॉट स्वच्छ जलविद्युत उत्पादन जैसे बहुआयामी लाभ शीघ्र धरातल पर उतरने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी।

इन परियोजनाओं से प्रदेश की सिंचाई एवं जल संसाधन अवसंरचना को नई मजबूती मिलेगी। बस्तर की मटनार–देउरगांव बहुउद्देशीय उद्वहन बैराज परियोजना से लगभग 16,000 हेक्टेयर कृषि भूमि को स्थायी सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही परियोजना से 21 मेगावॉट जलविद्युत उत्पादन का भी प्रावधान है, इससे कृषि के साथ-साथ ऊर्जा क्षेत्र को भी महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा। मोहमेला-सिरपुर बैराज परियोजना से लगभग 1,800 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा विकसित होगी, जबकि पैरी-सिकासार-कोडार लिंक परियोजना के माध्यम से लगभग 25,000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई, पेयजल एवं औद्योगिक उपयोग हेतु जल उपलब्ध कराया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में इंद्रावती नदी पर प्रस्तावित मटनार-देउरगांव बहुउद्देशीय उद्वहन बैराज परियोजना लगभग 2,000 करोड़ रुपये की लागत से बन रही है। रायपुर जिले के आरंग विकासखंड में महानदी पर स्थित मोहमेला-सिरपुर बैराज परियोजना लगभग 568 से 690 करोड़ की लागत वाली एक प्रमुख उद्वहन (लिफ्ट) सिंचाई योजना है। इसके तहत 26 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाकर लगभग 1,800 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र में पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। गरियाबंद जिले की पैरी परियोजना के अंतर्गत सिकासार-कोडार जलाशय लिंक परियोजना लगभग 3,046 करोड़ की लागत से बनने वाली एक महत्वपूर्ण जल संसाधन योजना है। इसके तहत सिकासार जलाशय के अतिरिक्त पानी को भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से कोडार जलाशय तक पहुंचाया जाएगा, जिससे हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई और पेयजल मिल सकेगा।

विभाग की कार्यवाही नियमानुसार

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि उच्च न्यायालय, बिलासपुर के 4 अगस्त को पारित निर्णय में पैरी-सिकासार लिंक परियोजना से संबंधित याचिका को निरस्त करते हुए जल संसाधन विभाग द्वारा अपनाई गई निविदा प्रक्रिया, पात्रता शर्तों एवं तकनीकी मूल्यांकन को नियमों के अनुरूप माना। न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि निविदा आमंत्रण प्राधिकरण अपनी तकनीकी एवं व्यावसायिक आवश्यकताओं का सर्वोत्तम निर्णायक है तथा न्यायालय केवल निर्णय प्रक्रिया की वैधता की समीक्षा कर सकता है। यह भी कहा गया है कि अनुमानित लागत के दो गुना औसत वार्षिक टर्नओवर की पात्रता शर्त न तो मनमानी है और न ही संविधान के अनुच्छेद-14 का उल्लंघन है।

खबर संक्षेप

प्रभारी सचिव ऋचा शर्मा ने ली समीक्षा बैठक

रायपुर। जिले की प्रभारी सचिव एवं अपर उप सचिव ऋचा शर्मा ने जिले के विभिन्न विभागों के कामकाज की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सुशासन और नवाचार के क्षेत्र में अनेक कार्य किए जा रहे हैं। लोगों को सेवा-सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जनसुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों को सतही तौर पर न लिया जाए तथा वास्तविक रूप से निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि दस्तावेजों के अभाव में किसी प्रकरण को निरस्त किया जा रहा है तो इसके लिए वीएलसी एवं सेवा-सेतु केंद्रों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि हितग्राहियों के सभी आवश्यक दस्तावेजों को सही तरीके से अपलोड कराया जा सके।

जिले में जोश स्वच्छता प्रहरी पहल का शुभारंभ

रायपुर। स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण छत्तीसगढ़ अंतर्गत रायपुर जिले में जर्नी ऑफ सैनिटेशन एंड हाइजीन (जेओएसएच) जोश पहल का शुभारंभ हुआ। जिले की प्रभारी सचिव ऋचा शर्मा ने इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कलेक्टर गौरव सिंह, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर वाटरएड इंडिया के सहयोग से प्रशिक्षित जोश संचालकों (स्वच्छता प्रहरियों) को स्वच्छता किट प्रदान की गई। स्वच्छता किट के माध्यम से स्वच्छता प्रहरी सुरक्षित एवं प्रभावी तरीके से नियमित, गुणवत्तापूर्ण तथा मांग-आधारित स्वच्छता सेवाएं उपलब्ध करा सकेंगे। जोश पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता सेवाओं को अधिक पेशेवर, विश्वसनीय एवं जवाबदेह बनाना है। इसके साथ ही यह पहल स्थानीय युवाओं के लिए सम्मानजनक आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

अमानत में खयानत का आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। गंज थाने की पुलिस ने कारोबारी की दुकान से अमानत में खयानत करने वाले कर्मचारी को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है। अक्षय कुमार राजवाड़े की शिकायत पर पुलिस ने पश्चिम बंगाल, हावड़ा निवासी जमीर मुल्ला को गिरफ्तार किया है। उसने फाफाडीह चौक स्थित महावीर थाली के ऊपर संचालित ब्लू हैवन विग हब एंड यूनिसेक्स सेलून से 28 जुलाई को 7.32 लाख रुपए कीमत का विग, हेयर एक्सटेंशन, ब्यूटी प्रोडक्ट चोरी कर ले गया था।

फुलड्रेस रिहर्सल में अश्वरोही और डॉग स्कावाड का धमाल

हादसे में एक जख्मी भी

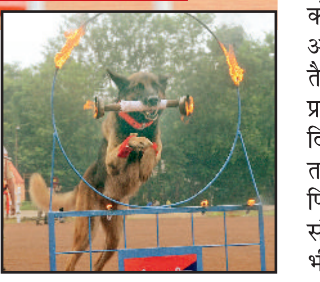

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए गुरुवार को पुलिस ग्राउंड पर फुलड्रेस रिहर्सल के दौरान भव्यता के साथ परेड का अद्भुत दृश्य नजर आया। अश्वरोही दल और डॉग स्कावाड के श्वानों की करतब ने मन मोह लिया। प्रदर्शन के दौरान अश्वरोही दल का एक सदस्य जख्मी भी हो गया। दरअसल,जब पुलिस परेड ग्राउंड पर तीसरी वाहनी सशस्त्र बल अमलेश्वर की घुड़सवारी दल द्वारा परेड में स्टैंडिंग सैल्यूट, बल्लमबाजी जैसे एक्शन परफार्मेंश का प्रदर्शन किया जा रहा था, तभी बैलेंस बिगड़ने से एक सदस्य गिर गया, जिससे अफरातफरी मच गई। घायल को एंबुलेंस से ले जाया गया।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की तैयारी, माह के अंत या अगले माह संभव

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने अब हर तीन माह में प्रदेश कार्यसमिति जरूरी कर दी है। वैसे तो पहले भी हर तीन माह में प्रदेश कार्यसमिति जरूरी थी, लेकिन इसके लिए राष्ट्रीय कार्यसमिति का इंतजार करना पड़ता था। कई बार सालभर राष्ट्रीय कार्यसमिति न होने पर प्रदेश कार्यसमिति भी नहीं हो पाती थी, लेकिन अब प्रदेश के लिए हर तीन माह में कार्यसमिति जरूरी कर दी गई और कहा गया है कि इसके लिए राष्ट्रीय कार्यसमिति का इंतजार जरूरी नहीं है। नए निर्देश के बाद पहली बार 12 और 13 मई को प्रदेश कार्यसमिति हुई थी। अब तीन माह बाद अगस्त में प्रदेश कार्यसमिति होनी है। इसे लेकर तैयारी चल रही है, लेकिन इस बीच भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव का एक्सीडेंट होने के कारण वे दिल्ली के अस्पताल में भर्ती हैं। उनसे चर्चा के बाद तय होगा कि इस माह के अंत में कार्यसमिति होगी या फिर अगले माह की जाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने अब हर माह पांच स्तर पर बैठक करने के भी निर्देश दिए हैं।

महिला आयोग कार्रवाई की सिफारिश कर सकता है, सीधा आदेश नहीं

प्रभारी प्राचार्य का तबादला आदेश निरस्त

बिलासपुर। हाईकोर्ट के जस्टिस एके प्रसाद की सिंगल बेंच ने राज्य महिला आयोग की कार्रवाई को अधिकार क्षेत्र से बाहर मानते हुए प्रभारी प्राचार्य के तबादले की सिफारिश निरस्त कर दी है। कोर्ट ने कहा कि महिला आयोग शिकायतों की जांच कर संबंधित सक्षम प्राधिकारी से कार्रवाई की सिफारिश कर सकता है, लेकिन किसी कर्मचारी की सेवा शर्तों को प्रभावित करने वाला तबादला आदेश सीधे जारी करने या उसका निर्देश देने का अधिकार आयोग के पास नहीं है।

मामला रायगढ़ जिले के पुसौर ब्लॉक के पड़ीगांव स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल के व्याख्याता सह प्रभारी प्राचार्य डिग्रीलाल पटेल से जुड़ा है। पटेल ने संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत याचिका दायर कर महिला आयोग की 6 जुलाई 2026 की कार्यवाही और तबादले की सिफारिश को चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से भी स्वीकार किया गया कि आयोग की कार्रवाई प्रथम दृष्टया उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर प्रतीत होती है। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि आयोग महिलाओं की शिकायतों पर जांच कर उचित उपचारात्मक कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर सकता है, लेकिन पक्षकारों के अधिकारों का न्याय-निर्णयन नहीं कर सकता। याचिकाकर्ता ने बताया कि शिकायत से जुड़े कई मामलों में विभागीय स्तर पर कार्रवाई हो चुकी थी अथवा मामले सक्षम मंचों के समक्ष लंबित थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आयोग ने शिकायत और दस्तावेजों की प्रतियां उपलब्ध कराए बिना सुनवाई की और बाद में तबादले की सिफारिश कर दी। कोर्ट ने कहा कि सीमित वैधानिक शक्तियों वाला आयोग अपने अधिकारों का विस्तार कर बाध्यकारी सेवा संबंधी आदेश जारी नहीं कर सकता। इसी आधार पर तबादले की सिफारिश निरस्त कर दी गई।

बिजली कंपनी के कर्जदार सरकारी विभागों से अब चार किस्तों में वसूला जाएगा बिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तीन हजार करोड़ से ज्यादा बकाया, पुराना भुगतान के बाद ही प्री पैड प्रणाली

छत्तीसगढ़ सरकार ने सरकारी विभागों के बढ़ते बिजली बकाया और भुगतान व्यवस्था में अनुशासन लाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। राज्य के सभी शासकीय बिजली कनेक्शनों को चरणबद्ध तरीके से स्मार्ट मीटर आधारित प्री-पैड बिलिंगप्रणाली में लाया जाएगा। पहले चरण में अगस्त 2026 से विकासखंड स्तर और उससे ऊपर के सभी सरकारी कार्यालय इस व्यवस्था में शामिल होंगे। खास बात ये है कि सरकारी दफ्तरों पर बिजली बिल का बकाया 3 हजार 432 करोड़ से अधिक अनुमानित है। विभागों को बकाया राशि चार समान किस्तों में चुकानी होगी।

नगरीय निकायों को मिली अहम जिम्मेदारी

नई व्यवस्था लागू करने के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों को विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। प्रत्येक निकाय को अपने सभी सरकारी बिजली कनेक्शनों का सत्यापन कर उन्हें निर्धारित ग्रुप में शामिल करना होगा। एक प्री-पेड नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो रिचार्ज, भुगतान और पूरी व्यवस्था की निगरानी करेगा। संबंधित अधिकारी का नाम, मोबाइल नंबर और ई-मेल सीएसपीडीसीएल को उपलब्ध कराना होगा।

शुरू होगा प्लास्टिक बैंक, नगर निगम बिसलेरी के साथ 6 जगह लाएगा प्रोजेक्ट

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

शहर में प्लास्टिक कचरे को सड़क, नाली और लैंडफिल तक जाने से रोकने के लिए नगर निगम तैयारी कर रहा है। इसके लिए बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर बॉटल्स फार चेंज पहल शुरू की जा रही है। इसके तहत राजधानी के 6 स्थानों पर प्लास्टिक बैंक बनाए जाएंगे, जहां लोग अपना प्लास्टिक कचरा जमा कर सकेंगे। रायपुर नगर निगम के मुताबिक शहर में 6 जगहों पर प्लास्टिक बैंक बनाए जाएंगे। इनमें नगर निगम मुख्यालय, आजाद चौक, बूढ़ातालाब स्थित शीतला मंदिर के पास, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के बाहर, जीई रोड स्थित अनुपम गार्डन और महादेवघाट शामिल हैं। इन प्लास्टिक बैंक में जमा कचरे को दूसरे कचरे से अलग रखा जाएगा। इसके बाद इसे रीसाइकिलिंग के लिए भेजा जाएगा। महापौर मीनल चौबे ने प्लास्टिक कचरे की रीसाइकिल को बढ़ावा देने गुरुवार को बॉटल्स फॉर चेंज पहल का शुभारंभ किया। अभियान के अंतर्गत बिसलेरी द्वारा करीब 46 हजार बोतलों को इकट्ठा किया जाएगा, बाद में इन बोतलों को रीसाइकिल कर एक बेंच तैयार की जाएगी। यह बेंच नगर निगम को निःशुल्क दी जाएगी। यह गतिविधि प्लास्टिक कचरे के रीसाइकिल और पर्यावरण संरक्षण के प्रति नागरिकों को प्रेरित करेगी। इस पहल के अगले चरण में आवासीय कालोनियों, शैक्षणिक संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, हॉटल और रेस्टॉरेंट तथा अन्य थोक कचरा उत्पादकों से प्लास्टिक कचरे को संग्रहित कर उसे उचित चैनल के माध्यम से रीसाइकिल के लिए भेजा जाएगा। प्लास्टिक कचरे को दोबारा उपयोगी बनाने के लिए यह पहल बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड की सीएसआर पहल के तहत यंग इंडियंस और सीआईआई रायपुर चेप्टर के सहयोग से शुरू की गई है। कार्यक्रम में नगर निगम के अपर आयुक्त विनोद पांडे, स्वच्छ भारत मिशन के कार्यपालन अभियंता योगेश कडू, उप अभियंता कृष्णा राठी, संस्कार शर्मा, एसडब्लूएम विशेषज्ञ प्रमित चोपड़ा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जुलाई में एक भी नहीं बिका, जून में बिका था एक

प्रदेश में अब पेट्रोल ऑटो की डिमांड नहीं, सबसे ज्यादा बिक रहे ई-रिक्शा

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

प्रदेश में अब पेट्रोल ऑटो की डिमांड लगभग पूरी तरह से खत्म हो गई है। जुलाई में एक भी पेट्रोल ऑटो नहीं बिका है। जून में भी महज एक ही आटो बिका था। ऑटोमोबाइल बाजार में इस समय पूरी तरह से ई-रिक्शा का कब्जा हो गया है। सबसे ज्यादा ई-रिक्शा ही बिक रहे हैं। इसी के साथ सीएनजी आटो की भी मांग बढ़ रही है। वैसे डीजल वाले ऑटो आज भी बिक रहे हैं, लेकिन इनकी डिमांड भी बहुत कम है।

पेट्रोल के बढ़ते दाम के साथ ही इसमें 20 फीसदी एथेनाल मिलाने के कारण अब एक तरफ जहां आम ग्राहकों का रुख ई-वाहनों की तरफ हो रहा है, वहीं सवारी वाहनों में तिपहिया वाहनों में भी पहली पसंद ई-रिक्शा हो गए हैं। लंबे समय से प्रदेश में पेट्रोल वाले ऑटो की डिमांड नहीं आ रही है। इसके कारण अब पेट्रोल वाले आटो बेचने वाले ऑटोमोबाइल कारोबारी डिमांड आने पर ही इसे मंगा रहे हैं।

प्रदेश में जुलाई में तिपहिया वाहनों में सबसे ज्यादा 1590 ई-रिक्शा बिके हैं। इसके हिसाब से तिपहिया वाहनों के बाजार में ई-रिक्शा का 92 फीसदी कब्जा है। इसके बाद दूसरे नंबर पर डीजल वाले ऑटो हैं। जुलाई में ये 122 बिके हैं। इसका प्रतिशत सात है। इसके बाद सीएनजी का नंबर है। सीएनजी वाले 21 ऑटो बिके हैं। सीएनजी के पंप कम होने के कारण अभी इसकी डिमांड कम है, पंप बढ़ने पर इसकी डिमांड भी बढ़ेगा। जुलाई से पहले जून में ई-रिक्शा 1620 बिके थे। इसी के साथ डीजल वाले ऑटो 127 और सीएनजी वाले ऑटो 9 बिके थे। पेट्रोल वाला एक आटो बिका था। बीते साल जुलाई से इस साल जुलाई में 331 तिपहिया वाहन ज्यादा बिके हैं। बीते साल जुलाई में भी एक भी पेट्रोल वाला ऑटो नहीं बिका था।

ई-रिक्शा ज्यादा बिक रहे

प्रदेश में इस समय सबसे ज्यादा ई-रिक्शा ही बिक रहे हैं। पेट्रोल वाले ऑटो की डिमांड नहीं है। डीजल वाले ऑटो जरूर अब भी बिक रहे हैं, लेकिन इनका बिकना बहुत कम हो गया है।

– **विवेक गर्ग**, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ फाडा

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, शुक्रवार 14 अगस्त 2026

संसद के मानसून सत्र में नहीं छंटा गतिरोध का बादल, आखिरी दिन सिर्फ एक मिनट चली लोकसभा

हंगामा और बवाल, धरे रह गए सवाल

संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। 20 जुलाई 2026 को शुरू हुए इस सत्र के दौरान कुल 19 बैठकें हुईं, जिसमें भारी हंगामे और गतिरोध के बीच दोनों सदनों द्वारा कुल 12 विधेयक पारित किए गए। राम मंदिर चढ़ावा चोरी और छात्रों की पिटाई मामले पर विपक्ष की मांग अधूरी रह गई। लोकसभा की आखिरी बैठक सिर्फ एक मिनट चली। पहली बार वंदे मातरम् से बैठक शुरू हुई। राष्ट्रगीत के छह अंतरे बजाए गए। इसके बाद लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र को गुरुवार अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। दोनों सदनों में विभिन्न मुद्दों पर गतिरोध कायम रहने के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्य उत्पादकता क्रमशः 19 तथा 39 प्रतिशत रही। अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर चर्चा और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण दोनों सदनों में लगातार गतिरोध बना रहा। इसे दूर करने के लिए विपक्ष एवं सत्ता पक्ष के बीच अंत तक सहमति नहीं बन पाई। सत्र के दौरान ही विपक्षी दलों की आलोचना और विभिन्न परमार्थ संगठनों की मांग के बाद विदेशी अंशदान ▶▶|शेष पेज 6 पर

राज्यसभा में 37 घंटे और 49 मिनट कामकाज

राज्यसभा की बैठक को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले सभापति सी पी राधाकृष्णन ने अपने पारंपरिक संबोधन में बताया कि सदन में कुल 37 घंटे 49 मिनट ही कामकाज हुआ। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले व्यवधानों का असर अंततः लोगों के विश्वास और उनकी आकांक्षाओं पर पड़ता है। इसलिए सभी सदस्यों को संसदीय आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने और इस संस्था की गरिमा तथा पवित्रता की रक्षा करने का प्रयास करना चाहिए।

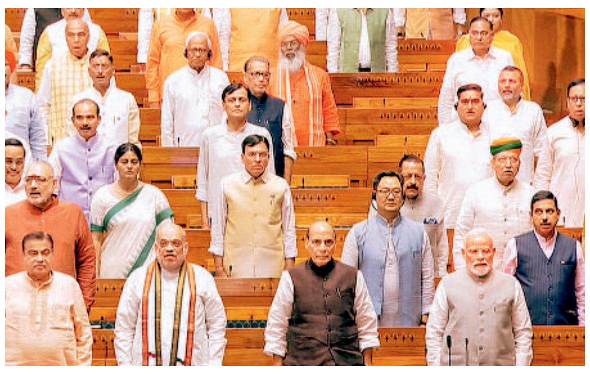

आखिरी दिन मौजूद रहे मोदी, शाह और राहुल

संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 1 मिनट चली, जबकि राज्यसभा करीब 1 घंटे चली। लोकसभा में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पूरी कैबिनेट और विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद रहे। स्पीकर ओम बिड़ला ने वंदे मातरम गान के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

- दोनों सदन अनिश्चितकाल के लिए हो गई स्थगित
- लोकसभा की कार्य उत्पादकता 19, राज्यसभा की 39 फीसदी रही
- लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही पहली बार वंदे मातरम से हुई शुरू

इन विधेयकों पर लगी मुहर

इस सत्र में 'उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन विधेयक, 2026', 'विनियोग (संख्यांक 3) विधेयक, 2026', 'न्यायाधिकरण सुधार विधेयक, 2026', 'कराधान एवं अन्य विधियां संशोधन विधेयक, 2026', 'जन्म और मृत्यु का पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026' और 'केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026' आदि को मंजूरी प्रदान कर दी गई। इसके अलावा 'राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026', 'बैंककार बही साक्ष्य विधेयक, 2026', 'भारतीय सांख्यिकी संस्थान विधेयक, 2026', 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026' और 'खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026' को भी मंजूरी दी गई।

सोने की छड़, सात बिस्किट के साथ ट्रेन में दबोचे गए दो तस्कर

रायपुर से नागपुर तक चला सर्चिंग अभियान, भंडारा के पास पकड़े गए दोनों

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर,बिलासपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल की क्राइम ब्रांच रायपुर एवं नागपुर की टीम ने राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई), नागपुर की टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए गाड़ी संख्या 12262 हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस में विदेशी सोने की तस्करी के मामले का पर्दाफाश किया है। संयुक्त टीम ने कार्रवाई के दौरान दो व्यक्तियों को लगभग 1.242 किलोग्राम विदेशी सोने, जिसमें 7 सोने के बिस्किट एवं 1 सोने की छड़ शामिल है, के साथ पकड़ा। बरामद सोने की अनुमानित कीमत लगभग 1.96 करोड़ रुपये है। रेलवे सुरक्षा बल क्राइम ब्रांच नागपुर के निरीक्षक को विश्वसनीय सूत्र से सूचना प्राप्त हुई थी कि उक्त ट्रेन में दो व्यक्ति विदेशी सोना लेकर यात्रा कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए रेलवे सुरक्षा बल क्राइम ब्रांच नागपुर द्वारा तत्काल रेलवे सुरक्षा बल क्राइम ब्रांच रायपुर को सूचित किया गया तथा डीआरआई, नागपुर की टीम के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई की योजना बनाई गई। सूचना के आधार पर संयुक्त टीम द्वारा रायपुर से ▶▶|शेष पेज 6 पर

डीआरआई नागपुर के सुपुर्द

दोनों व्यक्तियों को बरामद सोने सहित डीआरआई, नागपुर को सुपुर्द कर दिया गया। दोनों आरोपियों के विरुद्ध कस्टम एक्ट 1962 की धारा 135 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। मामले की विस्तृत जांच डीआरआई, नागपुर, महाराष्ट्र द्वारा की जा रही है।

ग्रीन स्टील पर छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग में 13,840 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भारतीय उद्योग परिसंघ के सहयोग से आयोजित 'छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग ऑन ग्रीन स्टील' में 13,840 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन परियोजनाओं से प्रदेश में 10,921 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा, स्टील और खनन छत्तीसगढ़ की औद्योगिक पहचान की मजबूत नींव हैं और आगे भी हमारी ताकत ▶▶|शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़ के स्टील का प्रदेश में ही हो अधिकतम मूल्य संवर्धन: साय

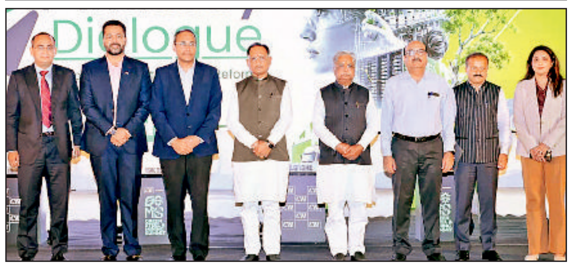

औद्योगिक विकास का विस्तार अब नए क्षेत्रों तक

राज्य सरकार औद्योगिक विकास को रायपुर-भिलाई के परंपरागत औद्योगिक क्षेत्र से आगे प्रदेश के अन्य जिलों तक विस्तार दे रही है। राजनांदगांव, धमतरी, जांजगीर-चांपा और बस्तर जिलों में चार नए औद्योगिक पार्क स्वीकृत किए गए हैं।

18 महीनों में 8 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री ने कहा, छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 ने निवेश के नए द्वार खोले हैं। पिछले 18 महीनों में प्रदेश को लगभग 8 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें स्टील और खनन जैसे पारंपरिक क्षेत्रों के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल, टेक्सटाइल और एग्रो-प्रोसेसिंग जैसे भविष्य के क्षेत्रों में भी बड़े निवेश प्रस्ताव शामिल हैं। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जिसने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस एक्ट' लागू किया है।

एनएचएआई ने तय की समयसीमा

एंबुलेंस 10 मिनट में नहीं पहुंची तो 10 हजार जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने आपातकालीन प्रतिक्रिया में तेजी लाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों पर तैनात एंबुलेंस के वास्ते 10 किलोमीटर के दायरे में मौजूद किसी भी दुर्घटनास्थल पर 10 मिनट में पहुंचने की समयसीमा तय की है। एनएचएआई ने कहा कि तय समयसीमा का पालन नहीं करने पर प्रत्येक मामले में 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। एनएचएआई ने अपने नीतिगत दिशा-निर्देशों में कहा कि एंबुलेंस को टिकट स्वीकार किए जाने के समय से एक घंटे के भीतर दुर्घटना पीड़ितों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाना होगा। उसने कहा कि तय समयसीमा का पालन नहीं करने पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

करीब 3,000 एंबुलेंस तैनात

एनएचएआई के तहत करीब 3,000 एंबुलेंस और 1,000 गश्ती वाहन एवं क्रेन तैनात हैं। ये लगभग 50,000 किलोमीटर लंबे राजमार्गों को कवर करते हैं। सरकार ने पूरे राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) नेटवर्क पर हेल्पलाइन नंबर 1033 शुरू किया है।

चिंतन

असहमति सही, लेकिन न हो विद्वानों का अपमान

लोकतंत्र में असहमति का अधिकार जितना अहम है, असहमति व्यक्त करने की भाषा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। संसद जैसे मंच पर नेताओं के शब्द केवल सदन की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे पूरे समाज के सार्वजनिक संवाद का स्तर तय करते हैं। ऐसे में किसी वैज्ञानिक या शिक्षाविद् की आलोचना करते समय शब्दों की मर्यादा का ध्यान रखना आवश्यक है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी द्वारा आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि के संदर्भ में 'गोमूत्र विशेषज्ञ' वाली टिप्पणी पर उठे विवाद को इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। प्रियंका को कामकोटि के गोमूत्र संबंधी विचारों से असहमति हो सकती है। उनके दावों पर वैज्ञानिक सवाल भी उठाए जा सकते हैं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण यही कहता है कि किसी भी दावे को प्रमाण, शोध और स्वतंत्र परीक्षण की कसौटी पर परखा जाए। यदि कोई दावा वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित नहीं है तो उसे स्वीकार करने का कोई कारण नहीं है, लेकिन किसी व्यक्ति के पूरे अकादमिक व्यक्तित्व को एक टिप्पणी या विवादित दावे के आधार पर परिभाषित कर देना भी उचित नहीं कहा जा सकता। यदि कामकोटि के गोमूत्र संबंधी दावे गलत हैं तो उनका सबसे प्रभावी उत्तर यही होगा कि वैज्ञानिक समुदाय उनके दावों की समीक्षा करे, उपलब्ध शोध की सीमाएं बताए और तथ्य जनता के सामने रखे। विचारों में असहमति हो सकती है, लेकिन विद्वानों का अपमान किया जाना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। इस विवाद के बाद 38 से अधिक देशों में रह रहे भारतीय वैज्ञानिकों सहित 14,000 लोगों का ऑनलाइन अभियान से जुड़ना भी एक संदेश देता है। इससे पहले 215 मौजूदा और पूर्व कुलपतियों तथा शिक्षाविदों द्वारा आपत्ति जताना इस बात की ओर संकेत है कि अकादमिक समुदाय अपने सदस्यों की सार्वजनिक गरिमा को लेकर गंभीर है। हालांकि ऑनलाइन समर्थन की संख्या अपने आप में किसी पक्ष को सही साबित नहीं करती। न ही किसी वैज्ञानिक की प्रतिष्ठा उसके हर विचार को स्वतः सही बना देती है। लेकिन यह जरूर बताती है कि सार्वजनिक जीवन में भाषा और मर्यादा का प्रश्न अब केवल राजनीतिक विवाद नहीं रहा। यहां एक और महत्वपूर्ण बात है। विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के प्रमुख सार्वजनिक पदों पर होते हैं, इसलिए उनके विचारों और कार्यों की कठोर जांच होनी चाहिए। सवाल यह होना चाहिए कि उन्होंने क्या कहा, किस आधार पर कहा और उसके समर्थन में क्या प्रमाण हैं। सवाल यह नहीं होना चाहिए कि व्यक्ति का मजाक कैसे बनाया जाए। संसद में बैठे जनप्रतिनिधियों से समाज को इसी परिपक्वता की अपेक्षा होती है। राजनीतिक विरोधियों पर तीखी टिप्पणी करना लोकतांत्रिक राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन किसी शिक्षाविद् या वैज्ञानिक की प्रतिष्ठा पर व्यक्तिगत कटाक्ष स्वस्थ परंपरा नहीं हो सकती। आज जरूरत ऐसी राजनीति की है जो विज्ञान से सवाल पूछे, लेकिन विज्ञान का मजाक न बनाए, ऐसी अकादमिक दुनिया की है जो आलोचना स्वीकार करे, लेकिन तथ्यों से जवाब दे और ऐसे सार्वजनिक संवाद की है, जिसमें असहमति तल्ख हो सकती है, मगर भाषा गरिमाहीन नहीं। लोकतंत्र में किसी विचार को कठघरे में खड़ा करने की पूरी आजादी होनी चाहिए, लेकिन व्यक्ति की गरिमा को कठघरे में खड़ा करना लोकतांत्रिक बहस की ताकत नहीं, उसकी कमजोरी है। असहमति जितनी धारदार हो, भाषा उतनी ही जिम्मेदार होनी चाहिए। इसलिए संसद जैसे मंच पर नेताओं को सोच-समझकर और तथ्यों के साथ बात रखनी चाहिए।

समानता

ममता कुशवाहा

क्या हर भारतीय को बराबर अवसर मिला

भारत ने 15 अगस्त 1947 को राजनीतिक गुलामी की लंबी रात से आजादी हासिल की थी। यह केवल अंग्रेजी शासन से मुक्ति नहीं थी, बल्कि एक ऐसे भारत के निर्माण का सपना भी था, जहां हर व्यक्ति को सम्मान, अधिकार और आगे बढ़ने का समान अवसर मिले। संविधान ने इसी सपने को लोकतंत्र, स्वतंत्रता, समानता और न्याय के मूल्यों के रूप में स्वीकार किया। आजादी के 79 वर्ष बाद भारत ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन एक महत्वपूर्ण सवाल आज भी हमारे सामने खड़ा है कि क्या आज हर भारतीय को वास्तव में बराबर अवसर मिल रहा है? क्या किसी बच्चे का भविष्य उसकी प्रतिभा से तय होता है या उसके परिवार की आर्थिक स्थिति, उसके गांव या शहर, उसके लिंग और उसकी सामाजिक पृष्ठभूमि से भी प्रभावित होता है? भारत की आजादी के बाद शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम माना गया। स्कूलों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी, साक्षरता में उल्लेखनीय सुधार हुआ और शिक्षा आम लोगों तक पहले की तुलना में कहीं अधिक पहुंची। आज गरीब परिवारों के बच्चे भी डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, वैज्ञानिक, अधिकारी और उद्यमी बनने का सपना देख सकते हैं। सरकारी विद्यालयों, छात्रवृत्तियों, आरक्षण और विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं ने वंचित वर्गों के लिए अवसरों के दरवाजे खोले हैं। फिर भी शिक्षा में समान अवसर की मंजिल अभी दूर है। एक ओर ऐसे बच्चे हैं जिन्हें अच्छे निजी स्कूल, इंटरनेट, कंप्यूटर, अंग्रेजी शिक्षा और निजी कोचिंग जैसी सुविधाएं मिलती हैं, वहीं दूसरी ओर ऐसे बच्चे भी हैं जिनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षक, पुस्तकें, डिजिटल साधन और शांत वातावरण तक उपलब्ध नहीं है। इसलिए केवल स्कूल में दाखिला मिल जाना शिक्षा की समानता नहीं है; वास्तविक समानता तब होगी जब हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर मिले। डिजिटल युग ने शिक्षा के अवसरों को बढ़ाया भी है और नई असमानताएं भी पैदा की हैं। ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे इस डिजिटल अंतर के कारण पीछे रह सकते हैं। आज शिक्षा केवल किताब और कक्षा तक सीमित नहीं है; डिजिटल ज्ञान भी सफलता की महत्वपूर्ण सीढ़ी बन चुका है। इसलिए डिजिटल सुविधाओं तक समान पहुंच अब अवसरों की समानता का आवश्यक हिस्सा बन गई है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी भारत ने लंबी यात्रा तय की है। आज महिलाएं राजनीति, प्रशासन, सेना, विज्ञान, खेल, उद्योग, शिक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में अपनी क्षमता साबित कर रही हैं।

पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी ने लाखों महिलाओं को सार्वजनिक जीवन से जोड़ा है। बेटियों की शिक्षा के प्रति समाज की सोच में भी बदलाव आया है, लेकिन दूसरी तस्वीर अभी भी चिंता पैदा करती है। अनेक लड़कियां आज भी शिक्षा बीच में छोड़ने, बाल विवाह, घरेलू जिम्मेदारियों, सुरक्षा की चिंता और सामाजिक रूढ़ियों का सामना करती हैं। कई परिवारों में बेटे की शिक्षा को बेटी की शिक्षा से अधिक प्राथमिकता दी जाती है। महिलाओं की कार्यक्षेत्र में भागीदारी, समान वेतन, सुरक्षित वातावरण और निर्णय लेने की स्वतंत्रता के सवाल भी पूरी तरह हल नहीं हुए हैं। महिला सशक्तिकरण का अर्थ केवल महिलाओं को अवसर देना नहीं, बल्कि उन्हें अपनी पसंद और निर्णय के अनुसार जीवन जीने की स्वतंत्रता देना भी है। आखिरकार आजादी का अर्थ केवल यह नहीं है कि हम अपने प्रतिनिधि चुन सकते हैं या अपनी बात कह सकते हैं। किसी लड़की का लिंग उसके अधिकारों को सीमित न करे, किसी ग्रामीण युवा का पता उसकी प्रतिभा के रास्ते में बाधा न बने और किसी व्यक्ति की सामाजिक पृष्ठभूमि उसके भविष्य का फैसला न करे। भारत ने समान अवसर की दिशा में लंबी दूरी तय की है, लेकिन मंजिल अभी बाकी है। आने वाले वर्षों में हमें ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जहां अवसर कुछ लोगों की विशेष सुविधा न होकर हर नागरिक का वास्तविक अधिकार बनें। आजादी की 79वीं वर्षगांठ पर इसलिए हमें केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि हमने कितनी प्रगति की है, बल्कि यह भी पूछना चाहिए कि उस प्रगति का लाभ किस तक पहुंचा है। जब भारत का सबसे गरीब बच्चा भी बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का समान अवसर पाएगा, जब गांव और शहर के बीच अवसरों की खाई कम होगी और जब बेटी और बेटे के भविष्य को समान महत्व मिलेगा, तभी हमारी राजनीतिक आजादी सामाजिक और आर्थिक समानता में बदल सकेगी। यही उस स्वतंत्र भारत की पहचान होगी, जिसका सपना हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विभाजन विभीषिका

डॉ. चंद्र त्रिखा

दर्द, त्रासदी और विरासत का स्मरण

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भारतीय इतिहास का एक ऐसा पन्ना है, जिसे हर बार पलटने पर केवल खून और आंसुओं के निशान ही दिखाई देते हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं और धार्मिक उन्माद ने किस तरह एक हंसते-खेलते उपमहाद्वीप को आग के हवाले कर दिया था। वर्ष 1947 में 14 और 15 अगस्त की मध्यरात्रि को सत्ता का हस्तांतरण हुआ और लाखों लोग अपने ही घर में बेगाने हो गए। इसका प्रभाव इतना भयावह हुआ कि हम आज तक भी विभाजन-विभीषिका से उत्पन्न दु:ख और त्रासदी से पूरी तरह उबर नहीं पाए। इस त्रासदी में लगभग डेढ़ करोड़ लोग अपने घरों से उजड़ गए, जबकि प्राण खोने वालों की संख्या को लेकर कोई एक राय नहीं है।

चौदह अगस्त यानी विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भारतीय इतिहास का एक ऐसा पन्ना है, जिसे हर बार पलटने पर केवल खून और आंसुओं के निशान ही दिखाई देते हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं और धार्मिक उन्माद ने किस तरह एक हंसते-खेलते उपमहाद्वीप को आग के हवाले कर दिया था। वर्ष 1947 में 14 और 15 अगस्त की मध्यरात्रि को सत्ता का हस्तांतरण हुआ और लाखों लोग अपने ही घर में बेगाने हो गए। इसका प्रभाव इतना भयावह हुआ कि हम आज तक भी विभाजन-विभीषिका से उत्पन्न दुःख और त्रासदी से पूरी तरह उबर नहीं पाए। इस त्रासदी में लगभग डेढ़ करोड़ लोग अपने घरों से उजड़ गए, जबकि इस दौरान प्राण खोने वालों की संख्या को लेकर कोई एक राय नहीं है। हालांकि इतिहासकार मानते हैं कि यह आंकड़ा दस से पंद्रह लाख के बीच था।

इस त्रासदी की सबसे बड़ी विडंबना वह सीमा रेखा थी, जिसे सर रैडक्लिफ ने खींचा था। प्रख्यात पत्रकार कुलदीप नैयर ने जब वर्ष 1971 में लंदन में रैडक्लिफ से मुलाकात की थी तो उन्होंने कई चौंकाने वाले खुलासे किए थे। रैडक्लिफ ने इस बातचीत में स्वीकार किया था कि उन्होंने शुरुआत में लगभग पूरा लाहौर शहर भारत के हिस्से में दे दिया था क्योंकि लाहौर में हिंदू और सिख बहुसंख्यक थे। लेकिन बाद में उन्हें यह एहसास हुआ कि यदि लाहौर भी भारत को दे दिया गया तो पाकिस्तान के पास कोई भी बड़ा शहर नहीं बचेगा। इसी सोच के कारण उन्होंने अंतिम समय में अपना फैसला बदल दिया और लाहौर को पाकिस्तान के नक्शे में शामिल कर दिया। रैडक्लिफ के पास इस जटिल काम को पूरा करने के लिए केवल पांच से छह सप्ताह का ही समय था, जो इस भयंकर भूल का एक बड़ा कारण बना। विभाजन केवल धरती या नक्शे का नहीं था, बल्कि यह हर उस चीज का था जिसे बांटा जा सकता था। यह प्रक्रिया कई बार बहुत हास्यास्पद भी हो गई थी। दोनों देशों के बीच अचल संपत्तियों के साथ-साथ सरकारी कार्यालयों के फर्नीचर, लाइट बल्ब और स्टेशनरी तक का बंटवारा हुआ था। दफ्तरों में कर्मचारी अपने सबसे अच्छे टाइपराइटर छिपाने लगे थे। पुस्तकालयों में रखे गए विश्वकोशों और शब्दकोशों को भी बीच से फाड़ दिया गया, जिसमें अंग्रेजी वर्णमाला के ए से लेकर के तक के अक्षर वाले पन्ने भारत को मिले और बाकी के पन्ने पाकिस्तान के हिस्से में चले गए। संपत्ति और खजाने के बंटवारे ने भी दोनों देशों के बीच भारी विवाद खड़े किए थे। समझौते के तहत भारत को नकद शेष राशि के रूप में पाकिस्तान को पचहत्तर करोड़ रुपये देने थे, जिसमें से बीस करोड़ रुपये तुरंत दे दिए गए थे और शेष राशि पर लंबा विवाद चला था। सेना के बंटवारे में दो लाख साठ हजार सैनिकों ने भारतीय सेना को चुना और एक लाख चालीस हजार सैनिक पाकिस्तान चले गए। भारत के वायसराय की सोने और चांदी से जड़ी बारह बग्घियों का बंटवारा सिक्का उछाल कर किया गया था। वहीं, वन विभाग के स्वामित्व वाली जॉयमनी नाम की एक कीमती हथिनी को लेकर भारी विवाद हुआ और अंततः पूर्वी बंगाल के हिस्से में गई। विभाजन के दौरान हुए विस्थापन ने मानवता को पूरी तरह से शर्मसार कर दिया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार उस समय हरियाणा-

पंजाब में 65 शरणार्थी शिविर लगे थे, मगर तत्कालीन पुनर्वास मंत्रालय इस संख्या को अधूरी मानता था। यदि शिविरों की पहली पंक्ति पर दृष्टि डाली जाए तो प्रमुख शिविरों में नीलोखेड़ी (कुरुक्षेत्र), कैथल, करनाल, बलदेव नगर कैम्प (अम्बाला शहर), समालखा (पानीपत), सोनीपत, राजपुरा और फाजिल्का (पंजाब) के साथ-साथ दिल्ली के किंग्सवे कैम्प और पुराना किला शामिल थे। इन शिविरों में वितरित राशन, टेंट-वस्त्रों आदि का पूरा विवरण मिल पाना आज भी संभव नहीं है। इस विस्थापन में महिलाओं ने सबसे अधिक और खौफनाक पीड़ा झेली। यह प्रश्न भी अभी तक अनुत्तरित है कि सीमा पर लापता महिलाओं के लिए जो शिविर लगाए गए थे, वहां दर्ज लापता महिलाओं की संख्या कितनी थी। यह आंकड़े 85 हजार तक जाते हैं, मगर मृदुला साराभाई व उनके कुछ सहयोगी यह भी मानते थे कि यह आंकड़ा लाखों में है और लाखों लापता महिलाओं के विवरण मिल ही नहीं पाए।

लाहौर शहर, जो कभी पूरे भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक हुआ करता था, वह एक झटके में भारत से अलग हो गया। ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार लाहौर को भगवान राम के पुत्र लव ने बसाया था और यहां के शाही किले में आज भी लव मंदिर के अवशेष मौजूद हैं। इसी तरह कसूर शहर भगवान राम के दूसरे पुत्र कुश के नाम पर बसाया गया था। आज भी यह सवाल उठता है कि हमारी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व धार्मिक विरासत से हमें क्यों काटा गया। क्या हमें सिंध के हिंगलाज माता मंदिर, मुल्तान के आदित्य मंदिर, पाक-पंजाब के कटासराज, लाहौर के जैन मंदिर व श्री ननकाना साहब, पंजा साहब आदि के दर्शनों से वंचित रखा जाना उचित है। विरासत का यह नुकसान यहीं नहीं रुका। लाहौर में मुगल बादशाह जहांगीर के समय के एक ईमानदार सर्राफ छज्जू राम भाटिया का प्रसिद्ध 'छज्जू का चौबारा' हुआ करता था जो सूफी संतों और फकीरों का विश्राम स्थल था, वह अब खंडहर बन चुका है। लाहौर के गुमटी बाजार में स्थित सेठ बुलाकी शाह की हवेली भी कभी अपनी रौनक के लिए जानी जाती थी। इसी बाजार में मशहूर लेखिका अमृता प्रीतम का घर हुआ करता था, लेकिन दंगों की आग ने सब कुछ राख कर दिया। सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थल मोहनजोदड़ो और हड़प्पा पाकिस्तान के हिस्से में चले गए। वहां से प्राप्त दस दशमलव पांच सेंटीमीटर की नर्तकी की कांस्य मूर्ति आज भी दोनों देशों के बीच विवाद का विषय बनी हुई है। विभाजन विभीषिका दिवस हमें आत्ममंथन करने का एक बहुत बड़ा अवसर देता है। ऐसे में पहला प्रश्न यह है कि भारतीय इतिहास की इस भयावह त्रासदी के लिए जिम्मेदार कौन-कौन थे।

दूसरा प्रश्न यह है कि हमें शुरुआती दौर में विकृत इतिहास क्यों पढ़ाया जाता रहा, जहां जो घटनाओं के लिए खलनायक थे, उन्हें महानायक बनाकर क्यों पेश किया गया। इन सब सवालों के बीच हमें मुख्य शिविर स्थलों पर विभीषिका से जुड़े तथ्यों के संग्रहालय स्थापित करने होंगे ताकि आने वाली पीढ़ियां इस दर्द को समझ सकें। नई पीढ़ी के लिए हमें उस काल की जुझारू पीढ़ी का पूरा विवरण एकत्र करना होगा जो लुटे-पिटे खाली हाथ आए थे। जिन्होंने पानीपत, सोनीपत, अम्बाला, करनाल व दिल्ली आदि स्थानों पर सफलता के लिए सोपान रचे। वे शरणार्थी का चोगा उतार कर पुरुषार्थी बने और उन्होंने नया भारत रचा। ऐसी प्रामाणिक जानकारी नई पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा की मशाल बनेगी। शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारा ही उस विभीषिका का सच्चा समाधान है और इसी मार्ग पर चलकर हम अपने राष्ट्र को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा सकते हैं।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

गुरु लोक-परलोक दोनों को सुधारता है

संकलित

दर्शन

यूं ही नहीं, गुरु के महत्व के बारे में समस्त नीति शास्त्र एवं विभिन्न ग्रंथों में बखान किया गया है। गुरु व्यक्ति की रक्षा करता है तथा सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। शिष्य के लिए परमात्मा के समान ही गुरु नहीं है, बल्कि साक्षात परमात्मा ही हैं। अगर शिष्य गुरु के प्रति पूर्ण समर्पित हो, तो गुरु के मार्गदर्शन से शिष्य का जीवन रूपांतरित हो जाता है। मनुष्य का जीवन पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ सही मार्गदर्शन और अनुभव से रूपांतरित होता है। गुरु शिष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानकर उन्हें जागृत करते हैं। गुरु के सान्निध्य में शिष्य के विचार, व्यवहार, दृष्टिकोण में धीरे-धीरे परिवर्तन आने लगता है। जहां पहले शिष्य के मन में अहंकार, भ्रम, भय, अस्थिरता थी, वहीं गुरु के मार्गदर्शन से विनम्रता, आत्मविश्वास आदि का विकास होता है। कबीर कहते हैं कि, यदि समस्त पृथ्वी को कागज, जंगलों को लेखनी और सारे समुद्र को लिखने वाली स्याही बनाकर गुरु के गुणों का वर्णन करना चाहूं तो भी उसके अनंत गुण लिखे नहीं जा सकते हैं। सब धरनी कागद करूं लेखनि सब बनराय। सात समुंद की मसि करूं गुरुगुन लिखा न जाए। गुरु की प्रशस्ति में कबीर का यह कथन भी इसी बात की पुष्टि करता है कि गुरु गोविन्द के समकक्ष ही नहीं, कुछ अधिक ही हैं। गुरु हैं बड़े गोविन्द तें, मन में देखु विचार। हरि सुमिरै सो बार है गुरु सुमिरे सो पार। यानी परमात्मा से केवल परलोक सुधरता है, परन्तु गुरु लोक-परलोक दोनों को सुधार देता है।

जल्दबाजी में कोई राय नहीं बनानी चाहिए

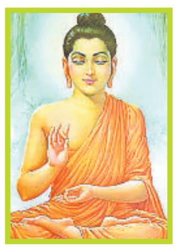

संकलित

प्रेरणा

गौतम बुद्ध अपने शिष्यों को अलग-अलग घटनाओं की मदद से भी उपदेश दिया करते थे। उनके शिष्यों में से एक शिष्य ऐसा भी था जो किसी से ज्यादा बोलता नहीं था। वह सिर्फ अपने काम पर ही ध्यान देता था। काम पूरा होने के बाद वह एकांत में चला जाता और ध्यान में बैठ जाया करता था। कुछ शिष्यों ने गौतम बुद्ध से एकांत में रहने वाले इस शिष्य की शिकायत कर दी। जब धीरे-धीरे उस शिष्य की बुराई ज्यादा होने लगी, तब बुद्ध ने सोचा कि उससे बात करनी चाहिए। एक दिन उस शिष्य से बुद्ध ने पूछा, 'तुम अन्य शिष्यों से ऐसा व्यवहार क्यों करते हो? सभी शिष्य तुम्हारी शिकायत कर रहे हैं।' शिष्य ने ध्यान से महात्मा बुद्ध की बात सुनी, फिर क्षमा प्रार्थना के स्वर में उनसे बोला, 'तथागत, मैंने यह तय किया है कि जब तक आप यहां हैं, मैं आपसे एकांत और मौन का महत्व समझ लूं। आपके बाद मुझे इन बातों को कोई और कैसे समझाएगा? 'उस शिष्य की ये बातें सुनकर बुद्ध को भी आश्चर्य हुआ। वह उसका आशय तो तत्काल समझ गए, उसकी साधना और लगन की गहराई से प्रभावित भी हुए, लेकिन उससे कुछ और नहीं बोले। उसके जाने के बाद बुद्ध ने अन्य शिष्यों को समझाया, 'तुम सबने इस एकांतप्रिय शिष्य की गलत शिकायत की है। तुम लोगों ने उसे जाने बिना उसके बारे में अपनी गलत राय बना ली। तुमने देखा कुछ और, समझा कुछ और। हमें किसी भी व्यक्ति के लिए जल्दबाजी में कोई राय नहीं बनानी चाहिए। पहले उस व्यक्ति से मिलें, उसकी गतिविधियों को देखें।

अंतर्मन

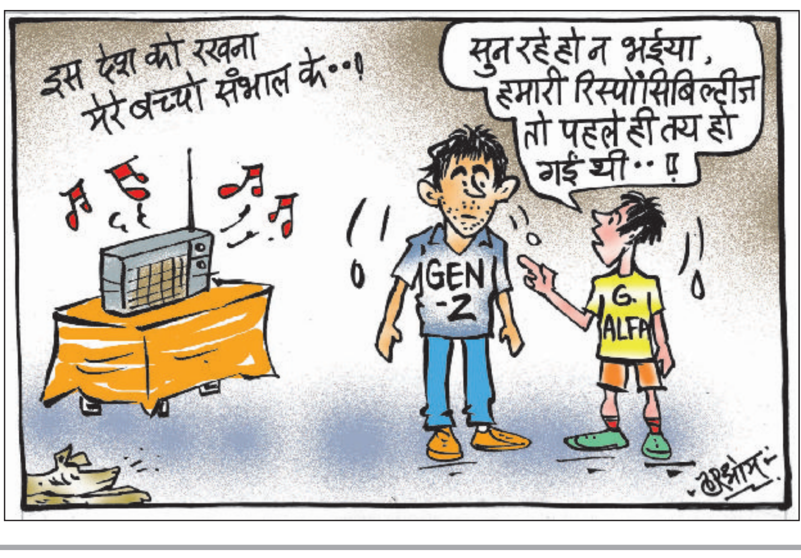

आज की पाती

भारत विभाजन की त्रासदी

1947, 14 अगस्त भारत का विभाजन एक अभिशाप था। यह केवल मात्र भारत की आत्मा पर चोट नहीं थी, बल्कि प्रत्येक भारतीय की अखंडता पर चोट थी, लाखों परिवार जो पंजाब-सिंध से नाता रखते थे, एक झटके में बेघर हो गए। इन परिवारों की आत्मा भारत माता के साथ जुड़ी थी। उनकी जमीन पाकिस्तान में जाते हुए पंजाब, सिंध, सियालकोट, गुजरांवाला में रह गई। परदादा, परदादी, दादा, दादियों द्वारा सुनाई गई कहानियों पर वह विभाजन का इतिहास सभी स्मरण करते हैं। वह पंजाब की गलियां, घोड़ा गाड़ियां, रेलवे स्टेशन, ईंटों के घर, आज भी सभी को याद है। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस एक ऐसा दिन है जब विभाजन के समय हुए सभी अत्याचारों को हम स्मरण करते हैं। *- मनोज कुमार, रायपुर*

करंट अफेयर

तालिबान ने हिरासत में लिया संरा के दो सदस्यों को

अफगानिस्तान में तालिबान शासकों ने देश में संयुक्त राष्ट्र के राजनीतिक मिशन के दो अफगान कर्मचारियों को हिरासत में लिया है। संयुक्त राष्ट्र ने यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र के उप प्रवक्ता फरहान हक ने संवाददाताओं को बताया कि तालिबान के खुफिया महानिदेशालय ने रविवार को पश्चिमी शहर हेरात में दोनों कर्मचारियों को हिरासत में लिया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र मिशन को अब तक यह नहीं बताया गया है कि दोनों व्यक्तियों पर क्या आरोप लगाए गए हैं और न ही मिशन के प्रतिनिधियों को उनसे मिलने की अनुमति दी गई है। हक ने कहा कि मिशन ने तालिबान से 'संयुक्त राष्ट्र और उसके अधिकारियों को प्राप्त विशेषाधिकारों और छूट का पालन सुनिश्चित करने' का आह्वान किया है। अमेरिका और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सेनाओं के दो दशक के युद्ध के बाद अफगानिस्तान से हटने के दौरान तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को देश की सत्ता पर कब्जा कर लिया था। दोनों कर्मचारियों को ऐसे समय हिरासत में लिया गया है, जब गरीबी से जूझ रहे अफगानिस्तान में मानवीय संकट गहराता जा रहा है और तालिबान एवं पाकिस्तानी बलों के बीच सीमा पार संघर्ष की घटनाएं बढ़ गई हैं।

ऑफ बीट

मौत के मुंह से निकला दुर्लभ कछुआ, होगी घर वापसी

समुद्र की विशाल और अथाह दुनिया में कई बार तेज हवाएं और समुद्री तूफान बेजुबान जीवों को उनकी मंजिल से बहुत दूर भटका देते हैं। ऐसा ही कुछ हुआ केम्प्स रिडले प्रजाति के रॉसी नाम के एक बेहद दुर्लभ समुद्री कछुए के साथ। दिसंबर 2023 में ब्रिटेन के वेल्स स्थित एंगलसी के रोसनेग्र समुद्र तट पर यह कछुआ मरने की कगार पर मिला था। लेकिन, दो साल के लंबे और कठिन इलाज के बाद अब यह कछुआ पूरी तरह ठीक हो चुका है। अब इसे करीब 8,000 किलोमीटर का लंबा हवाई सफर तय करवाकर वापस उसके प्राकृतिक घर यानी मेक्सिको की खाड़ी भेजा जा रहा है। इस पूरे मामले की शुरुआत तब हुई थी, जब मेग नाम का एक कुत्ता अपने मालिक के साथ समुद्र तट पर टहल रहा था। अचानक उसकी नजर एक अधमरे और जम चुके कछुए पर पड़ी। उस समय इस छोटे से कछुए की उम्र दो साल से भी कम थी और इसका वजन महज 1 किलोग्राम था। तेज हवाओं और समुद्री तूफानों के कारण यह कछुआ अपने गर्म पानी के प्राकृतिक आवास से भटक कर ब्रिटेन के बेहद ठंडे पानी में आ फंसा था। अत्यधिक ठंड के कारण यह कोल्ड-स्टनिंग नाम की जानलेवा स्थिति का शिकार हो गया था, जिससे इसका पूरा शरीर सुन्न पड़ गया था।

ट्रेंड

तिरंगा हर भारतीय का गौरव

तिरंगा हर भारतीय का गौरव है; यह हमारी आज़ादी, एकता और हमारे नायकों के बलिदान का प्रतीक है। मैं सभी भारतीयों से अपील करता हूँ कि वे इस लोकतांत्रिक उत्सव को और भी खास बनाए, गर्व के साथ तिरंगा फहराएं और सेल्फी साझा करें।
- **जेपी नड्डा,** केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री

वंदे मातरम्

लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिर संसद में पहली बार राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' का पूर्ण गायन एक ऐसा क्षण है जो सभी भारतीयों को गर्व और देशभक्ति की भावना से भर देता है। यह क्षण आने वाली पीढ़ियों को हमेशा राष्ट्र के प्रति उनके कर्तव्यों की याद दिलाता रहेगा। -**डॉ. मोहन यादव,** सीएम, मप्र

सामाजिक भेदभाव

बीजेपी के शासन में यह सामाजिक भेदभाव का सबसे घिनौना रूप है: हल्द्वानी में जिस मंच से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाषण दिया, उसे कुछ श्रेष्ठतावादी सोच वाले लोगों ने सिर्फ़इसलिए शुद्ध किया क्योंकि खरगे जी दलित समुदाय से आते हैं।
- **अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना

आज से पंजाब में 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' के तहत 3 नए रूट शुरू किए गए हैं: हरिद्वार-ऋषिकेश, मथुरा-वृंदावन और सालासर-खाटू श्याम। सभी को बधाई। तीर्थयात्रियों को एक भी पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा।
-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बिलासपुर
शुक्रवार 14 अगस्त 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष द्वितीया
वर्ष : 26, अंक : 144
पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 31.4
न्यून. 26.2

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

7 पीएसजी ने खिताब बरकरार रखा

विचार पेज
2 दर्द, त्रासदी और विरासत का स्मरण

छत्तीसगढ़ में राज्य गठन से लेकर अब तक फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी नौकरी के मामले सामने आते रहे हैं, यह क्रम और जांच पड़ताल का सिलसिला जारी है, लेकिन अब सरकार एक बार फिर फर्जियों पर शिकंजा कसने की तैयारी की है। सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा है कि सभी विभाग अपने अधीनस्थ कार्यालयों और जिलों से जानकारी एकत्र कर एकीकृत रिपोर्ट तत्काल सामान्य प्रशासन विभाग और आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग को भेजें।

खास खबर

फर्जी जाति प्रमाण पत्र पर नौकरी, जिन पर स्टे नहीं उनको तुरंत बर्खास्त करने का फरमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रिपोर्ट में यह बताना होगा कि फर्जी जाति प्रमाण पत्र के मामलों में अब तक क्या कार्रवाई की गई है और कितने मामलों में सेवा समाप्त की गई या अन्य कार्रवाई लंबित है। यह भी कहा गया है, जिन मामलों में स्टे नहीं है, उनमें बर्खास्तगी की कार्रवाई की जाये।

छत्तीसगढ़ सरकार ने फर्जी, गलत या झूठे जाति प्रमाण पत्र के आधार पर ▶▶|शेष पेज 6 पर

कई बार जारी हो चुके हैं निर्देश

11 अगस्त 2026 को जारी नए पत्र में सामान्य प्रशासन विभाग ने याद दिलाया है कि वर्ष 2019 से 2022 के बीच इस विषय पर कई परिपत्र और अनुस्मारक जारी किए गए थे। इसके बावजूद अनेक विभागों से कार्रवाई का अद्यतन विवरण अब तक प्राप्त नहीं हुआ है। इसी कारण सभी विभागों से एक बार फिर प्राथमिकता के आधार पर जानकारी मांगी गई है।

सामान्य प्रशासन ने जारी किया सभी विभागों को आदेश

कोर्ट से स्थगन नहीं है तो सेवा समाप्त करें

सरकार ने पत्र में साफ किया है कि यदि किसी कर्मचारी के जाति प्रमाण पत्र को उच्च स्तरीय छानबीन समिति फर्जी घोषित कर चुकी है और उस मामले में न्यायालय से कोई स्थगन आदेश (स्टे) नहीं है, तो संबंधित विभाग उसकी सेवा अविलंब समाप्त करे। साथ ही सेवा समाप्ति का आदेश जारी करने से पहले संबंधित विभाग को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में कैविएट ▶▶|शेष पेज 6 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

राम मंदिर सीईओ के लिए पूरा हुआ साक्षात्कार

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के पूर्णकालिक सीईओ की नियुक्ति के लिए चयन समिति ने छांटे गए 18 उम्मीदवारों की साक्षात्कार की प्रक्रिया पूरी कर ली है। समिति द्वारा इस पद के लिए नामों की सिफारिश किए जाने की संभावना है। इससे पूर्व, न्यास के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरि ने कहा था कि न्यास, चयन समिति द्वारा तीन नामों की सिफारिश से अंतिम नियुक्ति करेगा।

लद्दाख में चार घंटे के भीतर भूकंप के दो झटके

जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में बृहस्पतिवार को करीब चार घंटे के भीतर मध्यम तीव्रता के दो भूकंप आए जिससे स्थानीय लोग घबरा गए। पहला एवं अधिक तीव्र भूकंप सुबह छह बजकर पांच मिनट पर आया, जिसकी तीव्रता 5.5 मापी गई। इसका केंद्र 36.88 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 74.402 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। भूकंप का केंद्र लद्दाख के लेह में 10 किलोमीटर की गहराई में था।

'छड़ी मुबारक' शारिका भवानी मंदिर पहुंची

श्रीनगर। सालाना अमरनाथ यात्रा के तहत भगवान शिव के प्रतीक के तौर पर केसरिया रंग के वस्त्रों से सजी पवित्र 'छड़ी मुबारक' को यहां के प्राचीन शारिका भवानी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के लिए ले जाया गया। पूजनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। देवी शारिका भवानी को श्रीनगर शहर की इष्ट देवी माना जाता है, जो हरि पर्वत पर एक शिला के रूप में प्रकट हुई थीं।

सरकारी अस्पताल के शौचालय में मृत मिली नर्स

कोलकाता। कोलकाता के राज्य संचालित एनआरएस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के शौचालय में एक नर्स मृत पाई गई। नर्स बुधवार रात अस्पताल की विशेष निगरानी इकाई में ड्यूटी पर थी। पुलिस ने उसकी मौत की जांच शुरू कर दी है, जबकि स्वास्थ्य विभाग ने भी मामले की जांच के लिए एक अलग टीम गठित की है।

हाईकोर्ट के फैसले को राहुल ने दी चुनौती

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है, जिसमें सीबीआई और ईडी को आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति के आरोपों को लेकर उनके खिलाफ जांच करने का निर्देश दिया गया था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ इस मामले पर 17 अगस्त को सुनवाई कर सकती है।

उत्तराखंड में दरके पहाड़ असम में अब तक 103 की गई जान

मौसम लेगा यू टर्न, छत्तीसगढ़ समेत 15 राज्यों में होगी तूफानी बारिश!

- कई राज्यों में आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश का अनुमान
- अगले 20 घंटे अहम, चलेगी 70 किमी की रफ्तार से हवा

मध्य भारत और बंगाल की खाड़ी के ऊपर वेदर सिस्टम सक्रिय है। ऐसे में अगले 4 दिनों तक कई राज्यों में आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत 15 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य ओडिशा में रेड अलर्ट है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

मानसून के बेहद प्रभावी होने के साथ ही भारतीय मौसम विभाग ने डराने वाली चेतावनी जारी कर दी है। मौसम विभाग के अनुसार 14 अगस्त को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, उससे सटे उत्तर प्रदेश और बिहार सहित 15 राज्यों में तूफानी बारिश हो सकती है। झमाझम के सात-साथ इस दौरान 70 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चलने का भी अनुमान है। इन 15 में से कुछ राज्यों में ओलाबारी भी हो सकती है। इधर, उत्तराखंड में भारी बारिश के बीच चमोली में एक टनल में अचानक पानी भर गया। टनल में काम कर रहे 18 मजदूर अंदर फंस गए। सात मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन देर रात तक जारी रहा।

हिमाचल और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है। लोगों से अपील की गई है कि वे घर से निकलने से पहले एक बार मौसम को लेकर जारी अपडेट के बारे में जरूर पता कर लें।

पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन का खतरा

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश के साथ पहाड़ी इलाकों में परेशानी बढ़ सकती है। हिमाचल के मनाली, कुल्लू, किन्नौर, सिरमौर, कांगड़ा, सोलन, चंबा और मंडी में तेज बारिश और हवा का अनुमान है। उत्तराखंड में नैनीताल, ऋषिकेश, हरिद्वार, बागेश्वर, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, अल्मोड़ा और उधम सिंह नगर में भारी बारिश हो सकती है।

टनल में हुआ भूस्खलन, पांच की मौत

उत्तराखंड के चमोली जिले में देर शाम बड़ा हादसा हो गया। अलकनंदा नदी पर निर्माणाधीन विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की टीआरटी में सरिया वेल्डिंग के दौरान भारी भूस्खलन होने से पांच मजदूरों की मौत हो गई। टनल में 28 मजदूर फंसे थे। जिसमें से 18 मजदूर निकाल लिए गए हैं। इनमें से पांच की मौत हुई है। 12 जिला अस्पताल में भर्ती हैं। एक को हायर सेंटर रेफर किया गया है। अभी भी 10 मजदूरों की तलाश जारी है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री धामी पीपलकोटी हादसा स्थल का दौरा करेंगे। जिस स्थान पर मजदूर काम कर रहे थे, वहां से करीब 150 मीटर दूर हुए भूस्खलन के बाद पानी के साथ पत्थर और मलबा टनल के अंदर घुस गया, जिसकी चपेट में कई मजदूर आ गए।

यूपी-बिहार में आंधी और बारिश का जोर

उत्तर प्रदेश के कई शहरों में 14 अगस्त को भारी बारिश हो सकती है। नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर, आगरा, मथुरा, गोरखपुर, अलीगढ़, झांसी, मिर्जापुर, जौनपुर और सोनभद्र समेत कई इलाकों में तेज बारिश का अनुमान है।

छत्तीसगढ़ समेत इन राज्यों में चलेगी तेज हवा

मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार भारत के 25 राज्यों में तूफानी बारिश का अलर्ट है। इनमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, झारखंड, गुजरात, पश्चिम बंगाल और ओडिशा शामिल हैं। मौसम खराब होने पर 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। बारिश के बाद तापमान भी कम हो सकता है।

ओडिशा में भारी बारिश

पिछले 24 घंटे से ओडिशा में भारी बारिश जारी है। मौसम विभाग ने पूरे ओडिशा में अत्यधिक भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया है। राष्ट्रीय मौसम एजेंसी ने कहा, उत्तर बंगाल की खाड़ी और उससे सटे बांग्लादेश-पश्चिम बंगाल तट पर बना अत्यधिक गहरा निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ गया है।

आधी रात घर में घुसकर पत्थर-नुकीले हथियार से हमला, कमरे में पत्नी तो बाड़े में मिला पति का शव

घर में घुसे बदमाशों ने बुजुर्ग दंपति को मार डाला, चोरी का शक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

परपोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम बुडेरा (कामकावाड़ा) में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात अज्ञात हमलावरों ने घर में सो रहे बुजुर्ग दंपति की निर्ममतापूर्वक हत्या कर दी। थाना से महज तीन किलोमीटर दूर हुई इस वारदात से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतकों की ▶▶|शेष पेज 6 पर

चोरी की नीयत से हत्या की आशंका

पुलिस को प्रारंभिक जांच में आशंका है कि आरोपी चोरी की नीयत से घर में दाखिल हुए होंगे। बुजुर्ग दंपति के जागने या विरोध करने पर उन पर हमला किया गया होगा। हालांकि पुलिस ने हत्या की वजह की पुष्टि नहीं की है और सभी संभावित पहलुओं पर जांच जारी है।

पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम बादल पर गुरुद्वारे में हमला

एजेंसी ▶▶| नांदेड़

शिरोमणि अकाली दल (शिअद) प्रमुख एवं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल गुरुवार को महाराष्ट्र के नांदेड़ में कृपाण से किए गए हमले में घायल हो गए। नांदेड़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) नीलाभ रोहन ने कहा, एक निहंग ने गुरुद्वारे के अंदर बादल पर कृपाण से हमला किया। उन्होंने कहा कि हमलावर को हिरासत में ले लिया गया है। बादल को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनके दाहिने हाथ में दो-तीन टांके लगाए गए। उन्होंने बताया कि उनकी हालत खतरे से बाहर है।

- नादेड़ की घटना, हिरासत में हमलावर

पहले भी हुआ था हमला

दिसंबर 2024 में बब्बर खालसा इंटरनेशनल के एक पूर्व आतंकवादी ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर के प्रवेश द्वार पर बादल पर गोली चला दी थी। उस व्यक्ति की पहचान नारायण सिंह चौरा के रूप में हुई थी। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे काबू कर पुलिस के हवाले कर दिया था।

पीएम ने जाना हाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल की पत्नी हरसिमरत कौर बादल से फोन पर बात की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बादल पर हुए हमले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि फडणवीस ने बादल को फोन कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री करेंगे सम्मानित

छत्तीसगढ़ पुलिस का गौरवः 11 पुलिस अफसर, कर्मियों को राष्ट्रपति पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को पुलिस परेड ग्राउंड रायपुर के मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राज्य पुलिस के 11 उत्कृष्ट पुलिस अफसर एवं कर्मियों को प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पदक (विशिष्ट एवं सराहनीय सेवा पदक) प्रदान कर पुरस्कृत करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बीते 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मौके पर इन पुलिस अधिकारियों को पदकों से विभूषित करने की घोषणा की थी।

जिन पुलिस अफसर तथा कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा, उनमें धमतरी रक्षित केंद्र के सहायक उप निरीक्षक रामावतार सिंह राजपूत को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक प्रदान किया जाएगा। इसी तरह से सराहनीय सेवा पदक के लिए रामगोपाल गर्ग (पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर रेंज), शशिमोहन सिंह (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला रायगढ़), श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा (पुलिस अधीक्षक, रायपुर ग्रामीण), राजश्री मिश्रा (पुलिस अधीक्षक, एटीएस रायपुर), निवेदिता पाल (सेनानी, 6वीं वाहिनी छसबल, रायगढ़), मनीषा ठाकुर रावटे ▶▶|शेष पेज 6 पर

एयर इंडिया ने फ्लाइट सेफ्टी को लेकर उठाया बड़ा कदम

अब हर पायलट का रोज होगा ड्रग टेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

एयर इंडिया ने फ्लाइट सेफ्टी को लेकर बड़ा कदम उठाया है। कंपनी अब अपने सभी पायलटों की अनिवार्य ड्रग स्क्रीनिंग करेगी। एयर इंडिया ने कर्मचारियों को भेजे ईमेल में बताया है कि 13 अगस्त 2026 से सभी पायलटों की प्रतिबंधित पदार्थों और दवाओं को लेकर स्क्रीनिंग शुरू की जा रही है। इस प्रक्रिया में एयर इंडिया के साथ-साथ एयर इंडिया एक्सप्रेस के पायलट भी शामिल होंगे। एयर इंडिया ने सभी ग्रुप पायलटों की उन सभी पदार्थों और दवाओं के लिए ▶▶|शेष पेज 6 पर

पायलटों को भेजी चिट्ठी

एयरलाइन ने गुरुवार को अपने पायलटों को भेजे एक पत्र में यह फैसला बताया। पत्र में कहा गया है, फिर भी अब हमें लगता है कि इससे आगे बढ़ना जरूरी है।

क्यों लिया गया ऐसा निर्णय

थाईलैंड के फुकेत से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट के पायलट द्वारा गांजा लेने की पुष्टि हुई है।

सरकार का क्या है नियम

मौजूदा डीजीसीए नियमों के तहत, एयरलाइनों को हर साल कम से कम 10 प्रतिशत फ्लाइट क्रू की रैंडम तरीके से साइकोएक्टिव पदार्थों की जांच करनी होती है। एयर इंडिया की नई नीति इस नियम से आगे जाती है, क्योंकि इसमें सभी ग्रुप पायलटों की जांच अनिवार्य कर दी गई है, न कि सिर्फ रैंडम तरीके से चुने गए पायलटों की। एयरलाइन ने कहा कि जांच में उन पदार्थों या दवाओं को शामिल किया जाएगा, जिनकी मौजूदा नियमों के तहत अनुमति नहीं है।

अधिसूचित जिले: बस्तर, बेमेतरा, बीजापुर, कोरिया, सारंगगढ़–बिलाईगढ़, गरियाबंद, जांजगीर–चांपा, कबीरधाम, कांकेर, सक्ती, मोहला–मानपुर–अम्बागढ़ चौकी

खरीफ 2026 मौसम हेतु अधिसूचित फसलें धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, उड़द, अरहर, मूँग, मूँगफली, सोयाबीन, कोदो, कुटकी, रागी

योजना के मुख्य बिंदु :
- कृषक द्वारा देय प्रीमियम बीमित राशि का अधिकतम 2 प्रतिशत
- शेष प्रीमियम राशि का भुगतान भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा किया जावेगा
- ओलावृष्टि, जलभराव, बादल फटने, आकाशीय बिजली से नुकसान होने पर स्थानीय आपदा अंतर्गत दावा भुगतान
- स्थानीय आपदा की स्थिति में–धान फसल में जलप्लावन से होने वाली क्षति इस घटक मे शामिल नही है
- फसल कटाई के उपरांत आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने हेतु बंडलो में रखी फसल को चक्रवात, बैमौसम/चक्रवाती वर्षा से नुकसान होने पर दावा भुगतान
- कम वर्षा या विपरीत मौसम अवस्थाओं के कारण फसल बुवाई विफलता पर दावा भुगतान
- फसल उत्पादन के आधार पर व्यापक क्षति की स्थिति में, राज्य शासन एवं योजना के प्रावधानों के अनुसार फसल क्षति का मूल्यांकन एवं निर्धारण किया जाएगा।
- अनावरी के आंकड़े इस योजना अंतर्गत दावा भुगतान के लिए मान्य नही होंगे

योजनांतर्गत शामिल होने वाले कृषक :
- ऋणी कृषकों का बीमा ऋण दायी संस्था द्वारा नियमानुसार किया जायेगा।
- गैर–ऋणी कृषक अपना बीमा बैंक शाखा/कॉपरेटिव सोसाइटी/लोक सेवा केंद्र (CSC)/पोस्ट ऑफिस/AIDE-एजेंट/फसल बीमा ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से निर्धारित तिथि के अंदर फसल का बीमा करा सकते है।
- गैर–ऋणी कृषकों हेतु आवश्यक दस्तावेज–नवीनतम आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि एवं फसल बुवाई संबंधित दस्तावेज।

  ऋणी कृषक: ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन (Opt-out) प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन की अंतिम तिथि के 7 दिन पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।
- योजना से बाहर होने (Opt-Out) का निर्णय पूरी तरह किसान की इच्छा पर आधारित है। किसी भी किसान को बैंक शाखा द्वारा (Opt-Out) के लिये बाध्य नहीं किया जाएगा।
- ऑप्ट–आउट की कार्यवाही केवल एक मौसम–वर्ष के लिए ही लागू होगी; जिसके लिए किसान द्वारा ऑप्ट–आउट घोषणा दी गई है।
- बैंक शाखाएं किसानों द्वारा प्रस्तुत योजना से बाहर होने (Opt-out) की प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र को निरीक्षण/सत्यापन हेतु सुरक्षित रखेंगी।

  अऋणी कृषक: अधिसूचित इकाई में अधिसूचित फसल लगाने वाले सभी गैर ऋणी कृषक ऐच्छिक तौर पर योजना का लाभ लेने हेतु पात्र होंगें।

योजना सम्बंधित अधिक जानकारी एवं अपनी शिकायत दर्ज करने हेतु कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क करे या व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 70655-14447 का उपयोग करे या www.pmfby.gov.in पर जाएँ या क्रॉप इंश्योरेंस मोबाइल एप का प्रयोग करें या अपने निकटतम कृषि कार्यालय, बैंक शाखा, CSC सेंटर या बीमा कंपनी से संपर्क करें।

स्थानीय आपदाओं से बीमित फसल में नुकसान होने पर 72 घंटे के भीतर फसल नुकसान की सूचना देना आवश्यक है।

PMFBY अंतर्गत दावा भुगतान सफल बनाने हेतु कृपया अपने संबंधित बैंक शाखा से PFMS पोर्टल से खाता संख्या को सत्यापित करवाये अथवा आधार नंबर को सही बैंक खाता से लिंक कराये।

योजना संबंधित अधिक जानकारी के लिए फार्ममित्र ऐप डाउनलोड करें
FARMITRA

हमारे प्रेरणास्रोत / शिखर चंद जैन

इन बाल-किशोर सेनानियों ने भी किया देश के लिए प्राणों का बलिदान

आजादी की लड़ाई में केवल बड़ी उम्र के सेनानियों ने ही नहीं, छोटी उम्र के वीर बालकों ने भी बड़े साहस से अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया और अपने प्राणों को न्योछावर कर भारत के इतिहास में अपना नाम अंकित किया। स्वतंत्रता दिवस पर जानो ऐसे ही कुछ देशभक्त सेनानियों की वीरगाथाएं।

तिरंगे का रक्षक शिरीष कुमार मेहता

शिरीष कुमार मेहता भारत के एक महान बाल स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी थे। शिरीष ने मात्र 15-16 वर्ष की आयु में देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका जन्म 28 दिसंबर 1926 को महाराष्ट्र के नंदुरबार में हुआ था। शिरीष एक गुजराती व्यापारी परिवार की इकलौती संतान थे। उनके परिवार में देशभक्ति का माहौल था। वह बचपन से ही महात्मा गांधी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विचारों से बहुत प्रभावित थे। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान 9 सितंबर 1942 को शिरीष ने स्कूली बच्चों के साथ मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ एक विशाल जुलूस निकाला। शिरीष हाथों में गर्व से तिरंगा थामे सबसे आगे चल रहे थे। जुलूस के दौरान बच्चे राष्ट्रभक्ति के नारे लगा रहे थे- 'नहीं नमशे, नहीं नमशे, निशान भूमि भारतनु' (भारत का झंडा कभी नहीं झुकेगा) और 'वंदे मातरम' जब यह जुलूस नंदुरबार के मंगल बाजार इलाके में पहुंचा, तो ब्रिटिश पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोकने की कोशिश की और निहत्थे बच्चों पर बेरहमी से लाठीचार्ज कर दिया। लाठीचार्ज के बाद भी जब बच्चों का हौंसला नहीं टूटा, तो पुलिस अधिकारी ने बंदूक तान दी। वीर शिरीष सीना तानकर आगे डटे रहे। पुलिस की बर्बर गोलीबारी में शिरीष के सीने में गोलियां लगीं, वह तिरंगे को थामे हुए वहीं शहीद हो गए। इस साहस और बलिदान के कारण शिरीष को भारतीय इतिहास में 'बाल शहीद' के रूप में हमेशा याद किया जाता रहेगा। शिरीष के साथ उनके चार अन्य साथी- धनसुखलाल वाणी, घनश्याम दास शाह, शशिधर केतकर और लालदास भी इस घटना में शहीद हुए थे। *

साहस के साथ अंग्रेजों की खिलाफत बाजी राउत

बाजी राउत ओडिशा के ढेंकनाल जिला स्थित नीलकंठपुर गांव के निवासी थे। उनका जन्म 5 अक्टूबर 1926 को एक बेहद गरीब परिवार में हुआ था। बाजी के पिता हरि राउत एक नाविक थे, जिनकी मृत्यु बाजी के बचपन में ही हो गई थी। बाजी ने भी अपनी आजीविका के लिए ब्राह्मणी नदी के घाट पर नाव चलाने का काम शुरू किया था। उस समय ढेंकनाल के स्थानीय राजा और ब्रिटिश हुकूमत के दमन के खिलाफ वहां 'प्रजामंडल आंदोलन' की शुरुआत हुई। क्रांतिकारियों ने बच्चों को एकजुट कर 'वानर सेना' का गठन किया था, जिसका काम अंग्रेजों की गतिविधियों पर नजर रखना और प्रजामंडल का संदेश फैलाना था। 12 वर्षीय देशप्रेमी बाजी राउत भी इस वानर सेना के सक्रिय सदस्य बन गए। 11 अक्टूबर 1938 की रात ब्रिटिश पुलिस, प्रजामंडल आंदोलन के प्रदर्शनकारियों पर अत्याचार करने के बाद ब्राह्मणी नदी पार करने के लिए घाट पर पहुंची। बाजी राउत उस समय नाव की रखवाली कर रहे थे। 'तुम हमारे देश के दुश्मन हो' यह कहकर बाजी राउत ने अंग्रेजों को अपनी नाव से नदी पार कराने से साफ मना कर दिया। वह प्रजामंडल के अपने साथियों को बुलाने लगे। इस बात से गुस्साए एक ब्रिटिश अधिकारी ने बंदूक की बट से उनके सिर पर वार किया और फिर उन्हें गोली मार दी। महज 12 वर्ष की उम्र में शहीद होकर बाजी राउत भारतीय इतिहास में शहीद के रूप में अमर हो गए। *

निडर-साहसी बिशन सिंह

जनवरी 1872 में, ब्रिटिश सरकार ने मलेरकोटला में कूका आंदोलन (नामधारी सिख आंदोलन) के कई क्रांतिकारियों को बिना किसी मुकदमे के तोपों से उड़ाने का क्रूर आदेश दिया था। 49 नामधारी सिखों को तोप में बांधकर उड़ा देने के बाद, ब्रिटिश डिप्टी कमिश्नर जे. एल. कोवान की नजर 12 वर्षीय बालक बिशन सिंह पर पड़ी। बिशन की कम उम्र देखकर कोवान ने कहा कि यदि वह अपनी देशभक्ति और गुरु का साथ छोड़ने की बात मान ले, तो उसकी जान बख्श दी जाएगी। बिशन ने इस अपमानजनक प्रस्ताव को तुरंत ठुकरा दिया। उन्होंने गुस्से से कोवान की दाढ़ी पकड़ ली। ब्रिटिश सैनिक तमाम कोशिशों के बाद भी ब्रिटिश अधिकारी की दाढ़ी को बिशन के हाथ से नहीं छुड़वा पाए। इससे बौखलाकर सैनिकों ने तलवारों से बिशन के दोनों हाथ काट दिए। बिशन शहीद हो गए। उनका बलिदान भारतीय इतिहास में देशभक्ति, अद्वितीय साहस और अपने गुरु के प्रति श्रद्धा के लिए सदैव याद किया जाएगा। *

सिंध के भगत सिंह हेमू कालाणी

हेमू कालाणी का जन्म 23 मार्च 1923 को अविभाजित भारत के सिंध प्रांत के सक्खर जिले (जो अब पाकिस्तान में है) में हुआ था। वह छात्र संगठन 'स्वराज्य सेना' के प्रमुख नेता थे। अक्टूबर 1942 में हेमू को पता चला कि ब्रिटिश सेना हथियारों और बारूद से भरी एक रेलगाड़ी को सिंध के रास्ते क्रांतिकारियों का दमन करने के लिए भेज रही है। हेमू अपने दोस्तों के साथ आधी रात को रेलवे ट्रैक पर पहुंचे और हथौड़े व अन्य औजारों से पटरियों को उखाड़ने लगे। दुर्भाग्य से, वहां गश्त कर रहे ब्रिटिश पुलिसकर्मियों ने आहट सुन ली और हेमू को पकड़ लिया, जबकि उनके दोस्त भागने में सफल रहे। जेल में भारी यातनाएं देने के बाद भी हेमू ने अपने साथियों के नाम नहीं बताए। महज 19 वर्ष की उम्र में, 21 जनवरी 1943 को उन्हें सक्खर जेल में फांसी दे दी गई। फांसी के फंदे पर चढ़ते समय भी उनके चेहरे पर मुस्कान थी। युवा क्रांतिकारी हेमू कालाणी को 'सिंध का भगत सिंह' भी कहा जाता है। *

असली विजेता

स्वतंत्रता दिवस पर स्कूल में आयोजित विशेष दौड़ प्रतियोगिता में चौथा स्थान प्राप्त करने वाले सम्यक को असली विजेता का स्पेशल अवार्ड दिया गया। निर्णायक महोदय ने ऐसा निर्णय क्यों लिया?

छोटी कहानी
मीरा जैन

सम्यक के स्कूल में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडारोहण के बाद एक विशेष दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को तीन सौ मीटर की दूरी पर रखे तिरंगे झंडे को लेकर वापस आना था। तिरंगा लेकर वापस जो बच्चा सबसे पहले निर्धारित स्थान पर पहुंचेगा, उस बच्चे को विजेता घोषित किया जाना था। इस प्रतियोगिता में स्कूल के कई बच्चों के साथ सम्यक ने भी हिस्सा लिया।

नियत समय पर प्रतियोगिता शुरू हुई। सुबह बारिश हुई थी, इस कारण प्रतियोगिता स्थल की जमीन हल्की गीली हो गई थी। तिरंगा लेकर लौटते वक्त गीली जमीन के कारण दौड़ते हुए सम्यक का पैर फिसल गया,वह गिर पड़ा। उसके एक घुटने और कोहनी में काफी चोटें आईं, लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी, वह उठ खड़ा हुआ और तिरंगा लेकर दौड़ने लगा। जैसे-तैसे वह चौथे नंबर पर रहा। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आए बच्चों को मेडल दिया गया। निर्णायक महोदय ने घोषणा की कि सम्यक को एक स्पेशल मेडल दिया जाएगा। बच्चे चौंके, चौथे स्थान पर आने वाले सम्यक को किस बात के लिए स्पेशल मेडल दिया जा रहा है!

हुआ यह कि दौड़ पूरी होने के बाद निर्णायक महोदय ने सम्यक को मंच पर बुलाकर पूछा, 'इतनी गहरी चोट लगने के बाद भी तुम्हारे चेहरे पर शिकन नहीं आई, तुमने मुस्कराते हुए अपनी दौड़ पूरी की। ऐसा क्यों?'

सम्यक ने जवाब दिया, 'सर, ये देखिए। मेरी एक तरफ की ही कोहनी और घुटने पर चोट लगी है। इस चोट से मैं बच सकता था, यदि मैंने अपना दूसरा हाथ जमीन पर टिका दिया होता। लेकिन दूसरे हाथ में तिरंगा होने के कारण मैंने उस हाथ से खुद को गिरने से बचाने की कोशिश नहीं की। मैंने तिरंगे को जमीन पर छूने नहीं दिया, जमीन से ऊंचा रखा। मैं नहीं चाहता था, हमारा राष्ट्रीय ध्वज नीचे गिरे, उस पर जरा भी गीली-गंदी मिट्टी लगे...।' प्रतियोगिता के निर्णायक के साथ-साथ आयोजन स्थल पर मौजूद सभी अतिथिगण और दर्शक बड़े ध्यान से सम्यक की बातें सुन रहे थे। सम्यक की तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना देखकर सभी ने तालियां बजाकर सराहना की। सम्यक अपनी बात जारी रखते हुए आगे बोला, '..ये छोटी-मोटी चोट तो कुछ भी नहीं है। सर, मेरी इच्छा है कि मैं सेना में जाकर देश की सेवा करूं। वहां कभी अवसर आया तो मैं हंसते-हंसते अपने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए प्राण न्यौछावर कर दूंगा। मेरा यह मुस्कुराना, मेरे उसी लक्ष्य की तैयारी है।'

सम्यक का जवाब सुनकर पूरा आयोजन-स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से एक बार फिर गूंज उठा। निर्णायक महोदय ने निर्णय लिया, वह सम्यक को स्पेशल अवार्ड देकर सम्मानित करेंगे। इसका अनुमोदन स्कूल कमेटी के अन्य सदस्यों ने भी किया और सम्यक को स्पेशल अवार्ड देकर सम्मानित किया गया, उसे असली विजेता माना। *

कविता / डॉ. कमलेंद्र कुमार श्रीवास्तव

मत समझो कमजोर

हम नन्हे-मुन्ने बच्चे हैं मत समझो कमजोर
भारत रूपी इस बगिया में,
सुंदर फूल खिले हैं।
नदियां झरने जंगल इसमें,
पर्वत बड़े-बड़े हैं।
इन फूलों को तोड़ न पाए नहीं किसी में जोर
हम नन्हे-मुन्ने बच्चे हैं मत समझो कमजोर।।
वीर सिपाही पहरा देते,
दे कृषक हरियाली।
सुख-समृद्धि भारत अपनाए,
घर-घर है खुशहाली।।
आगे बढ़ता देश हमारा है विकास चहुंओर।
हम नन्हे-मुन्ने बच्चे हैं मत समझो कमजोर।।
निर्मल नदियां बहतीं हरदम,
कल-कल करती रहतीं।
शुभ्र हिमालय उच्च चोटियां,
गौरव गाथा कहतीं।।
कोयल मीठा गीत सुनाए जब हो जाती भोर।
हम नन्हें-मुन्ने बच्चे हैं मत समझो कमजोर।।

बोलने की आजादी

मंच पर बोलने के नाम से ही भावेश के हाथ-पांव फूल जाते थे। इस बार दोस्तों ने उसका नाम पंद्रह अगस्त के कार्यक्रम में भाषण के लिए लिखवा दिया। पारस सर ने भी कार्यक्रम में बोलने के लिए उस पर जोर डाला। फिर भी भावेश बोलने से बचता रहा, बहाने बनाता रहा। क्या वह पंद्रह अगस्त के कार्यक्रम में कुछ बोल पाया?

कहानी
डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'

सभी इमेज एआई

भावेश बुरा फंसा। फंसा क्या, फंसा दिया गया। उसके दोस्तों ने ही फंसा दिया। स्कूल में स्वतंत्रता दिवस के लिए तैयारियां चल रही थीं। उसके दोस्तों ने पारस सर से कह दिया, 'सर! भावेश का भी नाम लिख लीजिए। आज तक उसे किसी भी कार्यक्रम में बोलने का मौका नहीं मिला।'

यह सच था, लेकिन भावेश को बोलना ही कहां आता था। मंच पर बोलने के नाम पर उसे बिना बुखार के कंपकंपी छूटती थी। उसने बड़े ही अनुनय और विनम्र भाव से कहा, 'नहीं! नहीं सर! मुझे नहीं बोलना है।'

'क्यों नहीं बोलना है?' पारस सर की आवाज में तल्खी थी। वे उसका नाम लिख चुके थे। उन्होंने सख्ती से कहा, 'तुम्हें तीन मिनट बोलना है। कल तैयारी करके आना। मैं चेक करूंगा।' बेचारा भावेश। वह रुआंसा हो आया। उसने अपने दोस्तों को घूरा। वे सब मुस्कुरा रहे थे।

भावेश वैसे तो खूब बोलता था, लेकिन मंच पर न बाबा न! एक बार बोलने गया था तो आंखों के आगे काले-काले धब्बे जैसे भूत नाचने लगे, थोड़ी देर बाद वह मंच पर ही गिर पड़ा था। अकेले में यह सब बातें उसने सर को बताईं। सर मुस्कुराए, बोले 'अरे! तुम्हारा बीपी लो हो गया होगा। तुम्हें मैं छूट देता हूं। किसी भी विषय पर बोल सकते हो, लेकिन बोलना है। अरे! कोशिश नहीं करोगे तो जीवन भर नहीं सीख पाओगे।' यह कहकर सर आगे बढ़ गए।

बेचारा भावेश! सर उससे रोज क्लास में पूछते, 'तुमने भाषण तैयार किया?'

वह नपा-तुला उत्तर देता, 'सर! अभी तैयारी तो नहीं हो सकी। बोलने की कोशिश तो बहुत कर रहा हूं लेकिन...!' 'शीशे के सामने खड़े होकर बोले?' एक दोस्त ने पूछा तो भावेश ने गुस्से में उसे अच्छा-खासा लेक्चर दे दिया। सर ने डांटा, समझाया भी, 'ऐसे तो खूब बोले जा रहे हो। मंच पर बोलने से क्यों भागते हो?'

अगला पीरियड नागरिक शास्त्र का था। सर ने अनुच्छेद-19 के बारे में पढ़ाया। उन्होंने बताया, 'देश के हर नागरिक को बिना भय के अपने विचार प्रस्तुत करने की आजादी दी गई है। हमें अपने विचार बोलकर या लिखकर प्रस्तुत करने की पूरी आजादी है। आजादी के अपने इस अधिकार को समझना चाहिए। यह लोकतंत्र की पहचान है। हमें मौन रहने का भी अधिकार है। कुछ न बोलने या चुप रहने की भी आजादी है।'

अभिव्यक्ति के अधिकार के बारे में जानकारी सभी को अच्छी लगी, लेकिन भावेश ने इसे अपने हिसाब से समझा। उसने तय कर लिया था कि अब अगर उससे बोलने को कहा गया तो वह स्पष्ट रूप से मना कर देगा। पूरे तर्क के साथ मना करेगा। उदाहरण देते हुए और अनुच्छेद बताते हुए कि मुझे मौन रहने का भी अधिकार है। भावेश ने घर जाकर अभिव्यक्ति के अधिकार के बारे में और अधिक पढ़ा। यू-ट्यूब पर कई वीडियोज भी देखे। उसकी अच्छी-खासी तैयारी हो गई। उसका भाग्य अच्छा था कि पारस सर पता नहीं क्यों तीन दिन स्कूल ही नहीं आए। अब तो बोलने की बात आई-गई हो गई। भावेश के पास बहानेबाजी के लिए भी पूरा मौका था। सर उसे बोलने को कहेंगे तो वह झूठ बोल देगा, 'मैं तो अपना भाषण लिखकर लाया था, लेकिन आप आए नहीं थे। इसीलिए मैं अपना भाषण चेक नहीं करा पाया। सर जी समझ जाएंगे कि फिर बोलने का क्या मतलब?'

पंद्रह अगस्त आया। पारस सर कार्यक्रम का संचालन कर रहे थे। कुछ बच्चों ने गीत गाए। एक नाटिका का मंचन हुआ। भावेश निश्चिंत होकर सबका आनंद ले रहा था। अचानक सर ने उसका नाम पुकार दिया। यह कहते हुए, 'भाषण का एक रूप आशु भाषण भी होता है। जहां दिए गए किसी विषय पर तुरंत बोलना पड़ता है। चूंकि भावेश ने कोई टॉपिक नहीं लिखाया था, इसलिए मैं उसे पूरी छूट देता हूं कि वह किसी भी मनचाहे विषय पर अपनी बात रखे। हां, समय का ध्यान रहे। तीन मिनट से ज्यादा नहीं।'

भावेश सकते में था, 'वाह सर जी!' उसने देखा, उसके दोस्तों के चेहरों पर शरारत भरी मुस्कान थी। भावेश एक झटके में उठा। नागरिक शास्त्र का पीरियड याद आया। इस बार आंखों के आगे काले धब्बे नहीं तैरे। मन में कोई डर भी नहीं था। हां, गुस्सा जरूर था। उसने अनुच्छेद-19 का हवाला देते हुए बोलना शुरू किया। ऐसा लग रहा था कि वह नाराजगी जता रहा है, दोस्तों से, सर से। लेकिन यह क्या, उसके एक-एक वाक्य पर खूब तालियां बज रही थीं। तीन नहीं, वह पूरे सात मिनट बोलता रहा। वह भी धाराप्रवाह। उसे रोका गया, नहीं तो वह अभी और बोलता। कुछ न बोलने के लिए अपनी बात रखने के नाम पर वह कितना बोल गया था और कितना अच्छा बोल गया था कि मुख्य अतिथि महोदय खुद को रोक न सके। उन्होंने उसे तुरंत बुलाया, उसकी पीठ थपथपाई। सौ रुपए पुरस्कार में दिए और कहा, 'तुम तो बहुत अच्छे वक्ता हो। तुमने तो कमाल ही कर दिया। लगता है खूब पढ़कर आए हो।' भावेश अपनी पंक्ति की ओर लौटा। उसे देखकर मुस्कुराने वाले बच्चों की आंखों में अचरज और आदर का भाव था। वे भी समझ चुके थे कि अगर विषय पर पकड़ हो तो मंच पर बोलना कोई कठिन काम नहीं है। *

कविता / नीता अवस्थी

अपना हिंदुस्तान

तीन रंग से बना राष्ट्र-ध्वज,
चक्र बीच में शान है।
दुनिया भर में सबसे प्यारा
अपना हिंदुस्तान है।।
नियमित हम विद्यालय जाते,
करते खूब पढ़ाई।
अपने मतलब से मतलब है,
करते नहीं लड़ाई।।
नन्हे-मुन्ने हैं हम बच्चे,
केसरिया परिधान है।
दुनिया भर में सबसे प्यारा
अपना हिंदुस्तान है।।
अपने पेड़-पहाड़ सभी हैं,
अपनी ही हरियाली।

अपने बाग-बगीचे हैं सब,
घर-घर में खुशहाली।।
अपने पोखर अपने किसलय,
खेत और खलिहान हैं।
दुनिया भर में सबसे प्यारा
अपना हिंदुस्तान है।।

जीके क्विज-218

1. भारत के राष्ट्रीय ध्वज के मध्य में स्थित चक्र का प्रतीक चिह्न कहां से लिया गया है?
2. राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के रचयिता कौन हैं?
3. अंगेजों के खिलाफ पहली क्रांति किस वर्ष हुई थी?
4. महात्मा गांधी को पहली बार राष्ट्रपिता कहकर किसने संबोधित किया था?
5. भारत के वर्तमान सीडीएस (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) कौन हैं?
6. गांधीजी ने अपना पहला सत्याग्रह कहां किया था?
7. असहयोग आंदोलन कब शुरू हुआ था?
8. किस आंदोलन के दौरान 'करो या मरो' का नारा दिया गया था?
9. राष्ट्रगान गायन में लगने वाला आदर्श समय कितना है?
10. स्वतंत्र भारत के पहले और आखिरी भारतीय गवर्नर जनरल कौन थे?

बच्चो, जीके क्विज-218 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-217 का उत्तर : 1.13 गोल्ड मेडल, 2.सिल्वर मेडल, 3.ज्योतिरादित्य सिंधिया, 4.भगवान महावीर, 5.नाइट्रोजन, 6.1857 ई., 7.18 वर्ष, 8.सर्वपल्ली राधाकृष्णन, 9.पत्तियां, 10.किडनी

जीके क्विज-217 का सही उत्तर देने वाले : ऊर्जस्वी-सारंगढ़-बिलाईगढ़, मन्नत-कैथल, महिमा-ईमेल से, अर्पित-रायपुर, विवेक-दुर्ग, सान्या-बिलासपुर, हर्षिता-बलौदा बाजार, दिव्या-जांजगीर, आयुष-कैथल, जिया शिया-रायगढ़,

रंग भरो-208

रंग भरो-208 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

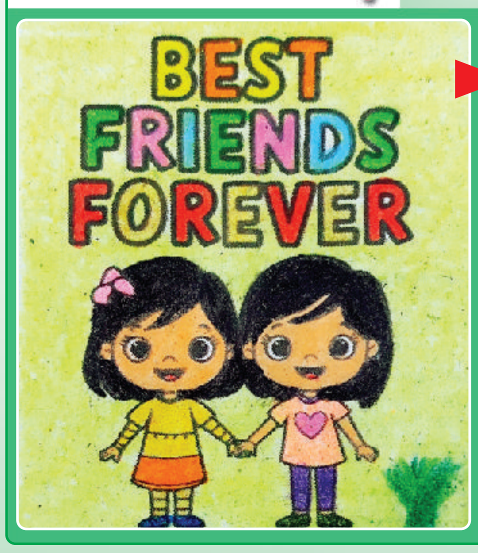

दिव्या, बिलासपुर

रेयांश, बिलासपुर

आशना, जांजगीर

रिया, झज्जर

डॉली, दुर्ग

समृद्धि, शहडोल

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

दिशा-बिलासपुर, प्रियांशु-महासमुंद, राजवर्धन-धमतरी, प्रियंका-रायपुर, प्रगति-बिलासपुर, सुमन-भोपाल, मधु-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, तेजस-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी

रंग भरो 209

बच्चो, यहां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण के बाद, तिरंगे को सलामी देते हुए बच्चों का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

यूएन ने बड़े पैमाने पर आतंकी खतरों को लेकर दी है चेतावनी

लाल किला ब्लास्ट के पीछे अलकायदा का हाथ, यूएन की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

नवंबर 2025 में दिल्ली के लाल किले के पास हुए बम ब्लास्ट को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की मॉनिटरिंग टीम की रिपोर्ट के मुताबिक इस हमले के पीछे अलकायदा का हाथ था। यूएन की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि हमले को अल-कायदा की ही एक रीजनल ऑफशूट 'अल कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट' (एक्विस) ने अंजाम दिया था। गौरतलब है कि इस ब्लास्ट से पूरी दिल्ली कांप उठी थी। हमले में 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट को एनालिटिकल सपोर्ट एंड सैंक्शन मॉनिटरिंग टीम ने जारी किया हम रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि यह आतंकी गुट दक्षिण एशिया में अपना नेटवर्क तेजी से फैला रहा है और बड़ा खतरा साबित हो सकता है। यूएन की रिपोर्ट के मुताबिक अल-कायदा का यह ऑफशूट अब बिखरे हुए समूहों के बजाय एक क्षेत्रीय आतंकवादी नेटवर्क के रूप में विकसित हो चुकी है। सुरक्षा एजेंसियों से बचने के लिए यह संगठन बड़ी यूनिट्स के बजाय छोटे-छोटे सेल्स के जरिए काम कर रहा है, जिन्हें ट्रैक करना बेहद कठिन होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक्विस दक्षिण-पूर्वी अफगानिस्तान में सक्रिय रहने के साथ-साथ अब बांग्लादेश में भी पैर पसार रहा है। संगठन अपने नए ऑपरेशनल सेल्स स्थापित करने के लिए बांग्लादेश में घुसने की कोशिश कर रहा है। बता दें कि भारत पहले ही बांग्लादेश को आतंकी संगठनों के नेटवर्क को लेकर चेतावनी दे चुका है।

आतंक फैलाने के लिए एआई का इस्तेमाल

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में यह खुलासा भी हुआ है आतंकवादी संगठन अब हाईटेक हो चुके हैं। रिपोर्ट में आतंकी संगठनों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अत्याधुनिक तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'आतंकी गुट बम बनाने की जानकारी और लक्ष्यों के चयन के लिए चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स का सहारा ले रहे हैं। इसके अलावा आईएसआईएल-के जैसे संगठन तेजी से अपने संदेश को कई भाषाओं में अनुवाद करने के लिए भी एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं।' यही नहीं आईएसआईएल जैसे संगठन 'बोटुलिनम टॉक्सिन' और 'साइनाइड' जैसे बायो विपन की तरफ भी आगे बढ़ रहे हैं जो बेहद खतरनाक हो सकते है।

एनआईए ने 3 और आरोपियों पर कसा शिकंजा

इससे पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए ने लाल किले के पास हुए धमाके के मामले में तीन और आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया है। एनआईए ने जम्मू-कश्मीर के रहने वाले जमीर अहमद अहंगर, तुफैल अहमद भट और मुजफर अहमद को आरोपी बनाया है। बता दें कि अब तक इस मामले में अब तक 13 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। इनमें मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी भी शामिल हैं, जिसकी मौत हो चुकी है। फरार आरोपी मुजफर अहमद, एक डॉक्टर है और उसकी पहचान एक अन्य आरोपी डॉ अदील अहमद राथर के बड़े भाई और अल-कायदा से जुड़ी संस्था के संस्थापक के तौर पर हुई है।

लाल किले पर हाई अलर्ट

भारत के 80वें आजादी दिवस समारोह से पहले, दिल्ली में लाल किले के आस-पास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। प्रधानमंत्री के संबोधन के लिए दिल्ली पुलिस, पैरामिलिट्री फोर्स और नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) के लगभग 20,000 जवानों को तैनात किया गया है।

डिजिटल करेंसी का इस्तेमाल कर रहे आतंकी

यूएन के हालिया आकलन में अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े समूहों की केमिकल और बायोलॉजिकल सामग्री हासिल करने में लगातार दिलचस्पी को लेकर भी चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी संगठन फंड जुटाने और उसे इधर-उधर भेजने के लिए डिजिटल करेंसी का भी तेजी से इस्तेमाल कर रहे हैं। निगरानी टीम ने सुझाव दिया है कि प्रतिबंधों का सामना कर रहे आतंकवादी समूहों से जुड़े क्रिप्टोकरेंसी एड्रेस को यूएन के प्रतिबंध उपायों में शामिल करने पर विचार किया जाए।

500 प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर अब भी अनशन पर बैठे हैं छात्र

एजेंसी ▶▶| रांची

झारखंड के रांची में छात्रों के विधानसभा मार्च के दौरान हुई उग्र झड़प को लेकर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने कुल 600 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है, जिनमें 100 नामजद और 500 अज्ञात छात्र व अन्य प्रदर्शनकारी शामिल हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, दर्ज एफआईआर में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे 100 प्रमुख प्रदर्शनकारियों को

नामजद किया गया है। इसके अलावा 500 अज्ञात छात्रों व अन्य उपद्रवियों को आरोपी बनाया गया है। हालांकि अब रांची के एसएसपी ने एफआईआर की बात खारिज कर दी है। एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि कि किसी के नाम से एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है।

लेकिन हमने विधानसभा के पास हिंसा और हंगामा करने में शामिल करीब 500 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आपको बता दें कि 10 अगस्त को जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के विरोध में छात्रों ने 'विधानसभा घेराव' का आह्वान किया था।

राष्ट्रपति मुर्मू के हाथों पुरस्कृत

अनूप रंजन को मिला संगीत नाटक अकादमी सम्मान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जाने-माने संस्कृतिकर्मी और पद्मश्री से सम्मानित अनूप रंजन पांडेय को गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति ने देशभर के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों को सम्मान प्रदान किया। सम्मान प्राप्त करने के बाद अनूप रंजन पांडेय ने इसे छत्तीसगढ़ के आदिवासी कलाकारों और प्रदेश की जनता को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि भर नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की लोक एवं आदिवासी कला-संस्कृति से जुड़े हजारों कलाकारों की साधना का सम्मान है। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि सम्मानित कलाकार मिलकर भारत का ऐसा सांस्कृतिक मानचित्र प्रस्तुत करते हैं, जिसमें देश की मिट्टी की कथाएं और गीत, विविध नृत्य और उत्सव तथा सदियों से विकसित भाषाओं और बोलियों की स्मृतियां समाहित हैं। बस्तर की लोककला से जुड़े काम के दौरान पांडेय ने आदिवासी कलाकारों के साथ मिलकर करीब डेढ़ दशक पहले 'बस्तर बैंड' की शुरुआत की।

2500 लोकगीत-गाथाएं और 175 लोकवाद्य सहेजे

पद्मश्री अनूप रंजन पांडेय ने छत्तीसगढ़ की मौखिक और वाचिक परंपराओं को सहेजने का भी काम किया। उन्होंने प्रदेश के 2500 लोकगीत, लोकगाथा और लोकवार्ताओं, 150 नाचा के नकल-प्रहसनों और 175 लोकवाद्यों का संकलन किया। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद उन्होंने 80 लोकवाद्य महंत घासीदास संग्रहालय और संस्कृति विभाग को दिए।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-टेंडर नोटिस नं. एनआईटी/14/26/32, तिथि: 04.08.2026

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	टेंडर बंद/खुलने की तिथि एवं समय	मात्रा
1	06260082	1 इन 12 थिक वेब स्वीचेस टर्नआउट फॉर 25टी एक्शल लोड टू आरडीएसओ ड्रॉइंग नं. टी-9791	21.08.2026 At 10:30 hrs	202 सेट
2	02264771A	सॉफ्ट माउंटेड जेडआर सीयू स्टेम्पिंग टाईप रेसिस्टेंस रिंग डिजाइन ऑफ रोटर......	24.08.2026 At 10:30 hrs	23 नग
3	04262516	माईक्रोप्रोसेसर कंट्रोलर फॉर रूफ माउंट	21.08.2026 At 10:30 hrs	90 नग
4	06261120	टीडब्ल्यूएसइजे (असेम्बली) फॉर थिक वेब स्वीच एक्सपेंशन ज्वाइंट टू आरडीएसओ ड्रॉइंग नं. आरटी-8822	21.08.2026 At 10:30 hrs	287 सेट
5	05261219	माइक्रोकंट्रोलर लॉजिक कार्ड	21.08.2026 At 10:30 hrs	130 नग
6	03262438	टॉप साईड बेयरर लाईनर फॉर बॉक्सएन वैगन	24.08.2026 At 10:30 hrs	23458 नग

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरुरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

सहायक सामग्री प्रबंधक-III
द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
सीपीआर/10/333

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला-रायपुर (छ.ग)

क्रमांक / 2455 / न.पा.नि. / लो.नि.वि. / 2026-27 बीरगांव,दिनांक 11/08/2026

:: मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना ::

नगर पालिक निगम बीरगांव क्षेत्रान्तर्गत 15वें वित्त आयोग अन्तर्गत विभिन्न स्थानों में सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य (विभिन्न प्रकृति के 23 कार्य) के लिए छत्तीसगढ़ के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र "ए" में छत्तीसगढ़ के पी.डब्ल्यू.डी. भवन एस.ओ.आर. 10.06.2026, रोड एस.ओ.आर. 15.06.2026 एवं (निविदा तिथि तक संशोधित) अनुसार प्रतिशत दर पर कार्य संपादन हेतु (निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि 03.09.2026 समय अपरान्ह 03:00 बजे तक) तीन लिफाफा पद्धति में निविदा आमंत्रित है।

उपरोक्त कार्यों की अनुमानित लागत, अमानत राशि, निविदा की शर्तें, निविदा दस्तावेज व कार्य से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निगम कार्यालय के लोक निर्माण शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड/प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

दीपके को नहीं मिली मीटिंग की जगह, पार्क से भगाया लोगों ने

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जंतर-मंतर सीजन-2 की तैयारियों के लिए दिल्ली में बैठक की जगह तलाश रहे अभिजीत दीपके और उनकी टीम को एक रेजिडेंट सोसाइटी के पार्क में पहुंचना भारी पड़ गया। समर्थकों के साथ पार्क में बैठक शुरू होते ही स्थानीय लोग वहां पहुंच गए और उन्होंने इसका विरोध किया। स्थानीय लोगों ने साफ कहा कि यहां कोई नौटंकी नहीं चलेगी। पार्क सोसाइटी के

निवासियों के लिए है और इसे धरना या राजनीतिक प्रदर्शन की जगह के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। विरोध बढ़ने पर पुलिस को बीच में आना पड़ा और आखिरकार दीपके को अपने साथियों के साथ वहां से लौटना पड़ा।

रेवन्ना के फोन से मिले 90 पोर्न-वीडियो, नई एफआईआर दर्ज

रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहा पूर्व पीएम देवगौड़ा का पोता

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरू

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की सेल से मोबाइल फोन बरामद होने के बाद एफआईआर दर्ज हुई थी। इस मामले एक बड़ा खुलासा हुआ है। सामने आया है कि, जेल में बंद प्रज्वल रेवन्ना के पास से जो मोबाइल बरामद हुआ है, उसमें 90 से ज्यादा अश्लील वीडियो डाउनलोड थे। अब इस मामले में नई एफआईआर दर्ज की गई है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा का पोता रेवन्ना बलात्कार के मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद उम्रकैद की सजा काट रहा है। जेल प्रशासन के मुताबिक सोमवार दोपहर सेंट्रल क्राइम ब्रांच यानी सीसीबी की टीम ने हाई प्रोफाइल कैदियों की तलाशी अभियान के तहत छापा मारा था।

फोन की जांच में मिले अश्लील वीडियो

सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) के सूत्रों के मुताबिक, जेल में कथित तौर पर प्रज्वल रेवन्ना द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे मोबाइल फोन की जांच के दौरान बड़ी संख्या में अश्लील वीडियो मिले हैं। पुलिस अब मोबाइल में मौजूद वीडियो और अन्य डेटा की विस्तृत जांच कर रही है। सीसीबी सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान मोबाइल फोन में 80-90 से ज्यादा अश्लील वीडियो डाउनलोड किए हुए पाए गए। इनमें से ज्यादातर कथित तौर पर इंडियन पोर्नोग्राफिक कंटेंट से जुड़े वीडियो बताए जा रहे हैं।

सोनिया नागरिकता : 29 को आएगा फैसला

नई दिल्ली। बिना नागरिकता हासिल किए मतदाता सूची में नाम शामिल कराए जाने के मामले में सोनिया गांधी के खिलाफ दाखिल रिवीजन पिटीशन पर राऊज एवेन्यू कोर्ट का फैसला टल गया है। अब इस मामले में अदालत 29 अगस्त को अपना फैसला सुनाएगी। सोनिया गांधी के खिलाफ दाखिल याचिका में कहा गया है कि उन्होंने 30 अप्रैल 1983 में भारतीय नागरिकता हासिल की थी, लेकिन उनका नाम 1980 की मतदाता सूची में पहले से शामिल था। याचिका में सवाल उठाया गया है कि 1980 की नई दिल्ली की वोटर लिस्ट में सोनिया गांधी का नाम किस आधार पर दर्ज किया गया था। याचिका में आरोप लगाया गया है कि नागरिकता मिलने से तीन साल पहले ही उनका नाम सूची में कैसे आ गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा क्रमांकः सी.ए.ओ./सी./बी.एस.पी./26-27/15
दिनांकः 01.08.2026, (EPC)(ओपन ई-टेंडर) (टू पैकेट सिस्टम)

कार्यः "छत्तीसगढ़ राज्य में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन में EPC मोड में नया ब्रॉड गेज सिंगल रेलवे लाइन प्रोजेक्ट, जिसमें पैराडोल टेकऑफ पॉइंट (KM 947.257) से नागपुर रोड स्टेशन (कनेक्टिंग पॉइंट - KM: 964.820) तक के सेक्शन और मौजूदा बोरिडंड- चिरमिरी लाइन को KM: 946.640 से KM: 947.257 तक स्ल्यू करना (लाइन की जगह बदलने) शामिल है।
निविदा मूल्यः रु.6018996767.61, अमानत राशिः रू. 120379900.00 निविदा दस्तावेज की लागतः शून्य, कार्य पूरा होने की अवधिः 730 (सात सौ तीस) दिन, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से। **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांकः 27/11/2026** को 15:00 बजे तक। **निविदा खोलने का समय एवं दिनांकः 04/12/2026** को 16:00 बजे।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, अथवा बिलासपुर-पिनः 495004 अथवा उप-मुख्य अभियंता/निर्माण/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर- पिनः 492009 अथवा मुख्य परियोजना प्रबंधक/पश्चिम/निर्माण/नागपुर/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर- पिनः 440001 के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउन लोड कर/देख सकते हैं।

उप मुख्य अभियंता/निर्माण/उत्तर
सीपीआर/10/330 द.पू.मध्य रेलवे, रायपुर
South East Central Railway @secrail

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, डालटनगंज

ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 02 /2026–27/EE/RWD/DALTONGANJ
कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से पथों का निविदा आमंत्रित की जाती है।
दिनांक–12.08.2026

1. कार्य का नाम :

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में) अंक में	प्राक्कलित राशि (लाख में) अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल नं0
1	EE/RWD/DALTONGANJ/06/2026-27	चैनपुर प्रखंड अंतर्गत पंचायत भड़गांव ग्राम चट्टीपार से भुतहा गांव तक पथ निर्माण कार्य। 1.65कि0मी0	170.677	एक करोड़ सत्तर लाख सड़सठ हजार सात सौ रू0 मात्र	09 माह	प्रथम
2	EE/RWD/DALTONGANJ/07/2026-27	चैनपुर प्रखंड अंतर्गत रानीताल पी0डब्लू0डी0 मुख्य पथ से बलथरवा तक पथ निर्माण कार्य। 1.00कि0मी0	97.048	संतावे लाख चार हजार आठ सौ रू0 मात्र	09 माह	प्रथम
3	EE/RWD/DALTONGANJ/08/2026-27	चैनपुर प्रखंड अंतर्गत खुराकला में देवी धाम से बिरेन्द्र राम के घर होते हुए अरूण विश्वकर्मा के घर तक पथ निर्माण कार्य। 1.15कि0मी0	127.144	एक करोड़ सताईस लाख चौदह हजार चार सौ रू0 मात्र	09 माह	प्रथम
4	EE/RWD/DALTONGANJ/09/2026-27	चैनपुर प्रखंड अंतर्गत ग्राम कंकारी में पी0डब्लू0डी0 मेन रोड से नरेश चौधरी के घर होते हुए देवी धाम होते शमशान घाट तक पथ निर्माण कार्य। 1.40कि0मी0	134.022	एक करोड़ चौतीस लाख दो हजार दो सौ रू0 मात्र	09 माह	प्रथम
5	EE/RWD/DALTONGANJ/10/2026-27	चैनपुर प्रखंड अंतर्गत गरदा आर0ई0ओ0 रोड से कब्रिस्तान होते हुए कुदागा खूर्द तक पथ निर्माण कार्य। 3.80कि0मी0	351.864	तीन करोड़ एक्यावन लाख छियासी हजार चार सौ रू0 मात्र	12 माह	प्रथम
6	EE/RWD/DALTONGANJ/11/2026-27	डालटनगंज सदर अंतर्गत ग्राम रजवाडीह में वियॉकी मेन रोड से बहेरवाडोहरी टोला होते हुए बेटी बांध जमुने तक पथ निर्माण कार्य। 1.25कि0मी0	152.968	एक करोड़ बावन लाख छियानबे हजार आठ सौ रू0 मात्र	09 माह	प्रथम
7	EE/RWD/DALTONGANJ/12/2026-27	डालटनगंज सदर अंतर्गत पंचायत लहलहे ग्राम नउवाडीह में राजमुनी सिंह के घर से राजू भुईयां के घर होते चबूतरा तक पथ निर्माण कार्य। 1.65कि0मी0	207.653	दो करोड़ सात लाख पैंसठ हजार तीन सौ रू0 मात्र	09 माह	प्रथम
8	EE/RWD/DALTONGANJ/13/2026-27	डालटनगंज सदर अंतर्गत उटारी रोड प्रखंड अंतर्गत पाण्डेपुरा से कलटू मोड़ तक पथ निर्माण कार्य। 2.20कि0मी0	241.609	दो करोड़ एकतालीस लाख साठ हजार नौ सौ रू0 मात्र	09 माह	प्रथम

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि : 24.08.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 14.09.2026 up to 5.00 PM
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 16.09.2026 पूर्वाह्न 3.30 बजे
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 –06562357595

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट Jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज।

PR.NO.387486 District(26-27):D

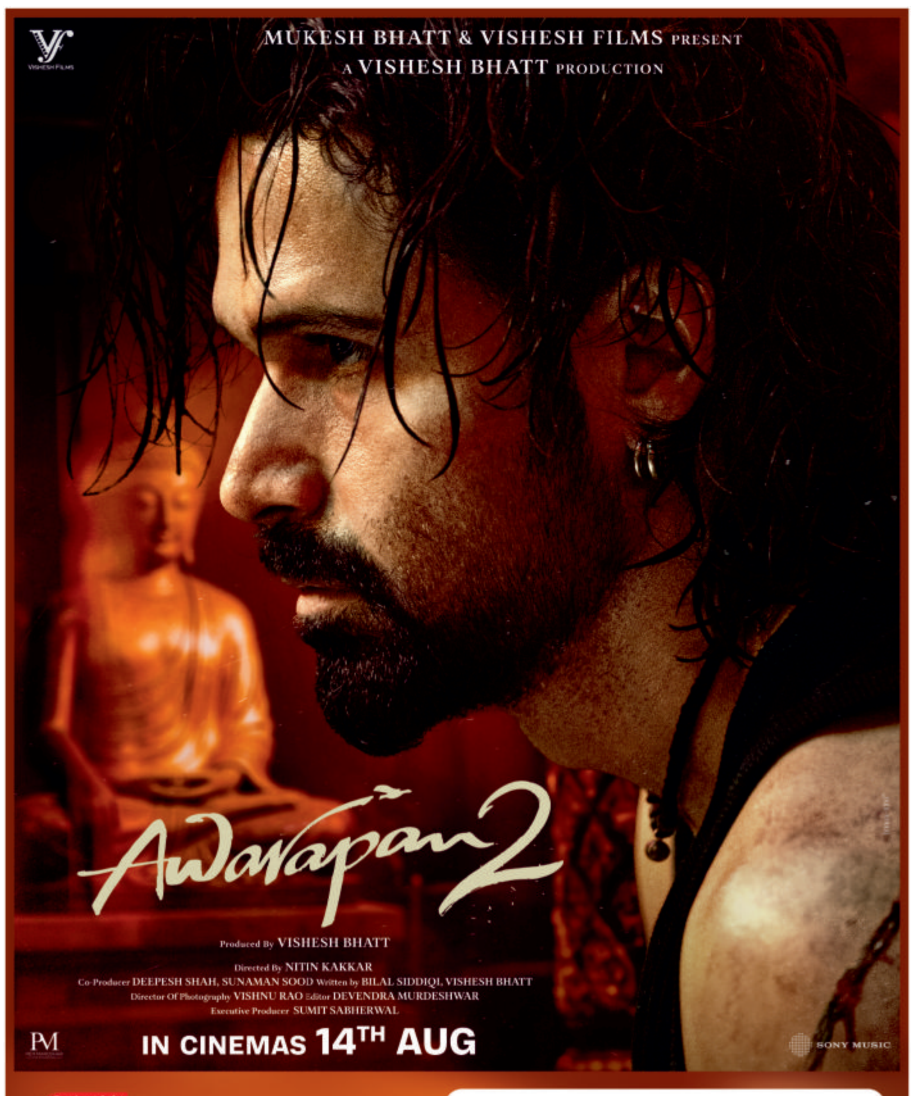

ट्रायल के लिए 100-100 करोड़ मूल्य के छापे जाएंगे 10 व 20 के प्लास्टिक नोट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में जल्द ही 10 और 20 रुपए के पॉलीमर यानी प्लास्टिक बैंक नोट देखने को मिल सकते हैं। केंद्र सरकार ने दोनों मूल्यवर्ग के पॉलीमर नोटों के फील्ड ट्रायल को मंजूरी दे दी है। ट्रायल के तहत 10 और 20 रुपए के 100-100 करोड़ पॉलीमर नोट जारी किए जाएंगे। सरकार की मंजूरी के बाद अब इनके फील्ड ट्रायल का रास्ता साफ हो गया है। ट्रायल के नतीजों के आधार पर आगे इन्हें नियमित रूप से जारी करने पर फैसला लिया जाएगा।

शुरुआत में छोटी करंसी के नोट होंगे जारी

सरकार के मुताबि 10 रुपए के 100 करोड़ और 20 रुपए के 100 करोड़ पॉलीमर नोट जारी किए जाएंगे। इन नोटों को मौजूदा कागजी करेंसी के विकल्प के तौर पर तत्काल पूरी तरह लागू नहीं किया जाएगा।

ट्रायल के नतीजों के आधार पर आगे इन्हें नियमित रूप से जारी करने पर लिया जाएगा फैसला

30 साल या उससे ज्यादा चल सकते हैं नोट

आरबीआई गवर्नर के अनुसार ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों में पॉलीमर बैंक नोटों का लंबे समय से इस्तेमाल हो रहा है। इन देशों में कुछ पॉलीमर करेंसी नोट 30 साल से भी अधिक समय तक सफलतापूर्वक इस्तेमाल किए गए हैं। हालांकि भारत में इन नोटों की वास्तविक उपयोग अवधि और प्रदर्शन का आंकलन फील्ड ट्रायल के दौरान किया जाएगा।

बार-बार नोट छापने का खर्च होगा कम

आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में आरबीआई ने कागजी नोटों की छपाई पर 6,372.8 करोड़ रुपए खर्च किए थे। छोटे मूल्यवर्ग के नोटों का इस्तेमाल अधिक होने की वजह से वे जल्दी खराब हो जाते हैं उन्हें बार-बार छापने की जरूरत पड़ती है। पॉलीमर नोटों की लंबी उम्र के कारण नोटों की छपाई पर होने वाले खर्च में भी बचत की संभावना है।

कागजी नोटों के साथ चलेंगे पॉलीमर नोट

वित्त मंत्री के मुताबिक पॉलीमर नोटों को शुरुआत में मौजूदा कागजी नोटों के साथ ही चलाया जाएगा। यानी लोगों को बाजार में एक ही मूल्यवर्ग के कागज और पॉलीमर दोनों तरह के नोट देखने को मिल सकते हैं। यदि फील्ड ट्रायल सफल रहता है तो भविष्य में इन नोटों को नियमित रूप से जारी करने की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है।

नकली नोटों पर लगाम लगाने में मदद

पॉलीमर नोटों में आधुनिक सिक्योरिटी फीचर्स शामिल करना अपेक्षाकृत आसान होता है। पारदर्शी विंडो और अन्य उन्नत सुरक्षा तकनीकों के इस्तेमाल से नोटों की नकल करना मुश्किल बनाया जा सकता है। ऐसे में पॉलीमर करेंसी को नकली नोटों की समस्या से निपटने के लिए भी उपयोगी माना जा रहा है।

खबर संक्षेप

मैक्स हेल्थकेयर इंस्टि. का शुद्ध लाभ 3.4 प्रश बढ़ा

नई दिल्ली। मैक्स हेल्थकेयर इंस्टिट्यूट लिमिटेड (एमएचआईएल) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली (जून) तिमाही में 3.4 प्रतिशत बढ़कर 357 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की जून तिमाही में 345 करोड़ रुपये था। 16 प्रतिशत बढ़कर 2,982 करोड़ रुपये हो गई।

लेनोवो का पहली तिमाही का राजस्व 18% बढ़ा

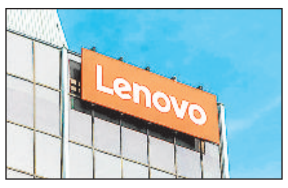

नई दिल्ली। लेनोवो इंडिया के राजस्व में चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कृत्रिम मेधा से जुड़े एकीकृत समाधानों की मजबूत मांग से यह वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने भारत में अपने कारोबार से संबंधित राजस्व का विशिष्ट आंकड़ा जारी नहीं किया है।

पश्चिम एशिया को भारत का निर्यात 8.62 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद पश्चिम एशिया क्षेत्र को देश का निर्यात जुलाई में सालाना आधार पर 8.62 प्रतिशत बढ़कर 5.7 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। जुलाई, 2025 में यह 5.2 अरब अमेरिकी डॉलर था। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण मार्च में इस क्षेत्र को भारत का निर्यात पहली बार घटा था लेकिन अप्रैल में इसमें सुधार हुआ। वहीं मई तथा जून में इसमें और वृद्धि हुई।

बैंक और एनबीएफसी के लिए होंगे समान मानदंड

ब्याज दरों के नियमों में बड़ा बदलाव आरबीआई ने जारी किया नया मसौदा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक ने ऋण एवं अग्रिम पर ब्याज दर निर्धारण संबंधी नए मसौदा दिशानिर्देश जारी किए हैं। इस पहल का उद्देश्य बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए ब्याज दर तय करने की प्रक्रिया में समानता स्थापित करना है।

अभी तक वाणिज्यिक बैंकों के लिए ब्याज दर निर्धारण को लेकर स्पष्ट नियामकीय ढांचा मौजूद था, जबकि एनबीएफसी मुख्य रूप से आचरण संबंधी नियमों के आधार पर कार्य करती थीं। प्रस्तावित व्यवस्था इस अंतर को समाप्त कर वित्तीय प्रणाली में अधिक पारदर्शिता और निष्पक्षता लाने का प्रयास है।

एक अप्रैल 2027 से लागू करने का प्रस्ताव, सुझाव आमंत्रित

मसौदा दिशानिर्देशों को 'भारतीय रिजर्व बैंक (ऋण एवं अग्रिम पर ब्याज दर) दिशानिर्देश, 2026' नाम दिया गया है। आरबीआई ने इन्हें 1 अप्रैल 2027 से लागू करने का प्रस्ताव रखा है। इससे पहले केंद्रीय बैंक ने सभी संबंधित पक्षों, वित्तीय संस्थानों और आम नागरिकों से 11 सितंबर 2026 तक सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की हैं। प्राप्त सुझावों की समीक्षा के बाद अंतिम दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे।

सभी के लिए एक समान सिद्धांत आधारित व्यवस्था

आरबीआई के मसौदे के अनुसार, सभी विनियमित संस्थाओं के लिए ब्याज दर निर्धारण के व्यापक सिद्धांत लागू होंगे। यह व्यवस्था स्थिर (फिक्स्ड) और परिवर्तनशील (फ्लोटिंग) दोनों प्रकार के ऋणों पर समान रूप से लागू होगी। इसका उद्देश्य विभिन्न वित्तीय संस्थानों के बीच ग्राहकों के साथ ब्याज दरों के मामले में अनावश्यक भिन्नता न रहे और ऋण मूल्य निर्धारण अधिक तार्किक एवं पारदर्शी हो।

गवर्नर की घोषणा के बाद आया मसौदा

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने पहले ही संकेत दिया था कि बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों के बीच ब्याज दर निर्धारण के नियमों में समानता लाने की दिशा में काम किया जाएगा। उसी घोषणा के अनुरूप यह मसौदा जारी किया गया है। प्रस्तावित नियम केवल भारत में संचालित घरेलू कारोबार पर लागू होंगे।

ऋण मूल्य निर्धारण की पूरी प्रक्रिया होगी अधिक स्पष्ट

प्रस्तावित नीति के तहत प्रत्येक संस्था को ब्याज दर तय करने की स्पष्ट पद्धति अपनानी होगी। इसमें आंतरिक मानकों का निर्धारण, जोखिम के आधार पर अतिरिक्त ब्याज (रिस्क प्रीमियम), विभिन्न ऋण श्रेणियों के लिए मूल्य निर्धारण का आधार तथा ब्याज दर तय करने के अधिकार किस स्तर पर होंगे, जैसे सभी पहलुओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना होगा। सूक्ष्म-वित्त (माइक्रोफाइनेंस) ऋणों को भी इसी नीति के दायरे में शामिल किया जाएगा, ताकि छोटे उधारकर्ताओं के लिए भी पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

ग्राहकों और वित्तीय क्षेत्र पर क्या होगा असर?

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह मसौदा वर्तमान स्वरूप में लागू होता है तो ऋण लेने वाले ग्राहकों को ब्याज दर तय करने की प्रक्रिया अधिक स्पष्ट और समझने योग्य होगी। बैंक और एनबीएफसी दोनों को अपने मूल्य निर्धारण मॉडल को अधिक पारदर्शी बनाना पड़ेगा, जिससे मनमाने अंतर की संभावना कम होगी।

खिलौनों सहित अन्य सामग्री का हुआ व्यापार

चीन से भारत का बढ़ा आयात लिथियम सहित आया ये सामान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में चीन से सामान के बढ़ते आयात को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। इसी बीच वाणिज्य मंत्रालय ने 11 अगस्त को कहा कि चीन से आने वाले कुछ सामान कई भारतीय उद्योगों के लिए जरूरी हैं।

इनमें लिथियम, कोबाल्ट, निकल, ग्रेफाइट और दुर्लभ खनिज शामिल हैं। इनका इस्तेमाल स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर बनाने में होता है। मंत्रालय के मुताबिक, कुछ औद्योगिक सामान और आधुनिक तकनीक भी घरेलू उत्पादन के लिए जरूरी हैं।

खिलौनों का आयात भी लगातार बढ़ा

चीन से भारत आने वाले खिलौनों की मात्रा में भी बढ़ोतरी हुई है। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, 2023-24 में चीन से 26 करोड़ डॉलर के खिलौने आयात किए गए थे। 2024-25 में यह बढ़कर 29 करोड़ डॉलर और 2025-26 में 35 करोड़ डॉलर हो गया। मंत्रालय ने कहा कि कुछ चीनी सामान घरेलू उद्योगों के लिए जरूरी हैं।

इंजीनियरिंग सामान का आयात सबसे ज्यादा

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चीन से इंजीनियरिंग सामान का आयात पिछले तीन साल में तेजी से बढ़ा है। 2023-24 में यह 53.83 अरब डॉलर था, जो 2024-25 में बढ़कर 63.95 अरब डॉलर और 2025-26 में 75.82 अरब डॉलर हो गया। यानी दो साल में इसमें करीब 41 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। प्लास्टिक का आयात भी 5.67 अरब डॉलर से बढ़कर 6.71 अरब डॉलर हो गया। कपड़ा आयात 3.68 अरब डॉलर से बढ़कर 4.46 अरब डॉलर रहा।

गलत आयात पर सरकार रखती है नजर

सरकार ने बताया कि सीमा शुल्क अधिकारी कम कीमत दिखाकर सामान मंगाने, सामान या उसके मूल देश की गलत जानकारी देने जैसी गतिविधियों पर नजर रखते हैं। राजस्व खुफिया निदेशालय भी आंकड़ों और अन्य जानकारी के आधार पर जांच करता है। नियमों का उल्लंघन मिलने पर सामान जब्त करने, शुल्क वसूलने और कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। वहीं, खराब गुणवत्ता वाले उत्पादों को रोकने के लिए गुणवत्ता जांच और जरूरी प्रमाणपत्र लागू हैं।

रुपया 12 पैसे कमजोर होकर 95.45 प्रति डॉलर पर

मुंबई। कमजोर घरेलू शेयर बाजार और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के बीच भू-राजनीतिक जोखिम बने रहने से रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे टूटकर 95.45 के स्तर पर आ गया। ईरान के बीच समझौता होने में देरी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती के कारण निवेशकों की धारणा कमजोर बनी हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 95.35 से 95.48 के दायरे में रहा और कारोबार के अंत में 95.45 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बुधवार को रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ 95.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

आईटीए ने भारत में 11 स्वच्छ औद्योगिक परियोजनाओं को चुना

- 1,800 करोड़ डॉलर का होगा निवेश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

औद्योगिक बदलाव में तेजी लाने वाली वैश्विक पहल 'इंडस्ट्रियल ट्रांजिशन एक्सेलरेटर' (आईटीए) ने भारत में महत्वपूर्ण स्वच्छ औद्योगिक परियोजनाओं को गति देने के लिए 'भारतीय परियोजना समर्थन कार्यक्रम' के तहत 11 परियोजनाओं का चयन किया है।

आईटीए ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि इन परियोजनाओं को उनकी जरूरत के अनुरूप सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इन परियोजनाओं से विभिन्न क्षेत्रों में सालाना 78 लाख टन से अधिक कार्बन उत्सर्जन कटौती की जा सकती है।

परियोजनाओं में करोड़ों डॉलर होंगे खर्च

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी28) में शुरू 'आईटीए' ऊर्जा-गहन उद्योगों और परिवहन क्षेत्रों में औद्योगिक बदलाव को तेज करने के लिए काम करने वाली एक वैश्विक बहु-पक्षीय पहल है। जिंदल स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, एसीएमई समूह, यामना, सर्कुलर अर्बन एनर्जी (सीयूई) और रिन्यू जैसी कंपनियों की अगुवाई वाली चयनित परियोजनाओं में 1,800 करोड़ डॉलर से अधिक के संभावित निवेश की संभावना है।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री 34.3 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री जुलाई में सालाना आधार पर 34.3 प्रतिशत बढ़कर 4,57,810 इकाई हो गई। यात्री वाहनों की थोक बिक्री जुलाई 2025 में 3,40,772 इकाई रही थी। पिछले महीने कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री 22.6 प्रतिशत बढ़कर 19,23,483 इकाई हो गई जबकि जुलाई 2025 में यह 15,69,120 इकाई थी। सियाम के अनुसार, तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री जुलाई में 33.4 प्रतिशत बढ़कर 92,560 इकाई हो गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 69,403 इकाई थी। उद्योग संगठन सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, ''भारतीय वाहन उद्योग ने जुलाई में अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की।

तमिलनाडु सरकार ने 67,000 करोड़ से अधिक के 97 एमओयू पर किए हस्ताक्षर

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने 67,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के लिए 97 कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर बृहस्पतिवार को हस्ताक्षर किए। इन कंपनियों में हिंदुजा समूह, स्काईरूट एयरोस्पेस और डेमलर इंडिया कमर्शियल व्हीकल्स शामिल हैं। सरकार के अनुसार, इन एमओयू के तहत कुल 67,452 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता है और प्रस्तावित निवेश से 1.20 लाख रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है।

तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार के मई में सत्ता में आने के बाद आयोजित पहले 'वेत्री तमिलनाडु इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव 2026' में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की मौजूदगी में इन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। व्यापार, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) विकास, ड्रोन प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और सेमीकंडक्टर कौशल प्रशिक्षण सहित विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों के साथ संस्थागत एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

एक लाख से अधिक रोजगार अवसर

इन समझौतों से मोटर वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा और जीवन विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) तथा डेटा सेंटर सहित विभिन्न क्षेत्रों में एक लाख से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

राशिफल

मेष — शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। आय वृद्धि के साधन विकसित होंगे।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन — अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। खानपान के प्रति सचेत रहें। मन में निराशा एवं

सिंह — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कन्या — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। व्यर्थ के विवादों से बचने का प्रयास करें।

तुला — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक — घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

धनु — पिता का साथ रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर — परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन सम्भव है। लंबे समय से रुके हुए काम बनने की उम्मीद है।

कुंभ — परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। वाहन के रख-रखाव एवं वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। शिक्षा में सुधार होगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी।

मीन — वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में अशांति रहेगी।

गाजा अल्टरनेटिव का आईपीओ 19 को खुलेगा

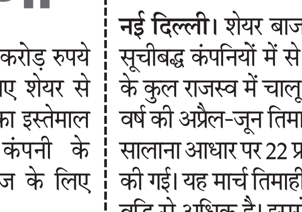

नई दिल्ली। गाजा कैपिटल ब्रांड के तहत काम करने वाली गाजा अल्टरनेटिव एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने अपने 550 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 152-160 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी का बाजार पूंजीकरण करीब 2,256 करोड़ रुपये बैठता है। प्रस्तावित 656 करोड़ रुपये से अधिक से घटाकर 550 करोड़ रुपये कर दिया है। नए शेयर से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, कंपनी के सामान्य कामकाज के लिए किया जाएगा।

19 से 21 तक ही शेयरों की बिक्री

कंपनी ने बृहस्पतिवार को सार्वजनिक घोषणा में बताया कि आईपीओ 19 अगस्त को खुलेगा और 21 अगस्त को बंद होगा।

भारतीय कंपनियों की आय मजबूत राजस्व 22 प्रतिशत बढ़ा : इक्रा

नई दिल्ली। शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों में से 838 के कुल राजस्व में चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह मार्च तिमाही में दर्ज 13 प्रतिशत वृद्धि से अधिक है। इससे भारतीय कंपनियों की आय में मजबूती का संकेत मिलता है, जिसने तेल क्षेत्र के कमजोर रुख के प्रभाव को काफी हद तक संतुलित किया। घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा ने बृहस्पतिवार को यह कहा है। हालांकि, पहली तिमाही में इन कंपनियों का सकल परिचालन लाभ मार्जिन (ओपीएम) सालाना आधार पर दो प्रतिशत अंक से अधिक घट गया और शुद्ध लाभ लगभग स्थिर रहा। इक्रा ने कहा कि इसका मुख्य कारण तेल शोधन क्षेत्र रहा, जहां कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और एलपीजी तथा पेट्रोलियम उत्पादों पर कम वसूली (लागत से कम दाम पर बिक्री) से कंपनियों का लाभ प्रभावित हुआ।

शब्द पहेली - 6317

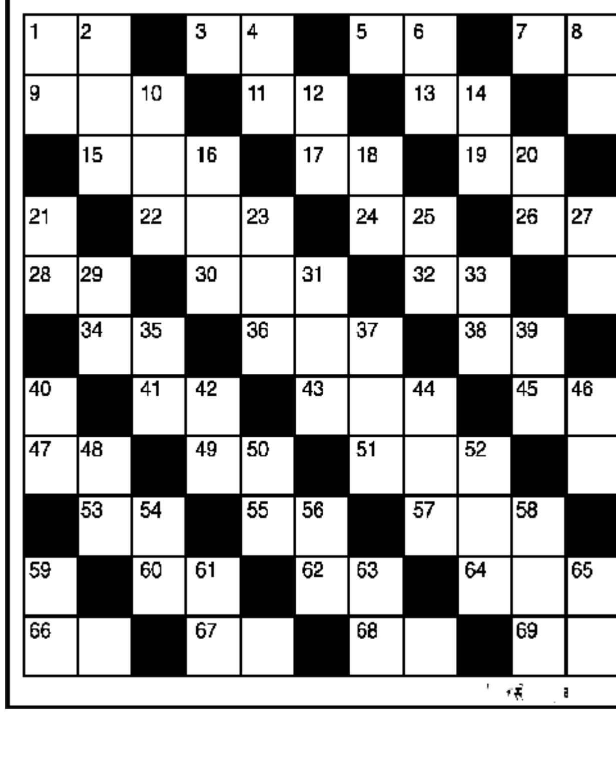

बाएँ से दाए
1. बलगम-2
3. जाप, मंत्र पाठ-2
5. काया, बदन-2
7. ठाठ-बाट-2
9. गिरावट, अवनति-3
11. बुरी आदत-2
13. सद, अच्छा-2
15. बंदर-3
17. अपशिष्ट पदार्थ-2
19. थोड़ा-2
22. दबाना, कुचलना-3
24. शारीरिक ऊंचाई-2
26. आम जनता-2
28. पिता के पिता-2
30. पक्षाघात, फालिज-3
32. मनमौजी, अलमस्त-2
34. नवीन-2
36. लोच-3
38. गाड़ी, घोड़ागाड़ी-2
41. बीता हुआ दिन-2
43. लेखनी, पेन-3
45. अधर-2
47. रांझा की प्रेमिका-2
49. अप्सरा, परी-2
51. गर्भ, कोख-3
53. दंड, शिक्षा-2
55. पाश, फंदा-2
57. परखना-3
60. वोट, अभिप्राय-2
62. हत्या-2
64. तिरस्कृत-3
66. शराब-2
67. उद्देश्य-2
68. टूंटी, नलका-2
69. आनंद-2

ऊपर से नीचे
1. प्याला-2
2. धर्म आदेश-3
4. क्षण, लमहा-2
6. गगन, आकाश-2
8. सरूर, खुमार-2
10. पति की बहन-3
12. अंधकार-2
14. शर्म, लज्जा-2
16. पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18. भाग्य (अंग्रेजी-2)
20. रहस्य-2
21. कुर्बान-2
23. अनुकृति-3
25. जोर, बल-2
27. नाखून-2
29. दक्षिणा-2
31. पढ़ने वाला-3
33. परत-2
35. भैंस जैसा एक प्राणी-2
37. झगड़ा-3
39. भूमि, धरा-2
40. राहगीर-2
42. रक्त-2
44. मां का प्रेम-3
46. दम-2
48. आनंद-2
50. छुट्टी-2
52. झगड़ना-3
54. प्याला-2
56. प्यार-2
58. असफल-3
59. यमराज-2
61. पैंदा-2
63. संपत्ति-2
65. सम्राट-2

शब्द पहेली - 6316 का हल

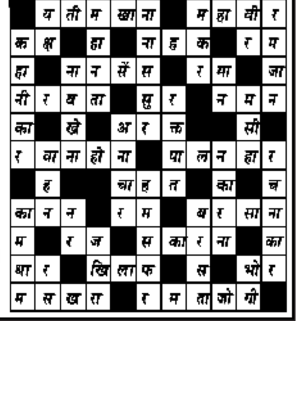

सूडोकु नवताल - 6327

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6326 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

रेबीज से सबसे ज्यादा मौत भारत में, पिटबुल की आक्रमकता आनुवंशिक, देशी प्रजाति बेहतर

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया में रेबीज के चलते सर्वाधिक मौत भारत में होती हैं। इसका एक बड़ा कारण लोगों द्वारा रेबीज वैक्सीनेशन नहीं करवाना है। रेबीज वैक्सीनेशन के साथ ही लोगों को कुत्तों की उन प्रजातियों का चुनाव भी सावधानी से करना चाहिए जिन्हें वे पालने जा रहे हैं। पिटबुल कुत्तों की सर्वाधिक एग्रेसिव प्रजाति है। उनमें आक्रमकता आनुवंशिक रुप से आती है। देशी प्रजातियां सर्वाधिक बेहतर होती है। आप गली-मोहल्ले के कुत्तों को पालने के लिए चुन सकते हैं। ये जानकारी पशु चिकित्सक डॉ.पद्म जैन ने गुरुवार को एक प्रेसवार्ता में साझा की।

बीते वर्ष एक ही दिन में सर्वाधिक रेबीज टीकाकरण का बनाया गया था रिकॉर्ड

उन्होंने बताया कि 15 अगस्त को रेबीज मुक्त भारत के संकल्प को पूर्ण करने निशुल्क रेबीज टीकाकरण आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन का लगातार 22वां वर्ष है। पालतू कुत्ते-बिल्लियों के साथ-साथ गली-मोहल्ले के जानवरों को भी टीका लगाया जाएगा। लोग उन्हें भी लेकर आ सकते हैं। गत वर्ष की तरह इस बार भी जानवरों के साथ-साथ उनके मालिक या पशु सेवा करने वाले लोगों को भी रेबीज का टीका लगाया जाएगा। पिछले वर्ष एक ही दिन 1500 से अधिक लोगों को एक ही दिन रेबीज टीका लगाने का रिकॉर्ड बनाया गया था। प्रतिदिन पशुओं के संपर्क में रहने वाले एनिमल वॉलंटियर्स, एनिमल रेस्क्यूअर्स, एनिमल फीडर्स और एनिमल हैंडलर्स भी इसका हिस्सा बन सकते हैं।

एंटी रेबीज टीकाकरण के साथ लोगों को निशुल्क पौधे भी वितरित किए जाएंगे। निशुल्क एन्टीरेबीज टीकाकरण एवं पौध वितरण शंकर नगर स्थित अशोका टॉवर के एक पेट क्लिनिक में किया जाएगा। नेचर एंड हेल्थ वेलफेयर सोसायटी की मदद से यहां फलदार पौधों का वितरण होगा। सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक टीकाकरण और पौध वितरण किया जाएगा।

रेबीज के अलावा कुत्ते-बिल्लियों में होने वाली मुख्य बीमारी पार्वो और डिस्टेंपर के विषय में भी चिकित्सकों ने चर्चा की। उन्होंने कहा कि डिस्टेंपर और पार्वो के वैक्सीन अत्यधित महंगे होते हैं। इन्हें नियमित अंतराल में लगवाना होना अनिवार्य होता है। इन्हें निशुल्क करना फिलहाल संभव नहीं है। शासन स्तर पर भी इस दिशा में फिलहाल कोई प्रयास नहीं हो रहे हैं। लेकिन जिन्होंने कुत्ते या बिल्ली पाले हैं, उन्हें डिस्टेंपर और पार्वो वैक्सीन अपने पालतू को जरूर लगवाने चाहिए। ये जीवन रक्षक साबित होते हैं।

खबर संक्षेप

सिविल लाइंस में ई-मालखाना

रायपुर। कमिश्नरेट रायपुर में ई-मालखाना प्रणाली की शुरुआत मध्य जोन के थाना कोतवाली से ही की गई थी। इसी क्रम में बुधवार को सिविल लाइंस थाना में ई-मालखाना का शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित कांबले द्वारा किया गया। सिविल लाइन में ई-मालखाना प्रारंभ होने के साथ ही मध्य जोन के सभी 7 थानों- कोतवाली, मौदहापारा, गोलबाजार, देवेंद्र नगर, गंज, तेलीबांधा एवं सिविल लाइन में ई-मालखाना प्रणाली प्रारंभ हो गई है। इस अवसर पर डीसीपी मध्य जोन तारकेश्वर पटेल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विवेक शुक्ला, एसीपी रमाकांत साहू, थाना प्रभारी सिविल लाइन यामन देवांगन सहित थाना स्टाफ उपस्थित था।

शराब पीने पैसा नहीं देने पर मारपीट, आरोपी जेल दाखिल

रायपुर। शराब पीने के लिए पैसा नहीं देने पर मारपीट करने वाले एक नाबालिक सहित तीन बदमाशों को सिलतरा पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल किया। सजीत कुमार की शिकायत पर पुलिस ने शीतल कुर्रे उर्फ बबलू, कमलेश बंजारे तथा एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। तीनों ने एक अगस्त को सांकरा के पास सजीत का रास्ता रोक कर शराब पीने पैसों की मांग की। पैसा देने से इनकार करने पर उसके साथ मारपीट कर मौके से फरार हो गए थे।

गुंडा बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट के सेंट्रल जोन में डीसीपी तारकेश्वर पटेल के निर्देश पर मंगलवार को विशेष अभियान चलाकर असामाजिक तत्वों एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के खिलाफ अभियान चलाकर जांच की गई। अभियान के तहत संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की गई।

कंपनी से वसूल की जाएगी 22 लाख रुपए से अधिक राशि

हथकरघा गोदाम में लाखों की गड़बड़ी, जांच के बाद तत्कालीन गोदाम प्रभारी निलंबित, तकनीकी कर्मचारी बर्खास्त

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

हथकरघा संघ के रायपुर गोदाम में लाखों रुपए की गड़बड़ी की खबर हरिभूमि ने प्रकाशित की थी, जिसमें हैदराबाद की मारुति कोटेक्स कंपनी ने संघ को आर्डर दिए गए कपड़ों की जगह वेस्टेज कपड़े भेजे थे। इस मामले में संघ ने जब समिति बनाकर इसकी जांच कराई तो खबर सही निकली। कंपनी ने संघ को कुल 22 लाख 42 हजार 616 रुपए कीमत के वेस्टेज कपड़े भेजे थे, जिसकी जानकारी होने के बावजूद तत्कालीन गोदाम प्रभारी एवं तकनीकी कर्मचारी ने विभाग को अवगत नहीं कराया था। जांच के बाद विभाग ने अब इस मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए तत्कालीन गोदाम प्रभारी को निलंबित कर दिया है, वहीं तकनीकी जांच कर्मचारी जिसकी रिपोर्ट सबसे अहम मानी जाती है, उसे बर्खास्त किया है। यही नहीं, इस मामले में वेस्टेज कपड़ों की डिलीवरी करने वाली मारुति कोटेक्स कंपनी से वेस्टेज कपड़ों के एवज में 2242616 रुपए की राशि वसूल की जाएगी। इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं।

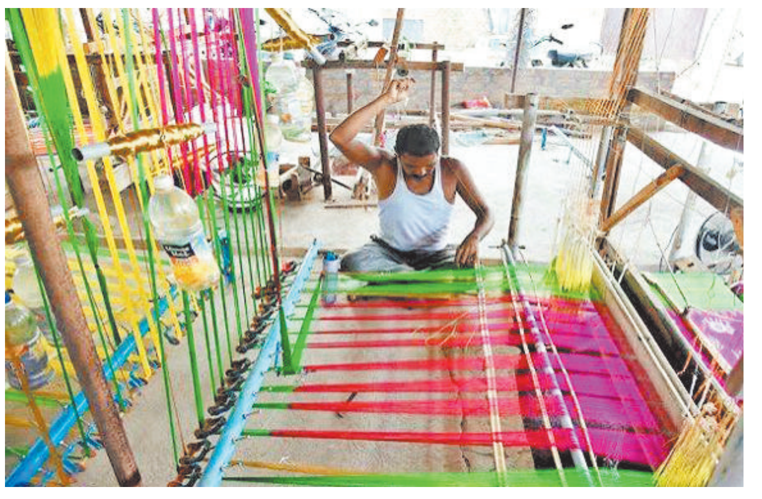

छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा संघ ने वर्ष 2025-26 में जेम पोर्टल के माध्यम से निविदा जारी कर हथकरघा ग्रे वस्त्रों के जॉब वर्क के आधार पर मारुति कोटेक्स कंपनी से डाईंग, प्रोसेसिंग एवं प्रिंटिंग का कार्य कराया था। इसके लिए संघ के रायपुर स्थित तत्कालीन गोदाम प्रभारी रामकिशुन देवांगन ने मारुति कोटेक्स हैदराबाद को कुल 65.06 लाख मीटर ग्रे वस्त्र भेजा था, जिसमें से उनके द्वारा 63.16 लाख मीटर फ्रेश वस्त्र और 1.90 लाख मीटर कटपीस, सेकंड क्लास, मिस प्रिंट तथा वेस्टेज कपड़े गोदाम को भेजा गया। संघ के अधिकारियों के अनुसार रामकिशुन ने उन्हें जानकारी दी थी कि मारूति कोटेक्स ने 60236.00 मीटर कटपीस, सेकंड क्लास, मिस प्रिंट एवं वेस्टेज भेजा है, वह संघ के वस्त्र नही है। इस जानकारी के आधार पर इस मामले की जांच के लिए विभाग की जांच समिति गठित की गई।

विभाग के अधिकारी एमएम जोशी ने बताया कि जांच समिति ने जब इस मामले में भौतिक परीक्षण एवं नमूना की जांच किया तो पता चला कि मारुति कोटेक्स ने अलग-अलग तारीख में भेजे गए वस्त्रों में वेस्टेज कपड़े मिले है। इसमें 545, 577, 583, 588 एवं देयक 489 के माध्यम से हथकरघा से भिन्न अन्य वेस्टेज वस्त्रों की कुल मात्रा 60336.00 मीटर है। उन्होंने बताया कि तत्कालीन गोदाम प्रभारी रामकिशुन ने वेस्टेज कपड़ों की सूचना समय पर नहीं दी, वहीं तकनीकी जांच कर्मचारी जिसने नमूना का परीक्षण रिपोर्ट तैयार की थी, उसकी रिपोर्ट में गलत जानकारी पाई गई।

संघ को कंपनी द्वारा भेजे गए वेस्टेज कपड़ा से बड़ा नुकसान हुआ है। अधिकारी के अनुसार संघ को कंपनी की ओर से भेजे गए वेस्टेज वस्त्रों के कारण कुल 2242616 रुपए की हानि हुई है। ग्रे वस्त्र का मूल्य प्रति मीटर 88.61 रुपए है। इस हानि के लिए संघ अब कंपनी से रिकवरी करेगी। इसके लिए कंपनी को नोटिस भी भेजा गया है।

कार्रवाई की है

प्रबंध संचालक राजेश सिंह राणा के निर्देश पर हथकरघा संघ ने वेस्टेज कपड़ा भेजने के मामले में कार्रवाई की है। जांच रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन गोदाम प्रभारी को निलंबित एवं तकनीकी कर्मचारी को बर्खास्त किया है। कंपनी को नुकसान की राशि रिकवरी करने नोटिस भेजा है। कंपनी अगर नुकसान की राशि का भुगतान नहीं करेगी, तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

- एमएम जोशी, सचिव, हथकरघा संघ

टिकट खरीदने देश में रेलवन ऐप बना यात्रियों की पहली पसंद

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

भारतीय रेलवे की डिजिटल सेवाओं को यात्रियों के बीच लगातार बढ़ावा मिल रहा है। टिकट बुकिंग को लेकर रेलवन ऐप यात्रियों की पहली पसंद बन गया है। यही वजह है कि अभी तक 4.76 करोड़ डाउनलोड का आंकड़ा पार कर लिया है। वहीं, इस ऐप के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 10 लाख टिकट बुक किए जा रहे हैं। दक्षिण पूर्ण मध्य रेलवे में भी इस ऐप का उपयोग बढ़ गया है। रोजाना 50 हजार से अधिक खरीद रहे हैं। बता दें कि ऐप पर आरक्षित, अनारक्षित और प्लेटफॉर्म टिकट बुकिंग के साथ ट्रेन की जानकारी, पीएनआर पूछताछ और रेलमदद जैसी सेवाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। रेलवन ऐप को 1 जुलाई 2025 को डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। इसमें सिंगल साइन-ऑन सुविधा दी गई है, जिससे यात्रियों को अलग-अलग रेलवे सेवाओं के लिए कई ऐप डाउनलोड करने और अलग-अलग पासवर्ड याद रखने की जरूरत नहीं रहती।

रेलवन एप में अधिक उपयोग अनारक्षित टिकट खरीदने वाले कर रहे हैं, जो लोकल ट्रेन व एक्सप्रेस के जरनल कोच में सफर करते हैं। 2 अगस्त 2026 तक रेलवन के माध्यम से रोजाना औसतन 10 लाख टिकट बुक किए जा रहे हैं। इनमें करीब 2.79 लाख आरक्षित और 7.24 लाख अनारक्षित टिकट शामिल हैं। ऐप के कुल डाउनलोड की संख्या 4.76 करोड़ पहुंच चुकी है। रेलवे की राष्ट्रीय रेल पूछताछ प्रणाली भी यात्रियों को ट्रेन की लगभग वास्तविक समय की जानकारी उपलब्ध करा रही है। रेलवे के अनुसार एनटीईएस प्रतिदिन 6 करोड़ से अधिक पूछताछ संभाल रहा है और करीब 80 हजार समवर्ती उपयोगकर्ताओं को सेवा दे रहा है। इससे यात्रियों को पूछताछ काउंटर पर जाने की जरूरत कम हुई है और कतार व प्रतीक्षा समय में भी कमी आई है।

एनटीईएस मोबाइल ऐप के डाउनलोड भी तेजी से बढ़े हैं। 1 अगस्त 2026 तक एंड्रॉयड पर 4.5 करोड़ से अधिक और आईओएस पर 16 लाख से अधिक डाउनलोड दर्ज किए गए हैं। रेलवे के अनुसार वर्तमान में करीब 89 प्रतिशत आरक्षित टिकट ऑनलाइन बुक किए जा रहे हैं। वर्ष 2013-14 में यह आंकड़ा करीब 49 प्रतिशत था। वहीं, काउंटर के अलावा अन्य माध्यमों से बुक किए जाने वाले अनारक्षित टिकटों की हिस्सेदारी बढ़कर करीब 39 प्रतिशत हो गई है।

ईडी-सीबीआई का दुरुपयोग, कांग्रेस ने दूसरे दिन विरोध में किया धरना प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

केन्द्र एवं राज्य की भाजपा सरकार द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों ईडी और सीबीआई के लगातार दुरुपयोग के विरोध में शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आज दूसरे दिन भी धरना प्रदर्शन किया गया। गुरुवार को दोपहर 12 से 2 बजे तक राजीव गांधी चौक के पास कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धरना देकर भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

यह विरोध प्रदर्शन शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में किया गया। कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि केन्द्र एवं राज्य की भाजपा सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों को डराने और दबाव में लेने के लिए ईडी, सीबीआई एवं ईओडब्ल्यू जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

भाजपा सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों की छवि खराब करने जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही

श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा, आए दिन ईडी, सीबीआई और ईओडब्ल्यू की कार्रवाई के माध्यम से विपक्षी नेताओं एवं राजनीतिक विरोधियों की छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। जांच एजेंसियों का इस्तेमाल निष्पक्ष जांच के बजाय राजनीतिक हथियार के रूप में किया जाना लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार की इस तानाशाही और दमनकारी नीति के कारण देश में भय एवं दहशत का माहौल बनाया जा रहा है।

प्रदर्शन मे श्रीकुमार शंकर मेनन, प्रमोद दुबे, कुलदीप जुनेजा, सुशील सन्नी अग्रवाल, शिव सिंह ठाकुर, सुबोध हरितवाल, कन्हैया अग्रवाल, सुशांत डे, जसवीर ढिल्लन, दिनेश ठाकुर, धनंजय सिंह ठाकुर, शिव श्याम शुक्ला, प्रशांत ठेंगडी,विनोद तिवारी, मो.असलम, जयवर्धन विस्सा, प्रवीण चंद्राकर, दीपक चौबे, राज देवांगन, ओम श्रीवास, सुजीत सिंह, मिलिंद गौतम, गौरीशंकर पांडे, कमल धृतलहरे ,सुरेश जैन, देव कुमार साहू, किशन बाजारी, सुरेश धीवर, सौरभ तिवारी, सत्तू सिंह, नंदू सिंन्हा, सतीश साहू, नरेश गढेपाल, नवीन चंद्राकर, बाकर अब्बास, पवन प्रधान, मुन्ना मिश्रा, प्रीति सोनी, ईश्वर चक्रधारी, महेंद्र सेन, वेंकट कुमार, जीवन सागर, रोहित साहू, हेमु डेकाडे, राजू दुबे, सुरेश बुधवानी, सागर टांडी, मकरंद टांडी, सुरेंद्र चौधरी, शहनाज बेगम, प्रतीक तिवारी, पूनम पांडे, अपराजित तिवारी, अर्जुन सिंह, अभिषेक शर्मा उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट ने बदला हाईकोर्ट का फैसला, मेडिकल कॉर्पोरेशन पर लगा जुर्माना रद्द

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन की कार्य शैली और नियम आधारित टेंडर प्रक्रिया पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी मुहर लगा दी है। अदालत ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया है, जिसमें सीजीएमएससी पर एक लाख का जुर्माना (हर्जाना) लगाया गया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद प्रशासन ने कहा, यह स्पष्ट हो गया है कि कंपनी की टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह साफ-सुथरी और नियमों के हिसाब से थी। निगम ने कहा है कि वह आगे भी राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पूरी ईमानदारी के साथ काम करता रहेगा। इसके पूर्व एक निजी फर्म की याचिका पर सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पहले सीजीएमएससी की टेंडर प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण माना था और कॉर्पोरेशन पर हर्जाना लगाया था। टेंडर से जुड़े एक मामले में एक ठेकेदार ने हाईकोर्ट में शिकायत की थी, जिसके बाद हाईकोर्ट ने सीजीएमएससी पर 1 लाख का जुर्माना लगा दिया था।

इसके खिलाफ सीजीएमएससी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सुनवाई में पाया कि निगम की तरफ से कोई गलती नहीं हुई थी। अदालत ने माना कि ठेकेदार ने फॉर्म में जो अपनी ऑफिशियल ईमेल आईडी दी थी, उसी पर समय रहते सारी जरूरी जानकारियां और मैसेज भेजे गए थे। ठेकेदार ने तय समय में जवाब नहीं दिया, इसलिए नियमों के तहत ही उसे टेंडर से बाहर किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, पूरे मामले में सीजीएमएससी का काम बिल्कुल सही था और उस पर लगा एक लाख का जुर्माना गलत है।

बैठक में धमकी! कहा-आपकी फीस बढ़ा दें या हॉस्टल बजट हटा दें? गुस्साए डॉक्टर्स का पैदल मार्च

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

गुरुवार को स्टाइपेंड में वृद्धि की मांग कर रहे एमबीबीएस इंटर्न ने पैदल मार्च निकाला। इसके पहले आईएमए प्रतिनिधियों और विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के इंटर्न्स के साथ एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य इंटर्न्स की समस्याओं पर चर्चा कर उनका समाधान निकालना था, लेकिन यह पूरी तरह से असफल रही। आयुक्त चिकित्सा शिक्षा रितेश अग्रवाल की अध्यक्षता में यह बैठक हुई थी। इंटर्न डॉक्टर्स का आरोप है कि बैठक में उनकी मांगों पर समाधान की चर्चा करने के बजाय उन्हें फीस और कॉलेज के बजट को लेकर दबाव एवं धमकी जैसी स्थिति का सामना करना पड़ा।

प्रतिनिधियों के अनुसार, बैठक में यह सवाल किया गया कि "आपकी फीस कई समय से नहीं बढ़ाई गई है, क्या उसे बढ़ा दिया जाए?" तथा यह भी कहा गया कि "क्या मैं कॉलेजों का हॉस्टल बजट हटा दूं आपके स्टाइपेंड के लिए? क्या आप लोग यही चाहते हैं कि दूसरे राज्य से स्टूडेंट्स यहां पढ़ने के लिए नहीं आए? इंटर्न डॉक्टरों का कहना है कि इस तरह की बातें उनकी वास्तविक मांग को समझने और समाधान करने के बजाय उन्हें दबाव में लेने जैसी प्रतीत हुईं। पैदल मार्च मेकाहारा अस्पताल से मुख्यमंत्री निवास तक निकाला गया, जो पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहा। गौरतलब है कि वर्तमान में एमबीबीएस इंटर्न को 15,900 रुपए प्रतिमाह दिए जा रहे हैं। वे इसमें वृद्धि कर 30 हजार करने की मांग कर रहे हैं।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, बस्तर मण्डल, जगदलपुर

।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना ।।
https://eproc.cgstate.gov.in
निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-
निविदा डाऊनलोड करने की अंतिम तिथि : 31/08/2026

स.क्र.	नि.आ.सू.क्रं. नि.आ.सू. दिनांक	सिस्टम निविदा क्रमांक निविदा का क्रम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रूपए लाख में
01	105/2026-27 दिनांक 10/08/2026	197228 (प्रथम आमंत्रण)	दन्तेवाड़ा नदी पर स्थित डंकिनी नदी पुराने पुल के अबाट का निर्माण कार्य की निविदा।	67.77
02	106/2026-27 दिनांक 10/08/2026	197230 (प्रथम आमंत्रण)	दन्तेवाडा डंकिनी नदी के पुराने पुल पर तटबंध की सुरक्षा के लिए रिटेनिंग वॉल का निर्माण कार्य।	65.35
03	107/2026-27 दिनांक 10/08/2026	197231 (प्रथम आमंत्रण)	जिला चिकित्सालय दन्तेवाड़ा में मरम्मत एवं रखरखाव के जोनल कार्य।	42.37

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के सबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते हैं।

अधीक्षण अभिंयता
लोक निर्माण विभाग
बस्तर मंडल जगदलपुर

जी-262702742/2

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ बिलासपुर

वि.क्र. 012/स्था./प्रशा./2026 दिनांक 11/08/2026

//विज्ञापन//

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ बिलासपुर के विज्ञान, जीव विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, शिक्षा एवं शारीरिक शिक्षा तथा वाणिज्य एवं प्रबंधन अध्ययन शालाओं में प्राध्यापक एवं सह प्राध्यापक के रिक्त पदों के विरुद्ध योग्य एवं अर्हताधारी आवेदकों से अतिथि व्याख्याता हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रारुप में दिनांक 31.08.2026 के सायं 05:00 बजे तक पंजीकृत डाक अथवा वाहक के हस्ते आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाईट www.pssou.ac.in से प्राप्त की जा सकती है।

संवाद-48739 कुलसचिव

कार्यालय आयुक्त चिकित्सा शिक्षा स्वास्थ्य भवन, द्वितीय तल, नार्थ ब्लॉक सेक्टर- 19, नवा रायपुर, अटल नगर, छत्तीसगढ़

क्रमांक/ESTB/27996/2026-DME
दिनांक 13-08-2026

// नवीन शासकीय फिजियोथेरेपी महाविद्यालयों में विभिन्न तृतीय श्रेणी के विभिन्न पदों पर संविदा भर्ती हेतु संक्षिप्त सूचना //

छत्तीसगढ़ शासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर के आदेश क्रमांक ESTB-148/78/2025/55-MED नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 05/03/2026 के अनुक्रम में शासकीय नवीन फिजियोथेरेपी महाविद्यालयों (जगदलपुर, जशपुर, मनेन्द्रगढ़, बिलासपुर, दुर्ग एवं रायगढ़) हेतु सृजित विभिन्न पदों में से तृतीय श्रेणी के विज्ञापित पदों को छ.ग. सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम, 2012 के प्रावधानों एवं विभागीय भर्ती नियम अंतर्गत निर्धारित योग्यता मापदण्डों एवं विहित शर्तों अनुसार भरे जाने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के योग्य एवं इच्छुक मूल निवासी उम्मीदवारों से निर्धारित समय सारणी अनुसार ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किए गयें है -

1. ऑनलाईन आवेदन करने की प्रारंभ तिथि : 17/08/2026
2. ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि : 23/08/2026

भर्ती से संबंधित विस्तृत समय सारिणी, आवेदन की प्रक्रिया, श्रेणीवार रिक्त पद, अर्हता, निरहर्तायें, आयु सीमा तथा विज्ञापन के नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी यू.आर.एल. विभागीय वेबसाईट www.cgdme.in पर देखी जा सकती है। ऑनलाईन आवेदन करने हेतु लिंक https://monitoringcell.cgdme.in/ PhysioStaff है। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।

आयुक्त
चिकित्सा शिक्षा छत्तीसगढ़

जी-262702769/2

कार्यालय अधिष्ठाता स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति शास. चिकित्सा महाविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.)

(दूरभाष क्रं. 07762-220742
वेबसाईट www.gmeraigarh.edu.in
ई-मेल gmcraigarh.2013@gmail.com)
क्रमांक / शा.चि.म./स्था./2026/11535
रायगढ़, दिनांक 13/8/26

// विज्ञापन-सूचना //

स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, रायगढ़ के द्वारा विभिन्न विभागों में चिकित्सा शिक्षक एवं रेसीडेंट चिकित्सों के रिक्त पदों पर संविदा भर्ती किये जाने हेतु विज्ञापन प्रकाशन तिथि उपरॉंत दिनॉंक 01.09.2026 से दिनॉंक 02.09.2026 तक ''वॉक-इन-इन्टरव्यू'' आयोजित किया जावेगा। महाविद्यालय की वेबसाईट www.gmcraigarh.edu.in पर चिकित्सा शिक्षक एवं रेसीडेंट चिकित्सकों की विभागवार रिक्तियों की जानकारी, संविदा वेतन तथा नियम एवं शर्तो की जानकारी उपलब्ध है।

अधिष्ठाता
स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय
रायगढ़ (छ.ग.)

जी-262702766/2

जनसम्पर्क संचालनालय छत्तीसगढ़, रायपुर

क्रमांक 93134/PUBR-530/ जसंसं / पुरस्कार/2026
नवा रायपुर, दिनांक 13.08.2026

चन्दूलाल चन्द्राकर और मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार 2026 के लिए प्रविष्टि/प्रस्ताव आमंत्रित (अंतिम तारीख 08 सितम्बर 2026)

छत्तीसगढ़ शासन, जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रख्यात पत्रकार स्वर्गीय श्री चन्दूलाल चन्द्राकर और स्वर्गीय मधुकर खेर की स्मृति को चिरस्थायी रखने के प्रयोजन से पत्रकारिता के माध्यम से राज्य की संस्कृति, समृद्धि और विकास के संबंध में रचनात्मक लेखन के लिए पत्रकारों को प्रोत्साहित करने और उत्कृष्ट रिपोर्टिंग के लिए उन्हें सम्मानित करने के लिए ''चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार'' और ''मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार'' की स्थापना की गयी है। ये पुरस्कार क्रमश: दो-दो पत्रकारों को दिए जाएंगे। इनमें से दो प्रिंट मीडिया से और दो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से होंगे। पुरस्कार के लिए वर्ष 2026 हेतु प्रविष्टियां आमंत्रित हैं।

चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार इस पुरस्कार के अंतर्गत दो चयनित पत्रकारों को रूपए 50 हजार 50 हजार रूपए (रूपए पचास-पचास हजार) की सम्मान राशि दी जाएगी। इनमें से एक पुरस्कार प्रिंट मीडिया के लिए तथा दूसरा पुरस्कार इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए होगा। पुरस्कार हिंदी/छत्तीसगढ़ी में प्रिंट मीडिया में प्रकाशित राष्ट्रीय/प्रादेशिक स्तर की उत्कृष्ट रिपोर्टिंग अथवा आलेख एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से प्रसारित राष्ट्रीय / राज्य स्तर के हिंदी / छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम, जो छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित हों, के लिए होंगे।

मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार इस पुरस्कार के अंतर्गत दो चयनित पत्रकारों को 50 हजार 50 हजार रूपए (रूपए पचास-पचास हजार) की सम्मान राशि दी जाएगी। इनमें से एक पुरस्कार प्रिंट मीडिया के लिए और दूसरा पुरस्कार इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए होगा। पुरस्कार अंग्रेजी भाषा में प्रिंट मीडिया में प्रकाशित राष्ट्रीय / प्रादेशिक स्तर की उत्कृष्ट रिपोर्टिंग अथवा आलेख एवं अंग्रेजी भाषा में ही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से प्रसारित राष्ट्रीय / राज्य स्तर के अंग्रेजी कार्यक्रम, जो छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित हों, के लिए होंगे।

पुरस्कार के लिए व्यक्ति स्वयं प्रविष्टि दे सकेगा अथवा किसी उपयुक्त व्यक्ति के लिए किसी भी पंजीकृत समाचार पत्र-पत्रिका या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया या संपादकीय प्रमुख अथवा छत्तीसगढ़/भारत का कोई भी अधिमान्यता प्राप्त पत्रकार प्रस्तावक हो सकेगा।

प्रविष्टियां / प्रस्ताव पुरस्कार वर्ष के सितंबर माह के पूर्व वर्ष के 31 अगस्त से एक वर्ष के बीच किए गए रचनात्मक लेखन अथवा रिपोर्टिंग से संबंधित होने चाहिए। पुरस्कार हेतु विचारार्थ प्रविष्टि / प्रस्ताव किसी एक प्रकाशित / प्रसारित सामग्री की सत्यापित कतरन / सीडी/डीवीडी के रूप में छह प्रतियों में आवेदन के साथ संलग्न करना होगा। आवेदक अथवा प्रस्तावक द्वारा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा कि पुरस्कार के लिए बताए गए तथ्य वास्तविक हैं।

पुरस्कार के लिए प्रविष्टि/प्रस्ताव 08 सितम्बर 2026 तक संचालक, जनसम्पर्क संचालनालय, भूतल, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) 492002 के पते पर निर्धारित प्रारूप में सीलबंद लिफाफे में पंजीकृत डाक द्वारा भेजे जा सकते हैं। प्रविष्टि से संबंधित सीलबंद लिफाफे के ऊपर 'चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार 2026' अथवा 'मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार 2026' स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए। निर्धारित समय-सीमा के बाद प्राप्त प्रविष्टियों / प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा। डाक संबंधी विलंब के लिए जनसम्पर्क संचालनालय उत्तरदायी नहीं होगा। इन पुरस्कारों से संबंधित नियम और आवेदन प्रारूप जनसम्पर्क विभाग की वेबसाइट www.dprcg.gov.in से डाउनलोड किये जा सकेंगे।

आयुक्त
जनसम्पर्क संचालनालय
छत्तीसगढ़ रायपुर

जी-262702768/3

जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रही महिला कैदी सहित नौ बंदी अब खुली हवा में सांस लेंगे

रायपुर। हत्या के केस में रायपुर सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 21 बंदी अपनी अच्छे चाल चलन के कारण अब खुली हवा में सांस ले सकेंगे। गुरुवार को एक महिला बंदी सहित नौ बंदियों को रिहा किया गया। शुक्रवार को और 12 बंदियों की रिहाई होगी। रिहा होने वाले बंदी अपने पाप का पश्चाताप कर नेकी के रास्ते पर चलें, इसके लिए उन्हें गीता परिवार की ओर से गीता ग्रंथ भेट किया गया।

खास बातें

- गीता परिवार की ओर से रिहा होने वाले बंदियों को दिया गया गीता ग्रंथ
- आज और 12 बंदियों की होगी रिहाई, पूरे प्रदेश में 102 बंदियों को रिहा किया जाएगा

जेल से रिहा होने वाले कुछ बंदियों को उनके परिवार के लोग लेने आए, वहीं कुछ अकेले अपना सफर तय कर आगे निकल गए। बंदियों से बात करने की कोशिश करने पर वे बात करने से बचते नजर आए। वहीं, कुछ लोगों के चेहरों पर अपने कृत्य को लेकर पछतावा का भाव दिखा। जेल सुपरिंटेंडेट योगेश क्षत्री के अनुसार शुक्रवार को 12 और बंदियों की रिहाई की जाएगी। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने में देर होने की वजह से नौ बंदियों की रिहाई संभव हो पाई। जेल सुपरिंटेंडेंट के अनुसार कैदियों को जेल में उनके काम और आचरण के आधार पर माफी यानी सजा में छूट मिलती है। किसी एक अधिकारी के निर्णय से यह प्रक्रिया नहीं होती। कैदी जिस जगह काम करता है, वहां से उसके आचरण की शुरुआती जानकारी मिलती है। इसके बाद अलग-अलग स्तर के अधिकारियों से भी फीडबैक लिया जाता है। पूरी प्रक्रिया के बाद जेलाध्यक्ष की अंतिम स्वीकृति होती है। अगर कोई बंदी जेल में दिया गया काम ठीक से करता है, जेल के नियमों का पालन करता है और अनुशासनहीनता नहीं करता, तो उसके आचरण को अच्छा माना जाता है। अच्छे चाल चलन के कारण प्रदेश के पांच केंद्रीय जेल से 102 बंदियों की रिहाई स्वतंत्रता दिवस पर होने जा रही है।

जेल आने पर बनती है हिस्ट्रीशीट

कोर्ट किसी आरोपी को सजा सुनाती है, इसके बाद उस कैदी की हिस्ट्रीशीट तैयार की जाती है। सजा होने के बाद उसे कन्विक्ट बंदी के रूप में जेल की दंडित शाखा में दर्ज किया जाता है। उसका हिस्ट्री टिकट तैयार किया जाता है, जिसमें उसकी सजा और केस से जुड़ी पूरी जानकारी दर्ज होती है। उससे अपील के बारे में भी जानकारी ली जाती है। अगर उसने अपील नहीं की है, तो जरूरत पड़ने पर विधिक सहायता के जरिए अपील कराई जाती है। इसके बाद उसका स्वास्थ्य परीक्षण होता है और उसकी रुचि के अनुसार उसे जेल में काम दिया जाता है। काम शुरू करने से पहले बंदी को यह भी बताया जाता है कि अच्छा काम और अच्छा आचरण रखने पर उसे हर महीने तय नियमों के अनुसार सजा में माफी मिल सकती है।

हर महीने मिलती है तय माफी

जेल सुपरिंटेंडेंट के अनुसार अच्छे आचरण और काम के आधार पर बंदियों को हर महीने माफी मिलती है। इसमें सामान्य तौर पर 3 दिन और 3 दिन यानी कुल 6 दिन की माफी का प्रावधान है। यह माफी धीरे-धीरे उसकी कुल सजा में कमी के रूप में जुड़ती जाती है। इसी प्रक्रिया के तहत पात्र बंदियों की शेष सजा में छूट देकर उन्हें समय से पहले रिहा किया जाता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

हंगामा और बवाल,...

(विनियमन) संशोधन (एफसीआरए) विधेयक, 2026 को विस्तृत समीक्षा और संभावित सुझावों के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया। लोकसभा में इस सत्र के दौरान केवल 28 और 29 जुलाई को सामान्य माहौल देखने को मिला जब लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' पर लगभग दस घंटे तक चर्चा हुई। सत्र के आखिरी दिन सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे आरंभ होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आसन पर बैठते ही सदस्यों से राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के सम्मान में खड़े होने के लिए कहा। हालांकि, सामान्यतः सत्र समाप्ति के मौके पर वंदे मातरम् से पहले वह अपने पारंपरिक संबोधन में उस सत्र की कार्य उत्पादकता, उसमें पारित विधेयकों, पूछे गए प्रश्नों आदि का उल्लेख करते हैं। वंदे मातरम् के सभी छह अंतरों के गायन की रिकार्डिंग के बाद उन्होंने सदन की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा की। संसद का वर्तमान मानसून सत्र 20 जुलाई को आरंभ हुआ था।

सदन ने नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ छात्रों के प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में 29 जुलाई को परीक्षा में सुधार से संबंधित 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' को मंजूरी दी। लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024 में सख्त प्रावधान शामिल करने के लिए लाए गए इस संशोधन विधेयक पर चर्चा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कुछ टिप्पणियों को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। सदन ने राष्ट्रगान 'जन गण मन' के साथ ही उसी सम्मान के साथ राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के गायन को अनिवार्य बनाने वाले 'राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026' को भी द्रमुक समेत विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के बीच संक्षिप्त चर्चा के बाद ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान कर दी। सदन में इनके अलावा अन्य कुछ विधेयक विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच चर्चा के बिना पारित किए गए। सत्र के दौरान लोकसभा में एक भी दिन प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं चल सके।

उच्च सदन में 12 विधायक पारित-

सत्र के दौरान उच्च सदन में 12 विधेयकों पर विचार किया और उन्हें पारित या वापस किया गया। सत्र के दौरान 285 तारांकित प्रश्न, शून्यकाल के तहत 380 विषय और विशेष उल्लेख के जरिये 380 मुद्दे उठाने का अवसर था, लेकिन इनमें से केवल 16 प्रश्न, शून्यकाल के तहत 52 विषय और 93 विशेष उल्लेख ही सदन में लिए जा सके। सभापति ने दोपहर बारह बजकर पांच मिनट पर उच्च सदन की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

संसद के बाहर सत्तापक्ष-विपक्ष आमने-सामने-

राजग और विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के सदस्य गुरुवार को संसद के 'मकर द्वार' के निकट प्रदर्शन करते हुए आमने-सामने आ गए और उन्होंने पुरजोर नारेबाजी की। सत्तापक्ष ने जहां झारखंड में नौकरी के अभ्यर्थियों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर वहीं, विपक्ष ने अयोध्या में राम मंदिर में चंदे की कथित चोरी के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया तथा एक-दूसरे के खिलाफ नारे लगाए। राजग सांसदों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जवाब देने की मांग की। वहीं, 'इंडिया' गठबंधन के सांसदों ने पेपर लीक के खिलाफ 20 जुलाई को दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान कथित पुलिस ज्यादती को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जवाबदेही की मांग की।

सोने की छड़,...

नागपुर तक ट्रेन में सघन जांच एवं निगरानी अभियान चलाया गया। जांच के दौरान भंडारा एवं नागपुर के बीच बी-12 कोच में दो संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित कर उनकी तलाशी ली गई, जिसमें उनके कब्जे से लगभग 1.242 किलोग्राम विदेशी सोना बरामद हुआ। बरामद सोने में 7 बिस्किट एवं 1 सोने की छड़ शामिल थी, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1.96 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस कार्रवाई में रेलवे सुरक्षा बल क्राइम ब्रांच नागपुर एवं रायपुर की टीम की सतर्कता, त्वरित सूचना-साझाकरण एवं प्रभावी समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा रेल परिसरों एवं ट्रेनों के माध्यम से अवैध एवं प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार सतर्कता एवं जांच अभियान चलाए जा रहे हैं।

ग्रीन स्टील पर...

बने रहेंगे। अब समय इस मजबूत नींव पर औद्योगिक विकास की नई इमारत खड़ी करने का है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य केवल स्टील उत्पादन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि छत्तीसगढ़ में उत्पादित स्टील का अधिकतम मूल्य संवर्धन भी प्रदेश के भीतर ही होना चाहिए। उन्होंने कहा, ग्रीन स्टील और डाउनस्ट्रीम मैन्युफैक्चरिंग के माध्यम से छत्तीसगढ़ अब अपनी खनिज संपदा को प्रदेश के भीतर ही अधिक मूल्य, अधिक निवेश और अधिक रोजगार में बदलने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

डाउनस्ट्रीम एवं स्पेशियलिटी उत्पादों के निर्माण पर जोर-

उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ का स्टील प्राथमिक रूप में प्रदेश से बाहर जाने के बजाय यहीं ऑटो कम्पोनेंट्स, इंजीनियरिंग उत्पाद, रेलवे, रक्षा और सौर ऊर्जा उपकरणों जैसे डाउनस्ट्रीम एवं स्पेशियलिटी उत्पादों में परिवर्तित हो। जब मूल्य संवर्धन छत्तीसगढ़ में होगा, तो रोजगार भी छत्तीसगढ़ में ही सृजित होंगे। प्रदेश में 26 हजार मेगावाट से अधिक विद्युत उपलब्धता तथा प्रतिस्पर्धी औद्योगिक विद्युत दरें ऊर्जा-आधारित डाउनस्ट्रीम मैन्युफैक्चरिंग के लिए छत्तीसगढ़ को विशेष रूप से अनुकूल बनाती हैं।

फर्जी जाति प्रमाण...

सरकारी नौकरी हासिल करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों, संभागायुक्तों, कलेक्टरों और जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को पत्र जारी कर ऐसे सभी मामलों में अब तक की गई कार्रवाई की अद्यतन(अपडेटेड) जानकारी तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि जिन शासकीय सेवकों के जाति प्रमाण पत्र को उच्च स्तरीय जाति प्रमाण पत्र छानबीन समिति द्वारा फर्जी या गलत घोषित कर निरस्त किया जा चुका है, उनकी सेवाएं तत्काल समाप्त की जानी चाहिए।

सैकड़ों शिकायतें, 267 केस फर्जी प्रमाणित-

छत्तीसगढ़ में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी नौकरी पाने के कुल 267 मामले प्रमाणित पाए गए हैं। उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण एवं छानबीन समिति रायपुर की जांच रिपोर्ट के अनुसार, राज्य गठन से लेकर अब तक फर्जी जाति प्रमाण पत्र से जुड़ी कुल 758 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इनमें से 659 मामलों की जांच पूरी की गई, जिनमें से 267 अधिकारियों-कर्मचारियों के दस्तावेज पूरी तरह फर्जी पाए गए। प्रमाणित पाए गए 267 मामलों में से अधिकांश मामलों (लगभग 250 से अधिक) पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का स्थगन आदेश प्रभावी है, जिसके कारण उनकी बर्खास्तगी पर रोक लगी हुई है।

कोर्ट से स्थगन...

दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि एकतरफा अंतरिम आदेश की स्थिति से बचा जा सके। यदि किसी मामले में पहले से न्यायालय का स्थगन आदेश प्रभावी है, तो विभागों को विधि विभाग के साथ समन्वय कर उस स्थगन को समाप्त कराने के लिए तत्परता से कानूनी कार्रवाई करने को कहा गया है।

घर में घुसे बदमाशों...

पहचान 80 वर्षीय बलिराम साहू और उनकी 78 वर्षीय पत्नी कचरीबाई साहू के रूप में हुई है। सुबह परिजन घर पहुंचे तो कमरे के भीतर कचरीबाई का शव पड़ा था, जबकि बलिराम साहू की लाश घर के बाहर बाड़े में मिली। दोनों के सिर पर भारी पत्थर और नुकीले हथियार से वार किए जाने की प्रारंभिक जानकारी सामने आई है।

घटना की जानकारी मिलते ही परपोड़ी पुलिस के साथ बेमेतरा, बेरला और साजा थाना क्षेत्रों की पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं। वारदात की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम को भी बुलाया गया। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर साक्ष्य जुटाने शुरू किए और दोनों शवों का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए साजा अस्पताल भेजा।

फॉरेंसिक और साइबर टीम जांच में जुटी-

घटनास्थल पर एडिशनल एसपी हरीश यादव, बेरला एसडीओपी रुचि वर्मा, थाना प्रभारी अजय सोनकर समेत साइबर सेल की टीम मौजूद रही। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। आरोपियों के आने-जाने के रास्ते और वारदात के समय क्षेत्र में मौजूद संदिग्ध लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। एसडीओपी रुचि वर्मा ने बताया कि दोहरे हत्याकांड की जांच हर एंगल से की जा रही है। फॉरेंसिक, डॉग स्क्वायड और साइबर टीम की मदद ली जा रही है। पुलिस का प्रयास है कि जल्द आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए। वारदात के बाद बुडेरा गांव में मातम के साथ दहशत का माहौल है।

छत्तीसगढ़ पुलिस का...

(सेनानी, 20 वीं वाहिनी छसबल, महासमुंद), तारकेश्वर पटेल (अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त(मध्य(, रायपुर नगरीय), उनैजा खातून अंसारी (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,विशेष शाखा पीएचक्यू), जयलाल मरकाम (सहायक सेनानी,प्रथम वाहिनी छसबल, भिलाई), हजारी लाल साहू (प्लाटून कमांडर, 20वीं वाहिनी छसबल, महासमुंद) के नाम शामिल हैं।

अब हर पायलट...

अनिवार्य जांच का आदेश दिया है, जिनकी मौजूदा नियमों के तहत अनुमति नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, यह फैसला 4 अगस्त की फुकेत-दिल्ली फ्लाइट उड़ाने वाले कैप्टन की दोबारा हुई ड्रग टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद लिया गया है। इस फ्लाइट में अचानक 300 फीट की ऊंचाई कम हो गई थी. इस घटना में कम से कम 20 यात्री और चार केबिन क्रू सदस्य प्रभावित हुए थे।

कई जगहों पर होगी जांच-

यह जांच कई जगहों पर की जाएगी और पायलटों की मौजूदा ट्रेनिंग और फ्लाइट के बाद की प्रक्रिया के दौरान भी होगी। पत्र में कहा गया है, "यह गुरुग्राम अकादमी में ट्रेनिंग के दौरान, फ्लाइट के बाद हमारे फ्लाइट ब्रीफिंग सेंटर या एयर इंडिया के दफ्तरों में, या आपके संबंधित बेस द्वारा बताए गए स्थानों पर की जाएगी। जिन पायलटों को किसी तरह की जानकारी या स्पष्टीकरण चाहिए, उनसे अपने चीफ पायलट या बेस मैनेजर से संपर्क करने को कहा गया है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771-4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (HMS) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप छूट जाए तो पुनः लगा दें।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- INS एडवरटाइजिंग एजेन्सी में कार्य करने हेतु ग्रेजुएट युवक एवं टेलीकॉल के लिए एक युवती की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8871247917 07752 410821 (41632)

आवश्यकता है- घरेलू सभी काम करने के लिए महिला और किचन हेल्प के लिए लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मंगला चौक बिलासपुर 75838 08008 (41634)

आवश्यकता है-गोदरेज फर्नीचर शोरूम में फर्नीचर फिटिंग हेतु फिटर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी एवं फ्रेशर दोनों सम्पर्क करें- 12बजे से 5बजे तक श्रीश्याम होटल के बाजू में, एफसीआई चौक, व्यापार विहार बिलासपुर 9111882220 (41611)

आवश्यकता है- टेलीकॉलिंग, अनुभवी मार्केटिंग एवं अनुभवी सेल्स एग्जिक्युटिव की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार इंटरव्यू सुबह 11:30 से शाम 5.30, सम्पर्क करें- वरुण सुजुकी राजीव गांधी चौक, रायपुर रोड, बिलासपुर 9174734567 (41635)

आवश्यकता है- श्याम इंटरप्राइजेज में पैकिंग एवं ऑनलाइन पार्सल स्कैनिंग हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है, वेतन योग्यतानुसार (समय सुबह 10am से 7pm सम्पर्क करें- साइंस कॉलेज के पास, सरकंडा बिलासपुर 90747 41377 (41637)

आवश्यकता है- पति- पत्नी की जोड़े से आवश्यकता है (जिसमें पति को कार चलाना आता हो एवं पत्नी हॉस्टल वार्डन का कार्य कर सके) वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- दयालबंद, बिलासपुर 79745 33781 (41636)

आवश्यकता है- सर्वमंगला एजेन्सी में ITC उत्पादों की मार्केटिंग हेतु सेल्समैन एवं लेबर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार तत्काल सम्पर्क करें- महाराणा प्रताप चौक के पास बिलासपुर 9752394144, 98279 76705 (41626)

आवश्यकता है- अमेजन कोरियर कम्पनी में पार्सल बांटने हेतु डिलेवरी बॉय की आवश्यकता है आकर्षक वेतन एवं पेट्रोल भत्ता। पार्ट टाइम या फुल टाइम काम करें, अनिवार्य दस्तावेज आधार कार्ड, पैन कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस सहित सम्पर्क करें- 8319560558, 8318697213, 9827761516 (41627)

आवश्यकता है- कॉर्पोरेट ऑफिस में फील्ड कार्य हेतु पार्ट टाइम जॉब हेतु युवक, युवतियों चाहिए योग्यता 10वीं, 12वी पास सम्पर्क करें- 2-5pm तक हंसा विहार महिमा ट्रेड सेन्टर लिंक रोड बिलासपुर 9131422800 (41623)

आवश्यकता है- Cafe के किचन एवं Cafe में कार्य करने हेतु लड़कियों के अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन 7000 से 12000 प्रति माह तत्काल सम्पर्क करें- ट्विन प्लाजा अग्रसेन चौक बिलासपुर 9306187790 (41629)

आवश्यकता है-घर के काम के लिए फुल-डे हाउस हेल्प की आवश्यकता है। सफाई एवं घर के अन्य कार्य करने हैं। अनुभवी एवं भरोसेमंद महिला को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7692090000 (41615)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड गनमैन, फिल्ड ऑफिसर, सिक्युरिटी सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000 पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जेजे हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 9893041578, 8085233213, 72238 21623, 7440981254 (41602)

आवश्यकता है- टायर एण्ड सर्विस दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी एलाइनमेन्ट टेक्नीशियन, कार वाशिंग हेतु मेहनती लड़के चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गुरुकृपा टायर्स एण्ड सर्विसेज गाँधी चौक बिलासपुर 98271 68468 (41630)

आवश्यकता है- बच्चों, मरीजों, बुजुर्गों की देखभाल, आल राउण्डर कुक, चौकीदार, आया, हाउस कीपिंग, वेटर, कक्षा नर्सरी से 8वीं पढ़ाने हेतु शिक्षक चाहिए पार्ट/ फुल टाइम हेतु अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- 7024477656 (41619)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में डाटा स्पेक कम्प्यूटर में ऑर्डर कार्य हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है सम्पर्क करें- छत्तीसगढ़ साइंटिफिक वर्क्स नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार बिलासपुर 9329124924 (41618)

आवश्यकता है- प्रो सोलर एनर्जी कम्पनी में सोलर पैनल का प्रचार प्रसार हेतु लड़कों की आवश्यकता है सैलरी 10000+ पेट्रोल+ कमीशन, लोकेशन- ऑल छत्तीसगढ़, ऑफिस- बिलासपुर सम्पर्क करें- 9893674156, 9111908225 (41621)

आवश्यकता है- सिरगिट्टी फैक्ट्री में स्टॉक मेंटेन करने के लिए स्टाफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- भगत सिंह कॉम्प्लेक्स मेन रोड व्यापार विहार बिलासपुर 79995 30880 (41625)

आवश्यकता है- होलसेल कपड़ा दुकान हेतु सेल्समैन एवं दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- हीरा ट्रेडिंग कम्पनी श्रीराम क्लॉथ मार्केट अग्रसेन चौक बिलासपुर 9827112950, 8319617107 (41620)

आवश्यकता है-नर्सिंग होम में नाइट ड्यूटी में कार्य करने हेतु ट्रेण्ड नर्स एवं कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम रिंग रोड नं.-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 99819 70853 (41612)

आवश्यकता है-चिकन बिरयानी, साउथ इंडियन, चाइनीज और कॉन्टिनेंटल फूड आइटम बनाने के लिए अनुभवी शेफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8349360608, 78691 02531, 7869102530 (41616)

आवश्यकता है- रायपुर में मल्टीस्टोरी फ्लैट बिल्डिंग में टाइल्स कार्य हेतु ठेकेदार की आवश्यकता संपर्क- राकेश -9329116108 (821)

आवश्यकता है-डोर स्टेप लॉन्ड्री में रिसेप्शनिस्ट एवं अनुभवी ड्राई क्लीनर कारीगर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता, अनुभव के अनुसार। सम्पर्क करें- ड्रीम बिल्डर्स के बगल में, मन्दिर चौक, जरहाभाठा, बिलासपुर 97706 66677 (41614)

आवश्यकता है-इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में पैकिंग एवं बिलिंग कार्य के लिए कम्प्यूटर जानकर स्टाफ एव साफ, सफाई काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पूनम इलेक्ट्रॉनिक्स गांधी चौक बिलासपुर (41617)

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य. रू. 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 7225888800 (003)

आवश्यकता है- रायपुर चन्दखुरी पशु अस्पताल में 15-20 कर्मचारियों के लिए नाश्ता और दो टाईम खाना बनाना हेतु पुरुष कुक की आवश्यकता हैं। अच्छा वेतन, रहने खाने की सुविधा हैं। संपर्क- 72258-88800 (004)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सर्विसेज

सर्विसेज- निःशुल्क टेलरिंग (दर्जी) प्रशिक्षण एवं रोजगार का सुनहरा अवसर Puniform Taxmart द्वारा पुरुष एवं महिलाओं को निःशुल्क टेलरिंग (दर्जी) का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क पुरुष एवं महिला दोनों आवेदन कर सकते हैं, 15 दिन से 3माह के प्रशिक्षण के बाद हमारी कम्पनी में रोजगार का अवसर इच्छुक अभ्यर्थी प्रशिक्षण के साथसाथ अपने हुनर को रोजगार में बदल सकते हैं। प्रशिक्षण स्थल- Puniform Taxmart, R-3, Mahamaya Vihar, Warehouse Road, Bilaspur इच्छुक अभ्यर्थी तुरन्त सम्पर्क करें- 7000308270, 94063 51752 (41638)

हॉस्टल

हॉस्टल- पुराना विधानसभा रोड ग्राम सेमरिया -2 रायपुर से मात्र 1.2, किलोमीटर की दूरी पर स्थित छात्रावास सर्वसुविधायुक्त घर जैसा माहौल में जनरल/प्राइवेट कमरा विद्यार्थी हेतु उपलब्ध आसपास कोलंबिया इंस्टिट्यूट ,ज्ञानगंगा, गोयल स्कूल, आनेको शिक्षण संस्थान लगा हुआ, आने जाने हेतु ऑटो ,टैक्सी सुविधा उपलब्ध संपर्क सचिव अरुण साहू- 6261655394 (822)

बेचना है

बेचना है-2BHK फ्लैट तृतीय फ्लोर, 27 लाख लिफ्ट पार्किंग हेमू नगर, साई मंदिर के पास पाम अपार्टमेंट में डामर मेन रोड से 300मी. सम्पर्क- JBS Infr- homes construction हेमू नगर मुर्राभट्टा तोरवा 93000 00195 (41538)

बेचना है-2BHK फ्लैट चतुर्थ फ्लोर पर फालसिलिंग सहित 25 लाख में उसलापुर ओवरब्रिज से पहले शुभम विहार डामर मेन रोड से 200मी. बटरफ़्लाई अपार्टमेंट में सम्पर्क-JBS infrahomes construction हेमूनगर मुर्राभट्टा तोरवा 9300000195 (41539)

बेचना है- सकरी से 2nd बटालियन से अमसेना होते हुए हाई कोर्ट के बगल निकलती है उस रोड में बटालियन चौक में 185×300 फिट का प्लॉट अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 8878820110 (41631)

बेचना है- सिद्धशिखर अपार्टमेन्ट, गौरव पथ, मंगला चौक पर तृतीय तल पर 2BHK मकान अतिशीघ्र विक्रय करना है। सम्पर्क करें- 9039591990 (एजेन्ट कृपया क्षमा करें) (41633)

बेचना है-शांति नगर रिंग रोड नं-2 गौरव पथ बिलासपुर में स्थित लगभग 4200 वर्गफुट प्लॉट अति शीघ्र बेचना है। इच्छुक खरीददार सम्पर्क करें- 9329111632 (41609)

बेचना है- बिलासपुर घुरू नारायणी होम्स में डायवर्टेड प्लॉट 1200 वर्गफुट 14.40 लाख में एवं 2BHK मकान मात्र 30 लाख में बेचना है। सम्पर्क करें- 9329940681, 8461997770 (41624)

बेचना है-बिलासपुर नया हाईकोर्ट के पास काली ढाबा के सामने 5168 वर्गफुट प्लॉट एवं मोपका में कमर्शियल डायवर्सन किया हुआ 2500 वर्गफुट प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें 78988 55268 (ब्रोकर क्षमा करें) (41541)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला-मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

पीएसजी ने खिताब बरकरार रखा

यूईएफए सुपर कप : एस्टन विला को 2-1 से हराया

एजेंसी ▶▶| साल्ज़बर्ग

डेसिरे डोए के दूसरे हाफ में किए गए गोल की मदद से पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने बुधवार को एस्टन विला को 2-1 से हराकर लगातार दूसरे वर्ष यूईएफए सुपर कप जीता। चैंपियंस लीग और यूरोपा लीग के विजेताओं के बीच होने वाले इस मैच में डोए के ओस्मान डेम्बेले के पास पर 61वें मिनट में किए गए गोल को शुरू में ऑफसाइड करार दिया गया था, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद गोल को वैध घोषित कर दिया गया। पीएसजी की तरफ से ख्विचा क्वारात्स्खेलिया ने 20वें मिनट में पहला गोल किया था। विला की तरफ से ब्रायन मैडजो ने 45वें मिनट में बराबरी का गोल किया। पीएसजी रियल मैड्रिड (2016 और 2017) के बाद लगातार दो बार सुपर कप खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गई है।

खबर संक्षेप

सेमीफाइनल से बाहर हुए तन्वी और सूरज

कोलकाता। भारत की शीर्ष वरीय महिला खिलाड़ी तन्वी शर्मा और पुरुष खिलाड़ी सूरज कुमार चंद बृहस्पतिवार को यहां स्क्वाश चैलेंजर टूर के सेमीफाइनल में हारकर बाहर हो गए। तन्वी को मिस्र की तीसरी वरीय सोहायला हजेम ने 11-6, 2-11, 7-11, 7-11 से शिकस्त दी जबकि पुरुषों के चौथे वरीय सूरज को मिस्र के शीर्ष वरीय मोहम्मद गोहर ने 11-8, 11-2, 11-7 से मात दी। शुक्रवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में मिस्र की सोहायला महिला खिताब के लिए हमवतन दूसरी वरीय मेन्ना वालिद से भिड़ेंगी जबकि गोहर पुरुष खिताब के लिए तीसरे वरीय सेफ रेफे से मुकाबला करेंगे।

ईस्ट बंगाल ने अल-अरबी को 4-1 से हराया, मुख्य दौर में बनाई जगह

कोलकाता। कोलकाता के सॉल्ट लेक (विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन) स्टेडियम में खेले गए एएफसी चैंपियंस लीग टू के रोमांचक क्वालीफाइंग मुकाबले में ईस्ट बंगाल एफसी ने कुवैती क्लब अल-अरबी एससी को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट के मुख्य ग्रुप स्टेज में जगह बना ली है। 1-0 से पिछड़ने के बाद भारतीय क्लब ईस्ट बंगाल ने मैच के अंतिम क्षणों और अतिरिक्त समय में जबरदस्त वापसी करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। मैच के पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। हालांकि, 75वें मिनट में ईस्ट बंगाल के डिफेंडर संदीप मांडी की गलती से अल-अरबी को पेनाल्टी मिली, जिसे नाइजीरियाई फॉरवर्ड अनायो इवाला ने गोल में बदलकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। हार के मुहाने पर खड़ी ईस्ट बंगाल के लिए 90वें मिनट में जय गुप्ता संकटमोचक बने। मोहम्मद राशिद के फ्री-किक क्रॉस पर जय गुप्ता ने शानदार हेडर से गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया और मैच को एक्स्ट्रा टाइम में खींच दिया।

लेह में पहला 24 घंटे खुलने वाला आइस हॉकी रिंक शुरू

लेह। लद्दाख में शीतकालीन खेलों के बुनियादी ढांचे को बड़ा बढ़ावा देते हुए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बृहस्पतिवार को यहां एनडीएस स्टेडियम में केंद्र शासित प्रदेश के पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर के कृत्रिम आइस हॉकी रिंक का उद्घाटन किया और इसे लद्दाख के युवा खिलाड़ियों के भविष्य में बड़ा निवेश बताया। करीब 42 करोड़ रुपये की लागत से तैयार अत्याधुनिक रिंक में 24 घंटे की सुविधा उपलब्ध है जिससे आइस हॉकी खिलाड़ी प्राकृतिक मौसम की स्थिति की परवाह किए बिना पूरे साल अभ्यास कर सकेंगे।

जापान के नागोया में खेला जाएगा मुकाबला

एशियाई खेल 2026: शुरुआती मुकाबलों में नहीं होगी भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जापान के नागोया में होने वाले एशियाई खेल 2026 में भारतीय क्रिकेट टीम और पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला शुरुआती चरण में देखने को नहीं मिलेगा। दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों को अलग-अलग क्वार्टर फाइनल ग्रुप में रखा गया है।

ऐसे में ग्रुप चरण में इस बार दोनों के बीच टक्कर नहीं होगी। दोनों टीमों के फाइनल या पदक मुकाबले में पहुंचने पर ही आमना-सामना संभव होगा। इससे प्रतियोगिता में इस बहुप्रतीक्षित भिड़ंत को लेकर रोमांच बना रहेगा।

सीधे क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं दोनों टीमें

भारतीय टीम को एशियाई खेलों में सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली है। भारत के अलावा पाकिस्तान, बांग्लादेश क्रिकेट टीम और श्रीलंका क्रिकेट टीम को भी सीधे अंतिम-8 में प्रवेश मिला है। बाकी 6 टीमों को ग्रुप चरण के जरिए पहुंचना होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को क्वार्टर फाइनल-2 में रखा गया है, जबकि पाकिस्तान क्वार्टर फाइनल-1 में खेलेगा। दोनों मुकाबले 28 सितंबर को होंगे। दोनों टीम के विरोधी ग्रुप चरण के नतीजों से तय होंगे।

सेमीफाइनल में भी टक्कर होना मुश्किल

भारत और पाकिस्तान के बीच एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में भी टक्कर मुश्किल होगी। सेमीफाइनल के ड्रॉ के मुताबिक, क्वार्टर फाइनल-2 की विजेता टीम का सामना क्वार्टर फाइनल-3 की विजेता से पहले सेमीफाइनल में होगा। वहीं, क्वार्टर फाइनल-1 की विजेता टीम दूसरे सेमीफाइनल में क्वार्टर फाइनल-4 की विजेता से भिड़ेगी। इस तरह भारत और पाकिस्तान अलग-अलग सेमीफाइनल में रहेंगे। दोनों चिर प्रतिद्वंद्वियों की भिड़ंत अब केवल फाइनल या पदक मुकाबले के चरण में ही संभव होगी।

दोनों टीमें अगर सेफा में हारती हैं तो क्या होगा

भारत और पाकिस्तान को टूर्नामेंट में पहली और दूसरी वरीयता मिली है। इसलिए दोनों टीमों का सामना क्वार्टर फाइनल या सेमीफाइनल में नहीं होगा। अगर दोनों टीमें अपने-अपने मुकाबले जीतकर फाइनल में पहुंचती हैं तो वहां भारत-पाकिस्तान की टक्कर देखने को मिलेगी और मुकाबला स्वर्ण पदक के लिए होगा। वहीं, अगर दोनों टीमें सेमीफाइनल में हार जाती हैं तो वे कांस्य पदक के लिए आमने-सामने आ सकती हैं। यानी दोनों के बीच मुकाबला सिर्फ पदक के लिए ही संभव है।

महिला टीमें भी इसी प्रारूप से खेलेंगी

महिला टीमों के मैच में भी यह प्रारूप अपनाया गया है, हालांकि इसमें 10 की जगह 8 टीमें हिस्सा लेंगी। एशियाई खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आयोजित होंगे, जबकि क्रिकेट मुकाबले 17 सितंबर से शुरू होंगे। महिला क्रिकेट के मैच पहले खेले जाएंगे और इसका फाइनल 22 सितंबर को होगा। इसके बाद पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू होगी। पुरुषों का फाइनल 3 अक्टूबर को होगा। क्रिकेट मुकाबले एशियाई खेलों के आधिकारिक कार्यक्रम से पहले ही शुरू हो जाएंगे।

ब्राजील से मैत्री मैच

भारत ने आसियान कप से वापस लिया नाम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के उप महासचिव एम सत्यनारायणन ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत ने अक्टूबर में पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील के खिलाफ होने वाले हाई-प्रोफाइल अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच को प्राथमिकता देते हुए पहले फीफा आसियान कप से नाम वापस ले लिया है। भारत के आगामी टूर्नामेंट से हटने का मतलब यह भी है कि वह फीफा से मान्यता प्राप्त इस प्रतियोगिता में दक्षिण-पूर्व एशिया की कुछ प्रमुख टीम के खिलाफ खेलने का मौका गंवा देगा।

हम दोनों में नहीं खेल सकते : महासंघ

सत्यनारायणन ने कहा, 'हमने फीफा आसियान कप से नाम वापस ले लिया है क्योंकि हम ब्राजील और फीफा आसियान कप दोनों में नहीं खेल सकते।' पहली बार आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में भारत को गैर आसियान प्रतिभागियों में से एक के तौर पर आमंत्रित किया गया था। भारत ने शुरुआत में फीफा के इस नए टूर्नामेंट में भाग लेने का निमंत्रण स्वीकार किया था। बाद में उसे डिवीजन-एक के ग्रुप ए में इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर के साथ रखा गया था।

प्रतियोगिता 21 सितंबर से 6 अक्टूबर के बीच

यह प्रतियोगिता 21 सितंबर से छह अक्टूबर के बीच फीफा की अंतरराष्ट्रीय विंडो (अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के आयोजन के लिए निश्चित समय) के दौरान होनी है। हालांकि तीन अक्टूबर को कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में ब्राजील के खिलाफ भारत के मैच की प्रतिबद्धता के कारण कार्यक्रम में टकराव पैदा हो गया। इस बीच बृहस्पतिवार को आई रिपोर्टों के मुताबिक भारत 2026 फीफा विश्व कप में खेलने वाली टीमों के खिलाफ भी मैत्री मैच कराने की संभावना तलाश रहा है।

पहले ही दिन सस्ते में सिमटी ऑस्ट्रेलिया बांग्लादेश के एक विकेट पर 96 रन

एजेंसी ▶▶| डार्विन

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और बांग्लादेश क्रिकेट टीम के बीच मैरारा क्रिकेट ग्राउंड, डार्विन में पहला टेस्ट खेला जा रहा है। पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद बांग्लादेश ने 96/1 का स्कोर बना लिया है। तंजीद हसन तमीम (32*) और मोमिनुल हक (35*) क्रीज पर मौजूद हैं। बांग्लादेश पहली पारी के आधार पर केवल 102 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी सिर्फ 198 रन पर समाप्त हुई थी।

ऐसा रहा पहला दिन का खेल

ऑस्ट्रेलिया ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। उनका ये फैसला गलत साबित हुआ। स्टीव स्मिथ (71) को छोड़कर और कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। हसन महमूद ने घातक गेंदबाजी करते हुए सबसे ज्यादा 6 विकेट अपने नाम किए। उनके अलावा तस्कीन अहमद और इबादत हुसैन को 2-2 सफलता मिली। बांग्लादेश को एकमात्र झटका शादमान इस्लाम (20) के रूप में लगा। उन्हें मिचेल स्टार्क ने पवेलियन की राह दिखाई।

बेन शेल्टन और ब्रैंडन नाकाशीमा फाइनल में

मॉन्ट्रियल। मौजूदा चैंपियन बेन शेल्टन ने बुधवार रात को अपने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन को 6-2, 6-3 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन का सामना अमेरिका के ही एक अन्य खिलाड़ी ब्रैंडन नाकाशीमा से होगा। 28वीं वरीयता प्राप्त नाकाशीमा ने पहले सेमीफाइनल में स्पेन के 19 वर्षीय राफेल जोडर को 7-6 (3), 6-4 से हराकर पहली बार किसी एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। शेल्टन ने अब तक अपने करियर में छह खिताब जीते हैं। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने इस साल डलास, म्यूनिख और स्टटगार्ट में खिताब जीते थे। नाकाशीमा ने 2022 में सैन डिएगो में अपना एकमात्र टूर खिताब जीता था।

Walk In Interview

SANDIPANI PUBLIC SCHOOL
AN ENGLISH MEDIUM SCHOOL
Pendri (Masturi), Dist. Bilaspur (CG)
Mob. : 9644166222, 6264053173
Affiliated to CBSE

Applications are invited for following positions :

S.N.	Post	Subject	Qualification
1	TGT	Sanskrit	As per CBSE Norms
		English	
		Social Science	
2	PGT	English	As per CBSE Norms
		History	
		Geography	
		Economics	

You may drop your resume at spsbilaspur.hr@gmail.com
Interview on Sunday (16.08.26) Time : 11.00 am
Venue : Sandipani Public School Building
Principal

HDFC BANK HDFC Bank Ltd.
शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर - 492001
Tel: 0771-4243149/149 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

ई-नीलामी विक्रय सूचना
नीलामी की तिथि एवं समय :- 21-सितम्बर-2026, सुबह 10.30 बजे से सुबह 11.00 बजे
(बिक्री समाप्त होने तक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत् माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री नोटिस जारी करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और सुरक्षाहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की संख्या, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के प्रावधानों के साथ पठित।
एतद द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटीकर्ता (ओं) को कॉलम (ए) में इंगित किया गया है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति (बंध) कॉलम (सी) में वर्णित है जो सुरक्षित व्यक्ति को गिरवी रखी गई है। लेनदार, जिसका भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कॉलम (डी) में वर्णित सुरक्षित लेनदार द्वारा लिया गया है, 'जैसा है जहां है', 'जैसा है' पर बेचा जाएगा। क्या है', और 'जो कुछ भी है' नीचे दिए गए विवरण के अनुसार:
एतद्द्वारा, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के परन्तुक के अंतर्गत कॉलम (ए) में दर्शाए गए संबंधित उधारकर्ता/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारियों, कानूनी प्रतिनिधियों (ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक(ओं), प्रशासक(ओं), उत्तराधिकारी(ओं) और समनुदेशितियों को, जैसा भी मामला हो, सूचना दी जाती है।
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.hdfcbank.com में दिए गए लिंक को देखें।

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)	(F) / (G)
स. क्रं.	ऋणी(यों) का नाम	वसूल की जाने वाली बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) (रु.)*	अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति का विवरण (1 वर्गमीटर 10.76 वर्गफुट के बराबर है)	कब्जे का प्रकार	आरक्षित मूल्य (रु.)	ब्याना जमा राशि (रु.) / बोली वृद्धि राशि (रु.)
1.	**श्री वैद्य विजयेंद्र कुमार,** एमए-2, पदुम नगर, वार्ड नंबर 17, चरोदा, भिलाई - छत्तीसगढ़, पिन - 490010. **श्री वैद्य विजयेंद्र कुमार** यूनिक स्ट्रक्चर्स एंड टावर्स लिमिटेड, 1E, लाइट इंडस्ट्रियल वर्क्स एरिया - भिलाई - 490026.	₹ 12,51,300/- 31 दिसंबर 24* की स्थिति में	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की रिहायशी फ्लैट/अपार्टमेंट, जिसका बिल्ट-अप एरिया 595 वर्ग फ़ीट है; खसरा नंबर 41/4, 41/6, 41/7, मौज़ा-जुनवानी, चौहान हाउसिंग कंपनी 'चौहान ग्रीन वैली'; फ्लैट नंबर 23, छठी मंज़िल, ब्लॉक ए-1, वार्ड नंबर 01, रानिमं.-दुर्ग-1, प.ह.नं. -15/21, तहसील दुर्ग, ज़िला दुर्ग, छत्तीसगढ़, **चौहद्दी** : उत्तर में फ्लैट ए1/22; दक्षिण में खुली जगह, ब्लॉक ए-2; पूर्व में सड़क; पश्चिम में फ्लैट ए-1/24. फ्लैट का कुल बिल्ट-अप एरिया 595 वर्ग फ़ीट है; **लेटिट्यूड-21.222822, लांगिट्यूड-81.310438** है।	भौतिक	₹12,81,000/-	₹1,28,100/- / ₹ 5000/-
2.	**श्री साहू रूपेश कुमार** यूनिट-08, बालाजी स्पेस, स.क्र., खसरा नं. 402/1, प.ह.नं. 22, ग्राम-मोपका, बिलासपुर-495001. **इसके अलावा: श्री साहू रूपेश कुमार,** मकान नं. एलआईजी 1034, दीनदयाल आवास योजना, मंगला, बिलासपुर -छत्तीसगढ़, पिन - 495001 - भारत।	₹13,91,031/- 30 अप्रैल 23* की स्थिति में	प्लॉट-08 बालाजी स्पेस, स.क्र, खसरा नं. 402/1, प.ह.नं. 22, ग्राम - मोपका, बिलासपुर छ.ग., क्षेत्रफल - 1038 वर्गफीट (96.468 वर्ग मीटर)/बिल्ट-अप एरिया 847 वर्गफीट, **लेटिट्यूड-22.093206, लांगिट्यूड-82.194090.**	भौतिक	₹32,00,000/-	₹3,20,000/- / ₹ 5,000/-

सुरक्षित संपत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय :- 29-अगस्त-2026, सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे
बोली की अंतिम तिथि :-17-सितम्बर-2026, शाम 5.00 बजे के पहले

* साथ में अतिरिक्त ब्याज, जैसा लागू हो, भुगतान की तारीख और/या उसकी प्राप्ति तक किए गए आकस्मिक व्यय, लागत, प्रभार आदि।
ऋणभार/दावों का खुलासा: (1) एच.डी.एफ.सी. के अधिकृत अधिकारी की जानकारी और समझ के अनुसार, सीरियल नंबर 1 वाली अचल संपत्तियों/सुरक्षित संपत्तियों पर कोई बोझ नहीं है। (2) आइटम सीरियल नंबर 2 के लिए, इन्वेंट्री मौजूद है। उक्त संपत्ति के खरीदार को अनिवार्य रूप से यह इन्वेंट्री खरीदनी होगी।
संपत्ति के निरीक्षण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, या ई-नीलामी बोली दस्तावेज प्राप्त करने के लिए और किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी श्री लोकेश माहोरे से टेलीफोन नंबर 871800900 या श्री अंशुल अग्रवाल से टेलीफोन नंबर 9713436260 या मेसर्स वैल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से संपर्क करें; ई-मेल: Auction.Manager@BidDeal.in; संपर्क नंबर: +919266604643.
सावधानी नोट: बड़े पैमाने पर ई-बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और उसके अधिकृत अधिकारी नीलामी बिक्री नोटिस में उल्लिखित अचल संपत्ति के संबंध में नकद लेनदेन नहीं करते हैं। नाम और अचल संपत्ति की बिक्री से निपटने के लिए एचडीएफसी बैंक लिमिटेड द्वारा अधिकृत एजेंसी/दलाल, यदि कोई हो, का संपर्क विवरण केवल ऊपर उल्लिखित पते पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।
दिनांक: 14 अगस्त, 2026
स्थान: दुर्ग, बिलासपुर
रजिस्टर्ड पता-एच.डी.एफ.सी. बैंक हाउस, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई-400013
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
प्राधिकृत अधिकारी
ASA

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया Central Bank of India
"CENTRAL" TO YOU SINCE 1911
Cent eeZ
सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
राष्ट्रव्यापी मेगा कृषि ऋण आउटरीच कैंप
17 अगस्त 2026
जिन्जर लिफ, बैंक्वेट हॉल, गंगरेल रोड, रुद्री, धमतरी (छत्तीसगढ़)
समय : 10.30 AM
में आपको आमंत्रित करता है। आपकी व्यावसायिक आकांक्षाओं को विकास की नई दिशा देने के लिए कृषि क्षेत्र को समय पर ऋण, अनुकूलित वित्तीय समाधान एवं विशेषज्ञ सहायता प्रदान कर सशक्त बनाना।

सेन्ट कोल्ड स्टोरेज योजना
- कोल्ड स्टोरेज या वेयरहाउस की स्थापना के लिए वित्तपोषण
- ब्याज दर 7.95%* से शुरू
- ₹50 करोड़ तक का ऋण

सेन्ट फूड प्रोसेसिंग योजना
- चावल, तेल, दाल, दूध एवं अन्य प्रसंस्करण इकाइयों के लिए
- ब्याज दर 7.95%* से शुरू
- ₹100 करोड़ तक का ऋण

सेन्ट पोल्ट्री योजना
- पोल्ट्री व्यवसाय की स्थापना या विस्तार के लिए
- ब्याज दर 8.45%* से शुरू
- ₹50 करोड़ तक का ऋण

सेन्ट एग्री गोल्ड लोन
- उत्पादन ऋण/कार्यशील पूंजी/कृषि निवेश संबंधी ऋण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए
- ब्याज दर 7%* से शुरू
- ₹40 लाख तक का ऋण

एसएचजी-एनआरएलएम योजना
- रिवॉल्विंग कैश क्रेडिट अथवा सावधि ऋण की सुविधा
- ब्याज दर 7%* से शुरू*
- ₹20 लाख तक का ऋण

For your safety download Cent eeZ app only from
Toll Free Number 1800 30 30
*Terms & Conditions apply
www.centralbank.bank.in

RAMKRISHNA CARE HOSPITALS

कैंसर के खिलाफ जंग में, एक दृढ़ संकल्प,

रायपुर को मिल रही स्वस्थ भविष्य की एक अदम्य शक्ति।

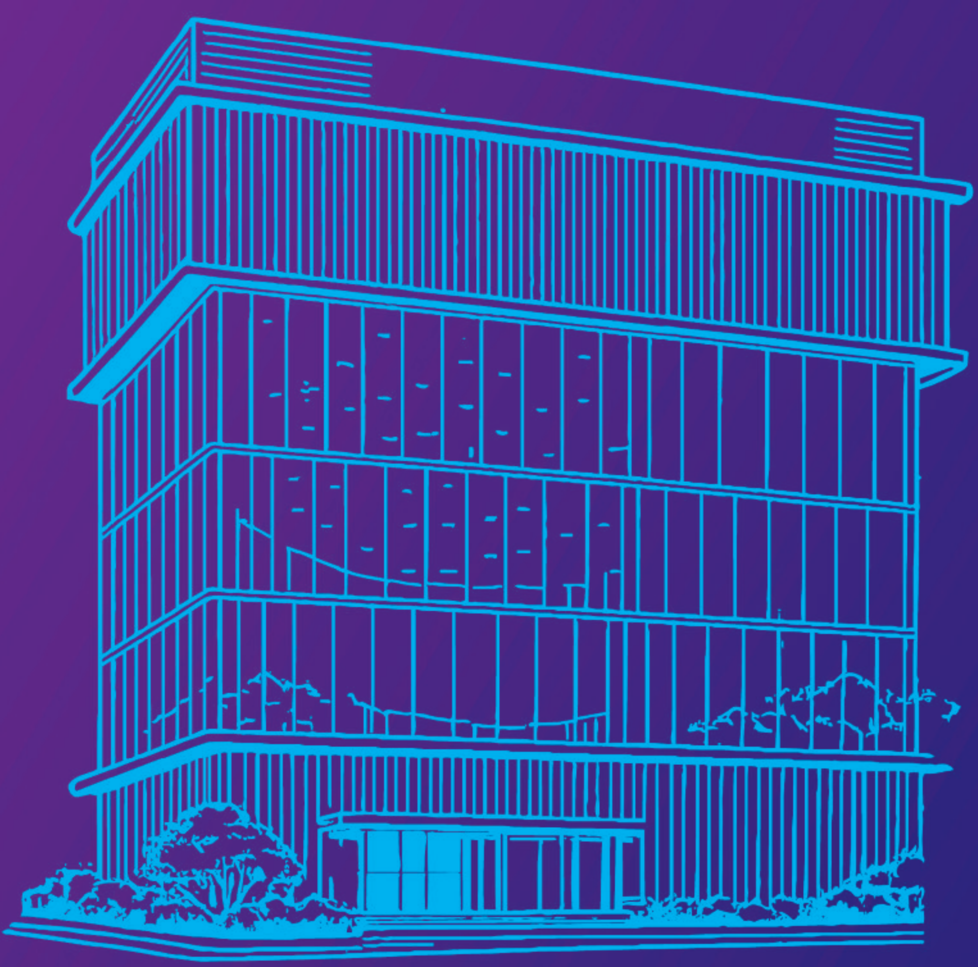

प्रस्तुत है

CARE CANCER INSTITUTE

उद्घाटनकर्ता

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री,
छत्तीसगढ़ शासन

स्थान : रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर

गरिमामयी उपस्थिति में

श्री रमन सिंह
माननीय अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा एवं पूर्व मुख्यमंत्री

श्री श्याम बिहारी जायसवाल
माननीय मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा

डॉ. पवन कुमार
चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (इंडिया II) एस्टर डीएम क्वालिटी केयर लिमिटेड

डॉ. संदीप दवे
मेडिकल एवं मैनेजिंग डायरेक्टर रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल

भव्य उद्घाटन

- दिनांक : रविवार, 16 अगस्त 2026
- समय : दोपहर 12:30 बजे
- स्थान : रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर

रायपुर में व्यापक कैंसर उपचार के एक नए युग की शुरूआत। मध्य भारत के समुदायों के और करीब पहुंची बहु-विषयक विशेषज्ञता, अत्याधुनिक तकनीक और एकीकृत उपचार सुविधाएँ। एक ही छत के नीचे यह विश्वस्तरीय कैंसर संस्थान कैंसर की उपचार यात्रा के हर चरण को अधिक समन्वित, सटीक और रोगी-केंद्रित बनाता है। विशेषज्ञों से सुसज्जित मल्टी-डिसिप्लिनरी ट्यूमर बोर्ड प्रत्येक मरीज के मामले की सामूहिक समीक्षा कर उसके लिए सबसे उपयुक्त उपचार पद्धति तय करता है।

घर के करीब विश्वस्तरीय कैंसर उपचार

मेडिकल ऑन्कोलॉजी | सर्जिकल ऑन्कोलॉजी | रेडिएशन ऑन्कोलॉजी | न्यूक्लियर मेडिसिन | मल्टी-डिसिप्लिनरी ट्यूमर बोर्ड | BMT | हेमेटोलॉजी | क्रिटिकल केयर | पेन एवं पैलिएटिव केयर

समर्पित एवं अनुभवी विशेषज्ञों टीम

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

डॉ. मौ रॉय
क्लिनिकल डायरेक्टर एवं सीनियर कंसल्टेंट- सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

डॉ. वरूण शर्मा
सीनियर कंसल्टेंट - यूरोलॉजी, यूरो-ऑन्कोलॉजी एवं रोबोटिक सर्जरी

डॉ. नवीन जैन
कंसल्टेंट- सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

डॉ. अकेला फणेन्द्र सो.
कंसल्टेंट - सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

डॉ. रूचिर धाकड़
कंसल्टेंट - सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

मेडिकल ऑन्कोलॉजी

डॉ. रवि जायसवाल
सीनियर कंसल्टेंट एवं प्रमुख - मेडिकल ऑन्कोलॉजी एवं हेमेटोलॉजी

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी

डॉ. गौरव गुप्ता
सीनियर कंसल्टेंट एवं प्रमुख - रेडिएशन ऑन्कोलॉजी

न्यूक्लियर ऑन्कोलॉजी

डॉ. नीरू केरकेट्टा
कंसल्टेंट - न्यूक्लियर मेडिसिन

प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी

डॉ. सुभाष साहू
कंसल्टेंट - प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी

Aster CARE HOSPITALS evercare KIMSHEALTH
Aster DM Quality Care Limited

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल
पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड
रायपुर, छत्तीसगढ़ -492001

0771 6165 656
www.carehospitals.com

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com